THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

'सरकारें भ्रामक विज्ञापन रोकने का सिस्टम बनाएं'

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (26 मार्च) को झूठे और भ्रामक विज्ञापनों पर सख्ती बरतने के लिए सभी राज्यों को निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि सभी सरकारें भ्रामक विज्ञापन के खिलाफ शिकायत की सुनवाई के लिए 2 महीने के भीतर एक सिस्टम बनाएं।

दरअसल, 2022 में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की। इसमें पतंजलि और योगगुरु रामदेव पर कोविड वैक्सीनेशन और मॉडर्न मेडिकल साइंस के खिलाफ दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद से ही कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को भ्रामक विज्ञापन की सुनवाई कर रहे जस्टिस अभय एस. ओका और उज्जल भुइयां की बेंच ने यह आदेश जारी किया।

वर्ष-29 अंक : 364 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र कृ.13 2081 गुरुवार, 27 मार्च-2025**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✲ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

महादेव सट्टा : भूपेश बघेल के घर सीबीआई रेड

4 आईपीएस के यहां भी छापा; 4 राज्यों के 60 जगहों पर एक्शन

रायपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। महादेव सट्टा एप मामले में सीबीआई की टीम ने छत्तीसगढ़ सहित 4 राज्यों दिल्ली, भोपाल और कोलकाता के 60 जगहों पर छापा मारा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उनके दो ओएसडी रहे आशीष वर्मा और मनीष बंछोर, उनकी सेक्रेटरी रही सौम्या चौरसिया, विधायक देवेंद्र यादव, रिटायर्ड आईएएस अनिल टुटेजा और 4 आईपीएस अधिकारी आनंद छाबड़ा, अभिषेक पल्लव, आरिफ शेख, प्रशांत अग्रवाल के घर जांच जारी है। इसके साथ ही एएसपी संजय ध्रुव और दो सिपाही नकुल-सहदेव के घर भी टीम ने दबिश दी है। रायपुर, दुर्ग और भिलाई में 10 से अधिक टीमें कार्रवाई कर रही है। भोपाल में बैक एण्ड शेक के मालिक गिरीश तलरेजा के ठिकानों पर भी सीबीआई ने सर्चिंग की है। उनके आईएसबीटी स्थित होटल पर भी सर्च कार्रवाई की गई है।

'दिल्ली के बाद पश्चिम बंगाल में भी खिलेगा कमल'

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को दिल्ली में भाजपा के बढ़ते प्रभाव को बयान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भी कमल खिल गया है। दिल्ली बच गई थी, लेकिन अब आयुष्मान भारत दिल्ली में भी आ चुका है।

अपने बयान में आगे उन्होंने पश्चिम बंगाल को लेकर इशारा करते हुए कहा कि अब केवल पश्चिम बंगाल बचा है, और चुनाव के बाद वहां भी कमल खिलेगा और आयुष्मान भारत पश्चिम बंगाल में भी आएगा। दिल्ली और पश्चिम बंगाल पर बोलने के बाद अमिक शाह ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक 2025 पर अपना बयान दिया। उन्होंने लोकसभा में इस विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि सहकारिता का क्षेत्र देश के हर परिवार को जोड़ता है। उन्होंने बताया कि हर गांव में कोई न कोई सहकारी संस्था होती है, जो कृषि, ग्रामीण विकास और स्वरोजगार से जुड़ी होती है और देश की प्रगति में योगदान करती है। अमित शाह ने त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक की खासियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस विधेयक के पारित होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, स्वरोजगार और लघु उद्यमिता का विकास होगा। साथ ही सामाजिक समावेश बढ़ेगा और नवाचार और अनुसंधान के नए अवसर मिलेंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय का नामकरण इस आधार पर किया गया है क्योंकि यह सहकारिता के एक ऐसे मॉडल पर आधारित है, जिसने पूरी दुनिया को चकित किया। उनका कहना था कि यह नाम एक ऐसे व्यक्ति के सिद्धांतों पर आधारित है, जिन्होंने गांधी जी के सिद्धांतों को अपनाया और ईमानदारी से सहकारिता के सिद्धांतों को जीवन में उतारा। गौरतलब है कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय विधेयक 2025 एक प्रस्तावित विधेयक है, जिसे तीन फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया गया था।

शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के मुख्य सचेतक और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और पार्टी की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश के आरोप में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। जयराम रमेश ने राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ को दिए अपने नोटिस में बताया कि 25 मार्च को अमित शाह ने आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर चर्चा के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री राहत कोष कांग्रेस शासन में बना था, जबकि पीएम केयर्स फंड नरेंद्र मोदी सरकार में बनाया गया।

मातृत्व योजना के लिए धन की भारी कमी : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बुधवार को गर्भवती महिलाओं को मातृत्व लाभ देने वाली प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) में धन की कमी को लेकर केंद्र सरकार से तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि मातृत्व योजना के लिए आवंटित धन में भारी कमी है, जिससे योजना के लाभार्थियों को उनके अधिकारों में भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि इस योजना के तहत लाभार्थियों की संख्या में भारी गिरावट आई है। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से पूछा कि ऐसा क्यों होने दिया गया? राज्यसभा में सोनिया गांधी ने बताया कि 2013 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत गर्भवती महिलाओं को 6,000 रुपये के मातृत्व लाभ का अधिकार मिला था।

राहुल बोले-मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया जाता

हम जो कहना चाहते हैं, कहने नहीं देते-सदन अलोकतांत्रिक तरीके से चला रहे

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। बजट सत्र के दूसरे फेज का आज 11वां दिन है। इस दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया जाता है। संसद अलोकतांत्रिक तरीके से चलाई जा रही है। उन्होंने कहा-विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं मिलता है। संसद केवल सरकार के लिए चल रही है। इस बीच विपक्ष के 70 सांसद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिले। सांसदों ने स्पीकर से अपनी नाराजगी जताई। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि क्या हुआ। मैं खड़ा हुआ और कहा कि मुझे बोलने दीजिए। स्पीकर एक शब्द नहीं बोले, घूमकर चले गए। हाउस एडजर्न (सदन स्थगित) कर दिया गया। मैंने कुछ नहीं किया। मैं बिल्कुल शांति से बैठा था। अभी भी मैंने एक शब्द नहीं बोला। पिछले 7-8 दिन में मैंने कुछ नहीं बोला है। ये नया तरीका है। डेमोक्रेसी में सरकार और अपोजिशन (विपक्ष) की जगह होती है। यहां अपोजिशन की जगह है ही नहीं। यहां सिर्फ सरकार की जगह है। उस दिन प्रधानमंत्री जी ने कुंभ मेले के बारे में बोला। मैं कहना चाहता था कि कुंभ बहुत अच्छा हुआ। बेरोजगारी के बारे में बोलना चाहता था, लेकिन बोलने नहीं दिया। पता नहीं इनकी क्या थिंकिंग (सोच), क्या अप्रोच है?

पूर्व ईडी चीफ संजय कुमार मिश्रा को बड़ी जिम्मेदारी

पीएम की आर्थिक सलाहकार परिषद में शामिल

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व प्रमुख संजय कुमार मिश्रा को बुधवार को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) में शामिल किया गया। उत्तर प्रदेश से 1984 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी मिश्रा को सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। ईएसी-पीएम एक स्वतंत्र निकाय है जिसका कार्य प्रमुख आर्थिक मुद्दों पर प्रधानमंत्री को पूरी जानकारी प्रदान करना और सलाह देना है। 2018 में पहली बार ईडी प्रमुख के रूप में नियुक्त किए गए मिश्रा को एजेंसी का नेतृत्व करते समय केंद्र की ओर से कई बार सेवा विस्तार दिया गया था।

जज कैश केस-पुलिस ने स्टोर रूम सील किया

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर जले हुए नोटों के बंडल मिलने के मामले में बुधवार को पुलिस उनके घर पहुंची। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डीसीपी नई दिल्ली देवेश की टीम ने पैसे मिलने वाले स्टोर रूम को सील किया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने को कहा है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता एडवोकेट मैथ्यूज जे नेदुम्परा को सार्वजनिक बयान न देने का आदेश दिया है।

बेल्जियम बोला-भगोड़ा हीरा कारोबारी चोकसी हमारे यहां

नई दिल्ली/एंटवर्प, 26 मार्च (एजेंसियां)। भगोड़ा हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले का मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी यूरोपीय देश बेल्जियम में है। अब बेल्जियम ने न्यूज चैनल एनडीटीवी को इसकी पुष्टि की है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ऑफिशियल स्टेटमेंट में चोकसी की देश में मौजूदगी की जानकारी दी। साथ ही कहा- हम मामले की अहमियत समझते हैं। हालांकि, बेल्जियम ने भी कहा- हम व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करते। फिर भी विदेश विभाग इस महत्वपूर्ण मामले में होने वाली घटनाओं पर लगातार नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने बेल्जियम के अधिकारियों से चोकसी के प्रत्यर्पण (एक्स्ट्रेडिशन) प्रक्रिया शुरू करने के लिए संपर्क किया है। मेहुल चोकसी और एक अन्य भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर पीएनबी की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था।

सीएम योगी के प्लेन में आई खराबी

> उड़ान भरने के 20 मिनट बाद इमरजेंसी लैंडिंग

आगरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। आगरा से लखनऊ रवाना होने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्लेन में तकनीकी खराबी आ गई। सीएम जीआईसी मैदान पर अपनी सरकार के आठ साल पूरे होने के मौके पर हुई जनसभा के बाद लखनऊ रवाना होने के लिए खेरिया एयरपोर्ट पहुंचे। सीएम योगी का सरकारी जहाज तब खराब हुआ, जब वह उड़ान भर रहा था। आगरा एयरपोर्ट से टेकऑफ होने के 20 मिनट बाद उनके प्लेन को वापस उतारा गया। सूचना के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया।

सभी अधिकारी आनन-फानन एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री खेरिया एयरपोर्ट से शाम को लखनऊ रवाना हो गए। विमान खराब होने के चलते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब डेढ़ घंटे तक आगरा में रुके रहे। इसके बाद दिल्ली से आए दूसरे विमान से वह लखनऊ के लिए रवाना हुए। इसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

दोस्तों ने मिलकर 9वीं क्लास के लड़के को किया किडनैप, मांगी 10 लाख की फिरौती, फिर कर दी हत्या

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के वजीराबाद में एक दिल दहला देने वाली घटना देखने को मिली है। दरअसल यहां दोस्तों ने मिलकर 9वीं कक्षा के लड़के को अगवा कर लिया और फिर उसकी हत्या कर दी। बता दें कि पहले तो छात्र को अगवा करने के बाद किडनैपरों ने परिवार को फोन कर 10 लाख रुपये की फिरौती भी मांगी थी। हालांकि अब भलस्वा झील के पास सुनसान इलाके में हत्या कर किडनैपरों ने 9वीं क्लास के बच्चे के शव को फेंक दिया है। मृतक छात्र के शरीर पर चाकुओं के निशान मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में तीन लड़कों को पकड़ा है, जिनसे पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान 15 वर्षीय वैभव के रूप में हुई है जो परिवार सहित मिल विहार इलाके में रहता था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- रेप पर इलाहाबाद एचसी की टिप्पणी असंवेदनशील:फैसले पर रोक

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें एचसी कहा था कि नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं। जस्टिस बीआर गवई और एजे मसीह की बेंच ने बुधवार को इस केस पर सुनवाई की। बेंच ने कहा, हाईकोर्ट के आदेश में की गई कुछ टिप्पणियां पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय नजरिया दिखाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। एक दिन पहले एससी ने हाईकोर्ट के फैसले पर खुद सुनवाई का फैसला किया था। इस फैसले पर कानूनी विशेषज्ञों, राजनेताओं और अलग-अलग क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स के विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा था। हालांकि, पहले इसी केस पर दायर एक याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया था। इस याचिका में जजमेंट के विवादित हिस्से को हटाने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट ने कहा था- नाबालिग का ब्रेस्ट पकड़ना, नाड़ा तोड़ना रेप नहीं

पहले जानिए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या कहा था

किसी लड़की के निजी अंग पकड़ लेना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ देना और जबरन उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश से रेप या 'अटेम्प्ट टु रेप' का मामला नहीं बनता। सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा ने ये फैसला सुनाते हुए 2 आरोपियों पर लगी धाराएं बदल दीं। वहीं 3 आरोपियों के खिलाफ दायर क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली थी।

3 साल पुराना मामला, मां ने दर्ज कराई थी एफआईआर

दरअसल, यूपी के कासगंज की एक महिला ने 12 जनवरी, 2022 को कोर्ट में एक शिकायत दर्ज कराई थी। उसने आरोप था लगाया कि 10 नवंबर, 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ कासगंज के पटियाली में देवरानी के घर गई थीं। उसी दिन शाम को अपने घर लौट रही थीं। रास्ते में गांव के रहने वाले पवन, आकाश और अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया, लेकिन रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की के प्राइवेट पार्ट को पकड़ लिया। आकाश ने उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करते हुए उसके पायजामे की डोरी तोड़ दी। लड़की की चीख-पुकार सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे सतीश और भूरे मौके पर पहुंचे। इस पर आरोपियों ने देसी तमंचा दिखाकर दोनों को धमकाया और फरार हो गए।

पीड़ित की मां एफआईआर दर्ज कराने गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की

जब पीड़ित बच्ची की मां आरोपी पवन के घर शिकायत करने पहुंची, तो पवन के पिता अशोक ने उसके साथ गालीगलौज की और जान से मारने की धमकी दी। महिला अगले दिन थाने में एफआईआर दर्ज कराने गई। जब पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की, तो उसने अदालत का रुख किया। 21 मार्च 2022 को कोर्ट ने आवेदन को शिकायत के रूप में मानकर मामले को आगे बढ़ाया। शिकायतकर्ता और गवाहों के बयान रिकॉर्ड किए गए। आरोपी पवन और आकाश के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 354, 354बी और पोक्सो एक्ट की धारा 18 के तहत केस दर्ज किया गया। वहीं आरोपी अशोक पर आईपीसी की धारा 504 और 506 के तहत केस दर्ज किया। आरोपियों ने समन आदेश से इनकार करते हुए हाईकोर्ट के सामने पुनरीक्षण दायर किया। यानी कोर्ट से कहा कि इन आरोपों पर दोबारा विचार कर लेना चाहिए। जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की सिंगल बेंच ने क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन स्वीकार कर ली थी।

एयरपोर्ट के टॉयलेट में मिला नवजात का शव किसने फेंका, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई,26 मार्च (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब टॉयलेट के डस्टबिन में एक नवजात बच्चे की लाश मिलने की सूचना आई। एयरपोर्ट के टॉयलेट में यह शव बीती रात करीब 10:30 बजे देखा गया, जिसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मी के साथ नजदीकी पुलिस स्टेशन में इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने चेक करते ही नवजात को मृत घोषित कर दिया। मुंबई की सहार पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है। ये बच्चा किसने फेंका, इसकी तलाश की जा रही है। इससे पहले नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास खड़ी ट्रेन के दो डिब्बों को जोड़ने वाले 'कपलर' पर एक नवजात शिशु का शव मिला था। बच्चे का शरीर खून से लथपथ था, लेकिन उस पर कोई बाहरी चोट नहीं थी।

'यूपी में शराब की एक बोतल खरीदने पर एक फ्री, योगी राज में'

संजय सिंह का बीजेपी पर तंज, बोले- करेंगे आंदोलन

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले में 'बाय वन गेट वन फ्री' शराब की बोतलें मिल रही हैं। यह ऑफर यूपी आबकारी विभाग की ओर से 31 मार्च तक के लिए दिया जा रहा है। इस ऑफर को देखते हुए शराब की दुकानों में भारी भीड़ नजर आ रही है। इसे लेकर आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के साथ-साथ राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। आतिशी ने सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, एक के साथ एक बोतल शराब फ्री मिल रही है। मुझे उम्मीद है बीजेपी वाले इसके खिलाफ विरोध करने आएंगे। मुझे उम्मीद है कि इस घोटाले की जांच ईडी और सीबीआई तुरंत शुरू करेंगे। वहीं संजय सिंह ने लिखा, योगी जी के राज में शराब पर बंपर ऑफर। यूपी में एक के बदले एक शराब की बोतल फ्री मिल रही है। ये है असली शराब घोटाला, लेकिन चारों तरफ सन्नाटा है। आरएसएस और बीजेपी के नेता इस पर खामोश हैं। 29 मार्च को यूपी के सभी जिलों में आप का आंदोलन होगा।

शराब की दुकानों पर लगी लंबी लाइन

बता दें कि दिल्ली से सटे और एनसीआर में आने वाले यूपी के शहर नोएडा में भी कई शराब की दुकानों पर शराब की एक बोतल खरीदने पर एक फ्री मिल रही है। इसकी वजह से शराब की दुकानों के बाहर लंबी-लंबी लाइने लगी हैं और लोग जमकर शराब खरीद रहे हैं। दरअसल, 31 मार्च को आबकारी विभाग की सालाना लाइसेंस की अवधि समाप्त हो जाएगी। इसके बाद या ऑफर उपलब्ध नहीं रहेगा। ऐसे में लोग इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए तेजी से खरीदारी कर रहे हैं। पिछले दिनों ई-लॉटरी से दुकानों का आवंटन किया गया है, जिसके चलते काफी पुरानी शराब की दुकानों के संचालकों की ई-लाटरी में दुकानें नहीं मिल सकीं। पुरानी दुकानों पर 31 मार्च तक स्टॉक खत्म करना जरूरी है, जिसके चलते यह ऑफर दिया जा रहा है।

फिर किन्नरों की गुंडागर्दी आई सामने, ढाबा संचालक पर किया हमला पहले भी हो चुका है विवाद

सागर,26 मार्च (एजेंसियां)। सागर जिले के खुरई में किन्नरों की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। एक ढाबा संचालक ने मांसाहारी खाना बनाने से मना किया, तो किन्नर प्रीति नायक ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर लाठियों, लोहे की रॉड और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। घटना मंगलवार की है और यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। ढाबा संचालक 28 वर्षीय प्रदीप पटेल पर हुए इस हमले में उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। कई अन्य कर्मचारियों को भी मामूली चोटें लगी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, किन्नरों ने ढाबे में जमकर तोड़फोड़ की और बाहर खड़े लोगों को भी बेवजह पीटा।

'सौगात ए मोदी' को लेकर संजय राउत का बीजेपी पर तंज, बोले- 'महाराष्ट्र सरकार मुसलमानों के खिलाफ'

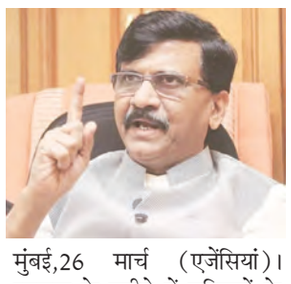

मुंबई,26 मार्च (एजेंसियां)। रमजान के महीने में मुस्लिमों के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए बीजेपी 32 लाख मुस्लिमों 'सौगात ए मोदी' किट बांट रही है। वहीं बीजेपी के इस कदम का महाराष्ट्र के दिग्गज नेता और शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने स्वागत किया है। हालांकि उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर मुस्लिमों के खिलाफ जहर उगलने का आरोप लगाया। सौगात ए मोदी पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा, अगर सरकार ऐसी मदद करती है तो इसका स्वागत होना चाहिए। महाराष्ट्र सरकार मुसलमानों के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। मैं महाराष्ट्र के नेताओं से पूछना चाहता हूं क्या पीएम मोदी का ये कदम स्वीकार्य है, हम तो इस फैसले का स्वागत करते हैं। दरअसल, बुधवार (26 मार्च) को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संजय राउत ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने औरंगजेब की कब्र और कुणाल कामरा के टिप्पणी पर हुए विवाद पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। कुणाल कामरा को लेकर संजय राउत ने कहा, कुणाल कामरा धमकी से डरने वाला कलाकार नहीं है, वो मर जाएगा लेकिन डरेगा नहीं। योगी आदित्यनाथ कि बात सही है कि फायदा नहीं उठाना चाहिए, जो कामरा ने टिप्पणी की है, वो महाराष्ट्र के हालात पर कहा है। आप जो ये तोड़फोड़ कर रहे हैं। मौका सभी को मिलता है, मैं इतना ही कहूंगा। बता दें कि कॉमेडियन कुणाल कामरा ने बिना नाम लिए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी की थी। वहीं प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान औरंगजेब की कब्र को लेकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा, जब तक पीएम मोदी और अमित शाह हैं तब तक औरंगजेब की कब्र को कोई हाथ नहीं लगा सकता है, न एकनाथ शिंदे न उनके लोग। वहीं दिशा सालियान की मौत के मामले पर संजय राउत ने कहा, बदनाम करने की यह राजनीतिक साजिश पिछले 5 सालों से चल रही है। अगर मामला कोर्ट में है तो वहीं रहने दें। हमें न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।

राहुल गांधी और मुस्लिमों पर सीएम योगी की टिप्पणी को लेकर भड़के एमवीए के नेता

मुंबई,26 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने एक हालिया इंटरव्यू में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए 'नमूना' शब्द का इस्तेमाल किया। इस पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है तो इसकी सहयोगी शिवसेना यूबीटी ने भी बयान की निंदा की है। जबकि बीजेपी का कहना है कि सीएम योगी ने सत्य कहा है। महाराष्ट्र कांग्रेस की नेत्री ज्योति गायकवाड़ ने कहा, "बीजेपी को राहुल गांधी से डर लगता है इसलिए वो उन्हें इस तरह से कहते हैं, मुझे लगता है यह अभिव्यक्ति की आज़ादी नहीं हैं। एक तरफ महाराष्ट्र ने नेताओं पर टिप्पणी करने वाले पर करवाई होती है और दूसरी तरफ उनके नेता इस तरह की बातें करते हैं। बुलडोजर के नाम पर सरकार मनमाना काम करती है।" वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने कहा कि यह सत्ता की मस्ती है इस वजह से वे ऐसा कह रहे हैं। कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना यूबीटी के नेता अंबादास दानवे ने कहा, "राहुल गांधी लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके पास 100 से ज्यादा सांसद हैं। वो देश का मुद्दा उठाते हैं उनपर इस तरह की टिप्पणी करने की मैं निंदा करता हूं। उत्तर प्रदेश में मुसलमानों को गोली मारी जा रही है। वो क्या कहेंगे सुरक्षा पर, ये लोग सिर्फ दिखावा करते हैं।" जबकि सत्ता पक्ष से बीजेपी के नेता राम कदम ने कहा, "राहुल गांधी पर योगी जी ने जो कहा वो सत्य ही कहा है। मुझे याद नहीं है कि उन्होंने कभी कोई चुनाव जीता हो। अंबादास जी ने जो कहा कि वहां मुसलमानों को गोली मारी जाती है उसका एक उदाहरण बताएं। सिर्फ गलत बातें फैलाई जाती हैं। मोदी जी ने हमेशा सबका साथ सबका विकास की बात कही है।" महायुति में शामिल एकनाथ शिंदे की शिवसेना की नेत्री मनीषा कयांदे ने कहा, "मुझे नहीं पता कि योगी जी ने किस संदर्भ में राहुल गांधी पर टिप्पणी की है। कानून अपना काम करता है और बुलडोजर एक्शन भी नियमों के मुताबिक होते हैं। और ऐसा होना भी चाहिए नहीं तो ये अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर कुछ भी कहेंगे।

दिल्ली के अपोलो अस्पताल को 1 रुपये लीज पर मिली थी जमीन

एम्स को सौंपने की चेतावनी क्यों दी गई?

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के अपोलो अस्पताल को चेतावनी दी है। कोर्ट ने कहा है कि अगर इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में गरीब लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया नहीं कराया जाता है तो वो एम्स से इसे अपने अधीन करने को कहेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अस्तपाल से ये बात कही। बेंच ने लीज समझौते के उल्लंघन को गंभीरता से लिया, जिसके तहत इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईएमसीएल) द्वारा संचालित अस्पताल को एक रुपये के लीज पर जमीन दी गई है। समझौते के तहत अस्पताल को अपने एक तिहाई गरीब मरीजों और 40 प्रतिशत बाहरी मरीजों को बिना किसी भेदभाव के मुफ्त चिकित्सा और अन्य सुविधाएं मुहैया करानी थी। पीठ ने कहा, यदि हमें पता चला कि गरीब लोगों को मुफ्त इलाज नहीं दिया जा रहा है तो हम अस्पताल को

एम्स को सौंप देंगे। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अपोलो ग्रुप का अस्पताल दिल्ली के पॉश इलाके में निर्मित है। इसे एक रुपये के लीज पर दिया गया था। नो प्रॉफिट और नो लॉस के फॉर्मूले पर इसे चलाया जाना था, लेकिन ये एक कर्मशियल वेंचर बन गया है, जहां गरीब लोग मुश्किल से इलाज करा पाते हैं।

अस्पताल के वकील ने क्या कहा?

आईएमसीएल के वकील ने कहा कि अस्पताल एक संयुक्त उद्यम के रूप में चलाया जा रहा है और दिल्ली सरकार की इसमें 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उसे भी आय में बराबर का लाभ मिल रहा है। जस्टिस सूर्यकांत ने वकील से कहा, अगर दिल्ली सरकार गरीब मरीजों की देखभाल करने के बजाय अस्पताल से मुनाफा कमा रही है तो यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात है। पीठ ने कहा कि अस्पताल को 30 साल के पट्टे पर जमीन दी गई थी जो 2023 में समाप्त होनी थी। कोर्ट ने साथ ही केंद्र और दिल्ली सरकार से यह पता लगाने को कहा कि उसका पट्टा समझौता नवीनीकृत हुआ या नहीं। शीर्ष अदालत आईएमसीएल की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अस्पताल ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 22 सितंबर, 2009 के आदेश को चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि अस्पताल प्रशासन ने इनडोर और आउटडोर गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने के समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है। इसने केंद्र और दिल्ली सरकार से पूछा कि अगर लीज समझौते को आगे नहीं बढ़ाया गया है तो जमीन के इस हिस्से के संबंध में क्या कानूनी प्रक्रिया अपनाई गई है।

अगली सुनवाई कब?

पीठ ने अस्पताल में मौजूदा कुल बेड की संख्या भी पूछी और पिछले पांच वर्षों के ओपीडी मरीजों का रिकॉर्ड मांगा। पीठ ने कहा, हलफनामे में यह भी बताया जाएगा कि पिछले पांच वर्षों में कितने गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया गया। बेंच ने अस्पताल प्रशासन से निरीक्षण दल के साथ सहयोग करने और निगरानी प्राधिकरण द्वारा मांगे गए सभी प्रासंगिक रिकॉर्ड उपलब्ध कराने को कहा। शीर्ष अदालत ने अस्पताल प्रशासन को हलफनामा दाखिल करने की स्वतंत्रता दी और मामले की सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की।

हाई कोर्ट ने क्या कहा था?

22 सितंबर, 2009 को उच्च न्यायालय ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया था कि वह निःशुल्क बिस्तरों में से एक तिहाई, यानि 200 बिस्तर, पर्याप्त स्थान व आवश्यक सुविधाओं के साथ इनडोर मरीजों को उपलब्ध कराए। साथ ही आउटडोर मरीजों में से 40 प्रतिशत को निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रबंध करे। उच्च न्यायालय ने कहा था कि सभी सरकारी अस्पतालों में स्पेशलिटी या सुपर स्पेशलिटी है और भले ही वह सामान्य अस्पताल हो, उन्हें विशेष रेफरल सेंटर (काउंटर/कमरे) स्थापित करने होंगे। ये केंद्र अस्पताल के कैजुअल्टी और नियमित ओपीडी का हिस्सा होंगे। गंभीर हालत में अस्पताल के कैजुअल्टी में लाए गए मरीजों को अगर आवश्यक हो तो इलाज के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में रेफर किया जाना चाहिए।

यमुनानगर नगर निगम पति से आशीर्वाद लेकर कार्यालय पहुंचीं मेयर सुमन बहमनी

यमुनानगर, 26 मार्च (एजेंसियां)। यमुनानगर की नवनियुक्त मेयर सुमन बहमनी ने बुधवार को निगम कार्यालय में प्रवेश करने से पहले अपने पति सतपाल बहमनी से आशीर्वाद लिया। इस भावुक पल में सतपाल बहमनी की आंखें नम हो गईं। मेयर सुमन बहमनी ने अपने पदभार ग्रहण करने से पहले अपने पति का आशीर्वाद लेते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन और सहयोग ही उनकी ताकत है। जैसे ही उन्होंने झुककर आशीर्वाद लिया, सतपाल बहमनी भावुक हो उठे और उन्हें सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधायकों के निलंबन पर कांग्रेस के प्रदर्शन को कुचलने का आरोप, अजय लल्लू बोले- यह सरकार की तानाशाही

भुवनेश्वर,26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने ओडिशा विधानसभा से 12 विधायकों के निलंबन के खिलाफ भुवनेश्वर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ओडिशा कांग्रेस प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के घायल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके हाथों पर चोटे हैं। उनके साथ मारपीट की गई है। यह तानाशाही है। यह प्रदर्शन युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष भक्त चरण दास और अजय कुमार लल्लू शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। बाद में उन्हें कांग्रेस भवन ले जाया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान, अजय कुमार लल्लू ने ओडिशा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में 64000 महिलाएं लापता हो गई हैं। नाबालिग लड़कियां गर्भवती हो रही हैं। स्कूल जाने वाली लड़कियां सरकारी आवासों में बच्चों को जन्म दे रही हैं। एएनआई के हवाले से लल्लू ने कहा, 'मैंने सीएलपी से बात की है, उनके हाथों पर चोटें हैं। उनके साथ मारपीट की गई है। यह तानाशाही है। कोलकाता में (आरजी कर दुष्कर्म और हत्या) मामले पर राष्ट्रपति ने ट्वीट करते हुए निंदा की, लेकिन ओडिशा में 64,000 महिलाएं लापता हैं, हर दिन सामूहिक दुष्कर्म हो रहे हैं। इस पर राष्ट्रपति ने एक शब्द भी नहीं कहा। हमारे विधायक इस पर चर्चा की मांग कर रहे थे। हम लड़ाई जारी रखेंगे।' इसके अलावा, ओडिशा कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने आरोप लगाया कि उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है। क्षेत्र में धारा 144 लागू है, जिसके कारण उन्होंने अपनी संख्या 5 लोगों से घटाकर 4 कर दी है। इसलिए तकनीकी रूप से हमें गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए। दास ने कहा कि हमने उनसे एक नेता को अनुमति देने का अनुरोध किया, लेकिन वे ऐसा भी नहीं कर रहे हैं। हमारी कांग्रेस विधायक दल की सदस्य भी घायल हो गई हैं।

चिट्टा सप्लाई के लिए तस्कर ने 2,000 दिहाड़ी पर रखे थे युवक, पुलिस पूछताछ में बड़ा खुलासा

भराड़ी,26 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के भराड़ी थाना के कोट कस्बे में चिट्टा तस्कर के घर से बरामद अमेरिकन मेड पिस्टल मामले में आरोपी अशोक कुमार से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से चिट्टा बेच रहा था। सूत्रों के मुताबिक वह प्रतिदिन करीब 10 ग्राम चिट्टा बेचता था और उसकी कमाई 30 से 50 हजार रुपये तक होती थी। उसने कई युवाओं को भी अपने साथ जोड़ा था और उन्हें चिट्टा सप्लाई करने के बदले रोजाना 1,000 से 2,000 रुपये दिहाड़ी देता था। आरोपी इलाके में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए पिस्टल से हवाई फायरिंग भी करता था। बुधवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

मुझे काला रंग पसंद है

रंग पर टिप्पणी करने वालों को केरल की मुख्य सचिव का जवाब

कोच्चि,26 मार्च (एजेंसियां)। केरल की मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन लोगों की बोलती बंद कर दी जो उनके रंग पर सवाल उठा रहे थे। 1990 बैच की आईएएस ऑफिसर मुरलीधरन ने फेसबुक पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा, जिसमें उन्होंने काले रंग की विशेषता बताई और कहा कि मुझे काला रंग पसंद है। मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पर लिखा , कल मुख्य सचिव के रूप में मेरे कार्यकाल पर एक दिलचस्प टिप्पणी सुनी। मुझे अपने कालेपन को स्वीकार करना होगा। ये पोस्ट मैंने डिलीट कर दी थी, क्योंकि इसपर कई टिप्पणियां आ रही थीं। लेकिन मेरे कुछ शुभचिंतको ने फिर से शेयर करने को बोला, क्योंकि कुछ चीजों पर चर्चा जरूर होती है। मैंने इसे स्वीकार किया और मैंने फिर से शेयर किया।

मुख्य सचिव ने पोस्ट में क्या-क्या लिखा?

अपने पोस्ट के जरिए मुरलीधरन ने काले रंग के लोगों के खिलाफ गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रह को उजागर किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके सात महीने के कार्यकाल में उनके पति, पूर्व मुख्य सचिव वी वेणु से लगातार तुलना की गई, लेकिन यह विशेष टिप्पणी और भी ज्यादा चुभ गई। उन्होंने आगे लिखा कि ये यह काले रंग का लेबल लगाए जाने के बारे में था, जैसे कि यह कोई बेहद शर्मनाक बात हो। उन्होंने कालेपन से जुड़े अक्सर नकारात्मक अर्थों को खत्म किया। उन्होंने लिखा कि काला वही है जो काला करता है। सिर्फ रंग ही काला नहीं है, बल्कि काला ही वो है जो अच्छा नहीं करता, काला ही अस्वस्थता है, अंधकार का दिल है, लेकिन काले को क्यों बदनाम किया जाना चाहिए।

मुख्य सचिव का फेसबुक पोस्ट

मुरलीधरन ने याद किया कि कैसे एक बार उन्होंने बचपन में अपनी मां से पूछा था कि क्या वह गोरी त्वचा के साथ पुनर्जन्म ले सकती हैं, उनका मानना था कि केवल गोरा रंग ही सुंदर होता है, केवल गोरा रंग ही काफी है। मुरलीधरन कहती हैं कि काला रंग सुंदर है। काला रंग सुंदरता है और मुझे काला रंग पसंद है। 1990 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी शारदा मुरलीधरन ने वेणु के सेवानिवृत्त होने के बाद 31 अगस्त, 2024 को केरल की मुख्य सचिव का पदभार संभाला। इससे पहले वह अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना एवं आर्थिक मामले) के पद पर कार्यरत थीं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 27 मार्च, 2025 3

युविचार

जीवन कितना खूबसूरत है उसका अहसाह करे बार - बार नहीं मिलता हर किसी को ।

सरकार ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप, गेम पर कड़ी कार्रवाई करेगी : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने घोषणा की कि राज्य सरकार ने रम्मी, सट्टेबाजी और डिजिटल गेमिंग से संबंधित ऑनलाइन एप्लिकेशन के खिलाफ सख्त उपाय लागू करने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल राज्य एजेंसियों के माध्यम से जांच करने से ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी खत्म नहीं होगी; पड़ोसी राज्यों और देशों द्वारा भी गंभीर जांच की जानी चाहिए। बुधवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए, रेवंत रेड्डी ने संकेत दिया कि सरकार सट्टेबाजी के मुद्दे के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करने के लिए एक विशेष जांच दल स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने पुष्टि की कि सट्टेबाज़ी ऐप के संचालन में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले या बढ़ावा देने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ़ कड़े कदम उठाए जाएँगे। मुख्यमंत्री ने कहा, "अगर ज़रूरत पड़ी तो हम कठोर दंड लगाने के लिए कानून में संशोधन करने को तैयार हैं। तेलंगाना सट्टेबाज़ी की लत का केंद्र नहीं बनेगा।" कुछ राजनीतिक गुट दावा कर रहे हैं कि तेलंगाना में कानून-व्यवस्था कायम नहीं है। ये दावे पूरी तरह से निराधार हैं, क्योंकि पुलिस सतर्क है और छोटी-छोटी घटनाओं पर भी कार्रवाई करती है।" मुख्यमंत्री ने बताया कि जब एक वकील दंपति की दिनदहाड़े बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, तब पिछला प्रशासन कार्रवाई करने में विफल रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि जनता को एक पशु चिकित्सक के साथ बलात्कार की घटना याद है, और इस बात पर प्रकाश डाला कि 2020 में महिलाओं के खिलाफ़ बलात्कार की घटनाओं के मामले में तेलंगाना देश में चौथे स्थान पर रहा।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी नेताओं पर तेलंगाना में निवेश को बाधित करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से कानून-व्यवस्था के बारे में बयान देने का आरोप लगाया। "ऐसा लगता है कि तेलंगाना की प्रगति को कमज़ोर करने के लिए जानबूझकर प्रयास किए जा रहे हैं। वे राज्य की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने और इसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की साजिश कर रहे हैं। हमारा समाज ऐसी योजनाओं को बर्दाश्त नहीं करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार पिछले 15 महीनों से कानून और व्यवस्था में किसी भी तरह की बाधा के बिना राज्य पर शासन कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि"विपक्ष इतना अधीर क्यों है? विपक्ष क्यों इस तरह की अतिवादी टिप्पणियां करने पर आमादा है।," मुख्यमंत्री ने विपक्ष से अपील की कि वे वरिष्ठ कांग्रेस नेता जना रेड्डी को विपक्षी नेता के रूप में रोल मॉडल के रूप में लें और सरकार को सुझाव दें।

अपराध करने वालों से सरकार सख्ती से निपटेगी: पोन्नम

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस बात पर जोर दिया है कि राज्य सरकार अपराध करने वाले व्यक्तियों के प्रति सख्त रुख अपनाएगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि तेलंगाना में कोई भी व्यक्ति परिणामों से बच न सके। बुधवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगी, उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह के कृत्यों में शामिल किसी भी व्यक्ति के लिए शून्य सहिष्णुता होगी। बजट सत्र के हिस्से के रूप में विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान, बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने हैदराबाद के एमएमटीएस स्टेशन पर एक युवती के साथ बलात्कार के प्रयास की ओर ध्यान आकर्षित किया।

31 मई तक अंतिम तिथि

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए नए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति की मंजूरी और नवीनीकरण के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 मई तक बढ़ा दी है। एक प्रेस विज्ञप्ति में सरकार के प्रधान सचिव (एससी विकास विभाग) एन श्रीधर ने कहा कि 11,88,120 आवेदनों के लक्ष्य के मुकाबले 10,34,0%4 आवेदन पंजीकृत किए गए।

उन्होंने कहा कि पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत अभी भी कुल 1,54,046 आवेदनों को पंजीकृत किया जाना है। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस, पीजी मेडिकल प्रवेश अभी भी कार्यक्रम के अंतर्गत हैं और पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों के तहत प्रवेश का विवरण केएनआरयूएचएस, वारंगल द्वारा भेजा जाना है, ताकि पात्र छात्र ई-पास वेबसाइट पर पंजीकरण कर सकें।

मेडिगड्डा बैराज पर सरकार को सतर्कता रिपोर्ट मिली : उत्तम

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने मेडिगड्डा बैराज के संबंध में सतर्कता रिपोर्ट प्राप्त कर ली है और एनडीएसए से अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही मरम्मत कार्य शुरू किया जाएगा। बुधवार को विधानसभा में मांगों पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायक पलवई द्वारा की गई टिप्पणियों के जवाब में उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि कालेश्वरम परियोजना के तहत बनाए गए बैराजों के डिजाइन, निर्माण और रखरखाव में महत्वपूर्ण खामियां हैं। उन्होंने कहा कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में निर्माण के लिए शीट पाइल्स के उपयोग को निर्दिष्ट किया गया है; हालांकि, वास्तव में सीकेंट पाइल्स का उपयोग किया गया था। मंत्री ने एसएलबीसी सुरंग में हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना पर दुख जताया और बताया कि शीर्ष स्तर के विशेषज्ञों की मदद से बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत ने दो दिन पहले स्थिति की समीक्षा की थी और अधिकारियों को बचाव प्रयासों में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। सुरंग दुर्घटना केवल एक अस्थायी बाधा का प्रतिनिधित्व करती है; हालांकि, राज्य सरकार परियोजना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है और एसएलबीसी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए दृढ़ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य सरकार तम्मिदिहाटी में बांध के निर्माण के लिए समर्पित है। इस परियोजना का वित्तीय और तकनीकी मूल्यांकन वर्तमान में प्रगति पर है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, "कार्य यथाशीघ्र शुरू किया जाएगा, जिसमें उन परियोजनाओं पर जोर दिया जाएगा जो कम से कम लागत पर व्यापक भूमि क्षेत्रों में तेजी से पानी पहुंचाती हैं।" उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि देश में पहली बार, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 30 मार्च को राशन कार्ड धारकों के लिए बढ़िया चावल की मुफ्त आपूर्ति शुरू करने वाले हैं।

"हम राशन कार्ड धारकों को बिना किसी शुल्क के 6 किलो उच्च गुणवत्ता वाले चावल की पेशकश करेंगे, जो हमारे देश में अभूतपूर्व पहल है। बढ़िया चावल के बारे में हम सदस्यों से किसी भी सुझाव या प्रतिक्रिया का स्वागत करते हैं।" "लगभग 84 प्रतिशत कम आय वाले व्यक्ति इस कार्यक्रम से लाभान्वित होंगे। इसके अलावा, जल्द ही सभी राशन कार्ड धारकों को आवश्यक सामान उपलब्ध कराया जाएगा।

एटीएम चोरी मामले में अंतरराज्यीय गिरोह गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में शहर के बाहरी इलाके रविराला में हुई एसबीआई एटीएम चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है और बुधवार को एक अंतरराज्यीय गिरोह को गिरफ्तार किया है। राचकोंडा पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने एलबी नगर आयुक्त कार्यालय से मीडिया को मामले का विवरण बताया।

2 मार्च को चोरों ने रविराला गांव में एसबीआई एटीएम से 30 लाख रुपए चुरा लिए थे। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी दिल्ली से फ्लाइट से हैदराबाद आए थे और वारदात को अंजाम दिया। आयुक्त ने कहा कि गिरोह ने मात्र तीन मिनट में एटीएम को तोड़ दिया और छह मिनट के भीतर मौके से भाग गया तथा ज्यादातर एचडीएफसी और एसबीआई के एटीएम को निशाना बनाया गया।

इस गिरोह ने पहले भी ओडिशा के कुशाईगुडा, बीडीएल बनूर में एटीएम लूटे थे। हैदराबाद का राहुल नाम का एक व्यक्ति इसका मुख्य मास्टरमाइंड है।

हरियाणा के मेवात जिले के इस गिरोह ने गैस कटर से एटीएम को काटा, सीसीटीवी कैमरों पर पेंट स्प्रे किया और चेहरे पर मास्क पहनकर मात्र 6 मिनट में 29,69,900 रुपये लेकर फरार हो गए।

अदीबतला पुलिस ने मामला दर्ज कर 22 दिन तक जांच की। मेवात जिले के रहने वाले ये चोर पहले दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा पर चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। वे दूसरे राज्यों में भी चोरी करते हैं और फिर अपने मूल स्थानों पर भाग जाते हैं। आउटर रिंग रोड पर भी पहले भी लूटपाट की घटनाएं हो चुकी हैं।

श्री राम नवमी जुलूस मार्ग का पुलिस ने किया निरीक्षण

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इस वर्ष श्री रामनवमी के अवसर पर अफजलगंज और सुल्तान बाजार की सीमा में आयोजित होने वाले जुलूस के मद्देनजर हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को मार्ग निरीक्षण किया। पूर्वी क्षेत्र के डीसीपी बी बालास्वामी, अतिरिक्त डीसीपी जे नरसैया और सुल्तान बाजार और अफजलगंज के निरीक्षकों के साथ-साथ जीएचएमसी, राजस्व, विद्युत, एचएमडब्ल्यूएसएसबी और बागवानी विभागों के अधिकारियों ने बेगम बाजार छतरी से शुरू होकर कोटी में हनुमान व्यायामशाला तक जुलूस का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण जुलूसों के बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से गुजरने तथा सभी संबंधित विभागों द्वारा आवश्यक प्रबंध करने की प्रत्याशा में किया गया था।

मेदिगड्डा परियोजना के ढहने के दोषियों को सजा मिलनी चाहिए: भाजपा विधायक

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक पलवई हरीश बाबू ने आज विधानसभा में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के निर्माण पर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने मेदिगड्डा बैराज के ढहने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। "कालेश्वरम को दुनिया का आठवां अजूबा बताने के लिए एक पेड कैंपेन चलाया गया। केसीआर द्वारा उस परियोजना के लिए तैयार की गई ढीली मिट्टी और ढीली नींव पर कालेश्वरम का निर्माण करना एक बड़ी गलती है। इस परियोजना के संबंध में केसीआर और हरीश राव पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाना चाहिए। कांग्रेस सरकार को इस दिशा में कदम उठाने चाहिए और अपनी ईमानदारी साबित करनी चाहिए। उन्होंने राज्य के बजट पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को रोल मॉडल मानने वाली राज्य सरकार अपनी नीतियों का पालन नहीं कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि बजट अनुमान तेलंगाना राज्य के व्यय से 20 प्रतिशत अधिक निर्धारित किया गया था। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार ने भी अतीत में ऐसा ही किया था।

सहकारी विद्युत आपूर्ति समिति सिरसिल्ला सौर ऊर्जा पर करेगी काम

जर्मनी की कंपनी के साथ मिलकर किया जाएगा काम

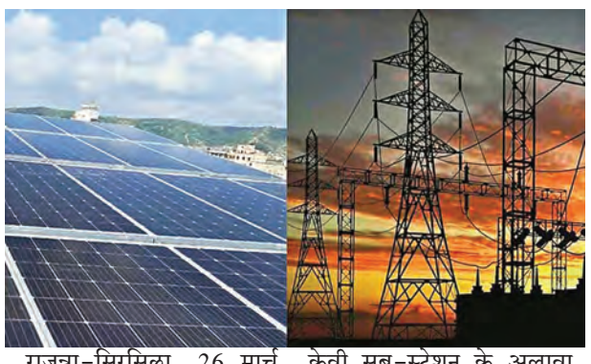

राजन्ना-सिरसिल्ला, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला सहकारी विद्युत आपूर्ति सोसायटी (सीईएसएस) ने अपनी पारंपरिक विद्युत आपूर्ति प्रणाली को सौर ऊर्जा से बदलने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य के लिए, सीईएसएस जर्मनी स्थित आईएके अग्रर कंसल्टिंग के साथ मिलकर काम कर रहा है। प्रबंध निदेशक स्वेन घेलवार के नेतृत्व में संगठन के कृषि विशेषज्ञों ने हाल ही में सीईएसएस का दौरा किया और इसके अध्यक्ष चिक्कला रामा राव और निदेशकों के साथ बातचीत की। सिरसिल्ला कस्बे में 220 केवी सब-स्टेशन के अलावा, कोनारावपेट मंडल के ममीडिपल्ली, रामन्नापेटा और श्रीरामुलपल्ले में फसल पैटर्न की भी जांच की गई, और टीम के सदस्यों ने किसानों से बातचीत की। उन्होंने मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और डी श्रीधर बाबू से भी मुलाकात की।

सीईएसएस सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार और केंद्र दोनों ही इस परियोजना के लिए 30-30 प्रतिशत खर्च करेंगे, जबकि 25 प्रतिशत आईएके अग्रर कंसल्टिंग द्वारा वहन किया जाएगा। शेष 15 प्रतिशत उपभोक्ता द्वारा वहन किया जाएगा। हालांकि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि मौजूदा बिजली आपूर्ति को सौर ऊर्जा से कैसे बदला जाएगा, लेकिन सीईएसएस के अधिकारियों ने कहा कि अगर परियोजना पूरी हो गई तो सीईएसएस और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ मिलेगा। प्रति वर्ष 926 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी जा रही है और कृषि (630 एमयू), घरेलू (158), उद्योग (36), वाणिज्यिक (26), पावरलूम (27), सिंचाई (12), स्ट्रीट लाइट (5) आदि को आपूर्ति की जा रही है। राज्य की एकमात्र सहकारी विद्युत आपूर्ति संस्था सेस हर महीने 50 करोड़ रुपए बिजली खरीदने पर खर्च कर रही है। अगर सौर ऊर्जा परियोजना शुरू हो जाती तो लागत कम हो जाती। साथ ही उपभोक्ताओं को बिजली शुल्क से भी राहत मिलती।

सूत्र ने कहा कि सीईएसएस की सीमा में 3.30 लाख कनेक्शन हैं। इनमें से 80,000 कृषि कनेक्शन हैं और 70 प्रतिशत बिजली का उपयोग इसके लिए किया जा रहा है।

विभिन्न क्षेत्रों में दुर्घटनाएं, दो की मौत, कई घायल

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को सिकंदराबाद के महांकाली मंदिर क्षेत्र के पास एक लापरवाही से चलाई जा रही कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दो व्यक्तियों की मौत हो गई। संदेह है कि इसका कारण तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाना है। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एक अन्य दुर्घटना में, बुधवार सुबह हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर चौटुप्पल के निकट धर्मोजीगुडेम के पास दो निजी बसों और एक भारी कंटेनर ट्रक के बीच हुई बड़ी सड़क दुर्घटना में तेरह लोग घायल हो गए, जिनमें से एक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना उस समय घटित हुई जब हैदराबाद जा रहे सभी वाहन पीछे से एक दूसरे से टकरा गए। निजी ट्रैवल्स की बसों में से एक का ड्राइवर केबिन में फंस गया था। पुलिस की मदद से उसे केबिन से बाहर निकाला गया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। चौटुप्पल एसीपी मधुसूदन रेड्डी और यातायात एसीपी प्रभाकर रेड्डी की देखरेख में पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और राजमार्ग पर यातायात सुचारू करने के लिए दो घंटे से अधिक समय तक काम किया।

ग्रामीणों ने की ट्रस्टी बोर्ड के शपथ ग्रहण समारोह को रोकने की मांग

कोत्तागुडेम मंदिर बोर्ड विवाद

कोत्तागुडेम, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के बीच विवाद जिले के पलोंचा के पास केपी जगन्नाथपुरम में श्री कनक दुर्गा अम्मावरी देवस्थानम (पेद्दामगुडी) के मामलों को प्रभावित कर रहा है। केशवपुरम और जगन्नाथपुरम के निवासी मंदिर न्यासी बोर्ड के गठन के लिए हाल ही में जारी किए गए सरकारी आदेश का विरोध कर रहे हैं तथा मांग कर रहे हैं कि मंदिर बोर्ड में गांव के किसी भी निवासी को स्थान दिया जाए। बुधवार को गांव के निवासियों ने मंदिर के सामने विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि जब तक नए न्यासी बोर्ड की नियुक्ति के लिए संशोधित सरकारी आदेश जारी नहीं हो जाता, तब तक न्यासी बोर्ड के शपथ ग्रहण समारोह को रोक दिया जाए।

केशवपुरम के कांग्रेस नेता गंधम नरसिम्हा राव, जिन्होंने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, ने कहा कि उपरोक्त गांवों को कम से कम 50 प्रतिशत पद आवंटित करके एक नया न्यासी बोर्ड नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि मंदिर की कार्यकारी अधिकारी रजनी कुमारी ने प्रदर्शनकारी ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि मामला सुलझने तक शपथ ग्रहण समारोह स्थगित रहेगा। यह ध्यान देने योग्य है कि बंदोबस्ती विभाग ने 6 मार्च को न्यासी बोर्ड के गठन के लिए जीओआरटी संख्या: 66 जारी किया था और बाद में कथित तौर पर मंत्री श्रीनिवास रेड्डी के आदेश पर इसे रद्द कर दिया गया था, क्योंकि कांग्रेस नेता जमुल्ला राजशेखर, जो उपमुख्यमंत्री के अनुयायी थे, बोर्ड में थे और उन्हें मंदिर का अध्यक्ष माना जाता था।

मोदी तेलंगाना के कपास किसानों का समर्थन कर रहे हैं: किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के किसानों के साथ खड़े हैं और उन्होंने कहा कि जब खुले बाजार (2024-25) में कपास को सही कीमत नहीं मिल रही थी, तो केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तेलंगाना में बड़ी मात्रा में कपास खरीद कर किसानों का पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के माध्यम से तेलंगाना में 110 कपास खरीद केंद्र स्थापित किए हैं और 210 लाख क्विंटल कपास की खरीद की है।

देश में कपास उत्पादन में तीसरे स्थान पर रहने वाले तेलंगाना में नरेंद्र मोदी सरकार ने 2014-15 फसल सीजन से 2024-25 फसल सीजन तक सीसीआई के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 58 हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का कपास खरीदा है। इस प्रकार, यह लाखों किसानों के साथ खड़ी है। इसमें अकेले 2024-25 फसल

सीजन (17.03.2025 तक) में सीसीआई ने 15,556 करोड़ रुपये मूल्य के 210.19 लाख क्विंटल कपास की खरीद की है। केंद्र सरकार के फैसले से इस साल करीब 9 लाख तेलंगाना कपास किसानों को फायदा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि 2014-15 में प्रति क्विंटल कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3,750 रुपये था और 2024-25 तक यह दोगुना से भी ज्यादा बढ़कर %,121 रुपये हो गया है। यह मोदी सरकार द्वारा कपास किसानों को दिया गया आश्वासन है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब खुले बाजार में कपास की कीमतें कम हैं, मोदी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तेलंगाना के किसानों से थोक में कपास खरीदकर किसानों की मदद के लिए आई है। उन्होंने कहा, "मिट्टी की जांच से लेकर बीज, खाद, उपकरण, फसल ऋण, फसल बीमा, सिंचाई सुविधाएं, गोदामों का निर्माण, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कृषि उपज की खरीद तक, नरेंद्र मोदी सरकार कृषि क्षेत्र के हर पहलू में किसानों को पूरा समर्थन दे रही है। कृषि उपज लागत एवं मूल्य आयोग के निर्देशानुसार केंद्र सरकार हर साल कपास समेत 22 तरह की कृषि उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है। संबंधित फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य इस तरह तय किया जाता है कि वे फसल की उत्पादन लागत से कम से कम 50% अधिक हों। जहां तक कपास की फसल की बात है, तो भारत सरकार सीसीआई के माध्यम से किसानों से हर बार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कपास की फसल खरीद रही है, ताकि खुले बाजार में कपास की फसल का मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम हो जाए।"

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने शहर का दौरा किया, जीएचएमसी मेयर से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ने 2010 में अमेरिकी राज्य इंडियाना के साथ सिस्टर सिटी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस संदर्भ में, अमेरिकी राज्य के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को हैदराबाद का दौरा किया और शहर में अपने मुख्यालय में जीएचएमसी मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी से मुलाकात की। मेयर ने गर्मजोशी से समूह का स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद दिया। इंडियाना के प्रतिनिधियों ने मेयर को बताया कि सिस्टर सिटी समझौते के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इस अवसर पर, प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि हैदराबाद पहले से कहीं अधिक विकसित हुआ है। इस अवसर पर बोलते हुए, मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बताया कि राज्य सरकार ने शहर का विस्तार करने और इसे वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, "इसके अलावा, यह हैदराबाद के चारों ओर एक और ट्रिपल आर रिंग रोड का निर्माण करने के लिए तैयार है और उत्तरी तरफ इसका निर्माण शुरू हो गया है। राज्य सरकार ने सड़क चौड़ीकरण, फ्लाईओवर और यातायात नियंत्रण उपायों के लिए 7032 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यदि ये कार्य पूरे हो जाते हैं, तो हैदराबाद एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित होगा।" जब महापौर ने प्रतिनिधियों से शहर में स्कूली शिक्षा के विकास के लिए सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए कहा, तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और महापौर को समझाया कि वे विकास में अपना योगदान देंगे। इंडियाना पुलिस के राज्य सचिव डिएगो मोरालेस, ग्रोथ एंड स्ट्रैटेजी के मुख्य सलाहकार चिंता ला राजू और अन्य ने भाग लिया। इस अवसर पर, प्रतिनिधिमंडल ने महापौर को राज्य-दर-राज्य दौरे के लिए आमंत्रित किया। महापौर ने उन्हें अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ आने के लिए आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया।

बच्चों को लेकर स्कूल जा रही बस पलटी, 35 बच्चे घायल

मुजफ्फरपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर क्षेत्र में एक गंभीर हादसा हुआ है। बुधवार सुबह कांटी थाना क्षेत्र स्थित स्कूल जा रही बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। ड्राइवर जब तक बस पर काबू पाता तब तक बस पलट गई। इस दुर्घटना में लगभग 32 बच्चे घायल हो गए हैं, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के समय मौके पर अफरातफरी मच गई, जिससे स्थानीय लोग तुरंत सहायता के लिए दौड़ पड़े। सूचना मिलने पर मोतीपुर थाने की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायल बच्चों को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने में मदद की। यह घटना मोतीपुर नरियार नवादा मन एनएच 28 पर हुई है।

तेज रफ्तार के कारण हुआ ऐसा

मोतीपुर थाना के एसएचओ राजन पांडे ने बताया कि बस की तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने पुष्टि की कि बस में सवार सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है और किसी की हालत गंभीर नहीं है। घटना के बाद बस को एनएच से क्रेन की मदद से हटाया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने हादसे के तुरंत बाद राहत कार्य में सक्रियता दिखाई, और एम्बुलेंस तथा एनएचएआई की सहायता से सभी बच्चों को अस्पताल पहुंचाया गया। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

'राहुल जैसे कुछ नमूने रहने चाहिए

आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर बोला हमला

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को 'नमूना' बताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि वह पार्टी अयोध्या में विवाद को जिंदा रखना चाहती है। एएनआई को दिए इंटरव्यू में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कांग्रेस की सरकार के दौरान किए गए काम पर सवाल उठाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, एक भारत को श्रेष्ठ भारत नहीं होना चाहिए? तो आपको उनसे पूछना चाहिए कि वो दशकों तक क्या कर रहे थे? उन्हें अपने दादा, दादी और पिता से पूछना चाहिए था। उन्होंने उस समय ऐसा क्यों नहीं किया? पूरे भारत को मोदी जी का समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस ने ऐसा क्यों नहीं किया? वो हमेशा से अयोध्या विवाद को विवाद ही रहने देना चाहते थे। काशी की संकरी गली में गांधी जी के नाम पर वो सारी जिंदगी राजनीति करते रहे हैं।

लेकिन 1916 में गांधी जी ने काशी की संकरी गली पर कड़ी टिप्पणी की थी। सीएम ने आगे कहा, उन्होंने महात्मा गांधी का सपना क्यों पूरा नहीं किया? उनके सपने को पीएम मोदी ने पूरा किया। कांग्रेस ने तीन तलाक को खत्म क्यों नहीं किया? कांग्रेस ने कुंभ को इतने गौरव और दिव्यता के साथ क्यों नहीं प्रचारित किया? कांग्रेस देश में इंफ्रास्ट्रक्चर का विश्व स्तरीय मॉडल देने में क्यों विफल रही? और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी हो चुका है। हर किसी को एक नई अयोध्या के दर्शन हो रहे हैं। इसे देखने के लिए हर दिन लाखों लोग आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' को 'भारत तोड़ो अभियान' करार दिया और कहा कि उनकी मंशा से सभी वाकिफ हैं। उन्होंने कहा, भारत जोड़ो यात्रा भारत तोड़ो अभियान का हिस्सा है। वह भारत के बाहर भारत की आलोचना करते हैं। देश उनके स्वभाव और इरादों को समझ चुका है। भारत की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के लिए राहुल जैस राहुल जैसे कुछ नमूने जरूर रहने चाहिए जिससे एक रास्ता हमेशा के लिए साफ होता रहे और अच्छा रहे।

अलीगढ़ में जूस बेचने वाले को मिला 8 करोड़ रुपये का नोटिस, सदमे में परिवार

अलीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक जूस बेचने वाले को इनकम टैक्स की ओर से 7.79 करोड़ रुपये के टर्नओवर पर नोटिस भेजा है। इतनी बड़ी रकम का नोटिस देख जूस विक्रेता के होश उड़े हुए हैं। घबराहट में उसका खाना-पीना छूट गया है।

आयकर विभाग का कहना है कि जूस विक्रेता के पैन कार्ड से इतनी बड़ी रकम की खरीद-फरोख्त की गई है। पीड़ित ने मामले को लेकर अलीगढ़ एसपी से मदद की गुहार लगाई है। जूस विक्रेता की पहचान रईस के रूप में हुई है। वह थाना बन्ना देवी क्षेत्र के सराय रहमान में रहता है। रईस दीवानी कचहरी के पास जूस की दुकान चलाता है। इनकम टैक्स ऑफिस की ओर से मिले नोटिस को रईस ने सीए को दिखाया है। उसका कहना है कि करोड़ो रुपये की खरीदारी की उसको कोई जानकारी नहीं है। नोटिस मिलने के बाद जूस विक्रेता रईस का परिवार सदमे में है। पीड़ित रईस का कहना है कि आयकर विभाग ने उसको रकम जमा करने के लिए बोला है। उन्हें आयकर विभाग खंड तीन के आईटीओ नैन सिंह ने 7.79 करोड़ रुपये का नोटिस जारी किया है। बताया गया है कि विभाग के सर्वर में साल 2021-22 में रईस के पैन कार्ड के जरिए 7 करोड़ 79 लाख रुपये की खरीद-फरोख्त की गई है। रिटर्न फाइल न करने पर रईस को नोटिस भेजा गया है। नोटिस रईस को मिला तो उसने उसे अपने सीए के जरिए मामला पता किया। इसके बाद उसने दीपक शर्मा नाम के शख्स का नाम लिया। आयकर विभाग के मुताबिक, रईस का पैन कार्ड पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान इस्तेमाल किया गया था।

यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर के खिलाफ हड़ताल का असर

सरकार ने वकीलों को दिल्ली बुलाया

प्रयागराज, 26 मार्च (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लगातार दूसरे दिन हड़ताल कर रहे इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों के प्रतिनिधिमंडल को केंद्र सरकार ने बातचीत के लिए दिल्ली बुलाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंच गया है। प्रतिनिधिमंडल की आज केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात का कार्यक्रम है। उम्मीद जताई जा रही है कि कानून मंत्री से मुलाकात के बाद केंद्र सरकार जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में दखल दे सकती है। केंद्र सरकार इस बात का फैसला ले सकती है कि वह जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने के सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश को नामंजूर करेगी। केंद्र सरकार ने इस मामले में दखल दिया तो जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ेंगी। दूसरी तरफ इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों की हड़ताल आज दूसरे दिन भी जारी है। वकील आज भी काम काज ठप किए हुए हैं । वकील हाईकोर्ट के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे हैं। यूपी में तमाम दूसरी अदालतो के वकील भी हड़ताल पर हैं।

लखनऊ पुलिस को एफआईआर में सस्पेंडेड

आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ करना होगा ये काम, बढ़ी मुश्किलें

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सस्पेंड किए गए आईएएस अभिषेक प्रकाश की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गोमती नगर थाने में दर्ज एफआईआर में अब पुलिस को उन अधिकारियों का नाम स्पष्ट करना होगा, जिन्होंने निकांत जैन के जरिए 5% कमीशन की मांग की थी। मालूम हो कि भ्रष्टाचार अधिनियम की स्पेशल कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान आदेश दिया कि जांच अधिकारी को निवेश यूपी के उस वरिष्ठ अधिकारी का नाम सामने लाना होगा, जिसने निकांत जैन का नंबर देकर कमीशन की डील के लिए संपर्क करने को कहा था। साथ ही, पुलिस को यह भी स्पष्ट करना होगा कि इस डील में कौन-कौन शामिल था और कितनी रकम मांगी गई थी। इस मामले में गिरफ्तार निकांत जैन की जुडिशल कस्टडी रिमांड 7 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। कोर्ट ने पुलिस को आदेश दिया कि वह पूछताछ के दौरान कमीशन की डील से जुड़े अन्य लोक सेवकों के नाम भी उजागर करे। बता दें कि सोलर एनर्जी पावर प्लांट लगाने वाली एक कंपनी की शिकायत पर यूपी सरकार ने निवेश यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश को कमीशनखोरी के आरोप में निलंबित कर दिया था। हालांकि, एफआईआर में उनका नाम दर्ज नहीं था, लेकिन अब कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस को उनका नाम कानूनी तौर पर उजागर करना होगा।

सौगात ए मोदी पर मायावती की आई प्रतिक्रिया अल्पसंख्यकों के लिए रख दी ये डिमांड

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। अभी रमजान का महीना चल रहा है और इसके बाद ईद मनाई जाएगी। इसके मद्देनजर बीजेपी ने अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सौगात ए मोदी कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत 32 लाख गरीब मुसलमानों को ईद के मौके पर सौगात ए मोदी दी जा रही है, जिसमें खाने-पीने की चीजें और कपड़े हैं। बीजेपी के इस कार्यक्रम पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई है।

मायावती का बयान

मायावती ने कहा कि ईद, बैसाखी, गुड फ्राइडे, और ईस्टर जैसे त्योहारों के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 32 लाख गरीब अल्पसंख्यक परिवारों तक सौगात-ए-मोदी के रूप में भेंट भेजने की बात कही गई है, जो सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की इस घोषणा का असल मकसद सिर्फ चुनावी लाभ लेना है।

सौगात-ए-मोदी पर सवाल

उन्होंने यह भी कहा कि जब मुस्लिम और बहुजन समाज के लोग अपनी जान-माल, मजहब और सुरक्षा को लेकर परेशान हैं, तो उनके लिए सौगात-ए-मोदी किस काम की? मायावती का मानना है कि इस तरह के तोहफे केवल राजनीतिक फायदे के लिए दिए जा रहे हैं, जबकि समाज के इन वर्गों की असली समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि गरीब और अल्पसंख्यक परिवारों को त्योहारों के मौके पर भेंट भेजी जाए, इसके बजाय बीजेपी की केंद्र और राज्य सरकारें उन परिवारों की वास्तविक समस्याओं जैसे गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए स्थायी रोजगार की व्यवस्था करें। साथ ही, उन्होंने मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही।

पति अपने दोनों बच्चों संग देखता रहा अपनी पत्नी राधिका की दूसरे युवक संग शादी

संत कबीर नगर, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर स्थित धनघटा थाना क्षेत्र के कटार जेत गांव में बबलू अपनी पत्नी राधिका और 2 बच्चों के साथ खुशी-खुशी रहता था। बबलू की शादी राधिका के साथ साल 2017 में हुई थी। शादी के बाद दोनों के 2 बच्चे हुए। मगर अब बबलू और राधिका क्षेत्र में जबरदस्त चर्चा का विषय बने हुए हैं। बता दें कि बबलू ने अपनी पत्नी राधिका की शादी किसी दूसरे शख्स के साथ करवा दी है। जिस युवक के साथ बबलू ने अपनी पत्नी की शादी करवाई है, वह उसका प्रेमी है। पत्नी राधिका ने भी अपने प्रेमी के लिए सिर्फ अपने पति को ही नहीं बल्कि अपने दोनों बच्चों तक को छोड़ दिया है। बता दें कि राधिका गोरखपुर के बेल घाट थाना क्षेत्र स्थित भूलनचक गांव की रहने वाली है। दरअसल बबलू परिवार का पालन-पोषण करने के लिए काम पर अक्सर बाहर जाता था। इसी बीच राधिका की मुलाकात गांव के ही एक युवक से हो गई।

धीरे-धीरे दोनों करीब आते गए और दोनों के बीच संबंध बन गए। गांव में भी इनका रिश्ता खूब चर्चाओं में आने लगा। ये बात बबलू को पता चली तो उसे यकीन नहीं हुआ। पहले उसने पत्नी राधिका को समझाने की बहुत कोशिश की। मगर उसपर कोई असर नहीं हुआ। फिर बबलू ने ग्रामीणों के सामने ये बात रखी कि अब उसकी पत्नी राधिका ही तय करेगी कि उसे अपने पति के साथ रहना है या प्रेमी के? जब ग्रामीणों ने राधिका से पूछा तो उसने अपने प्रेमी का नाम लिया और कहा कि वह अपनी जिंदगी प्रेमी के साथ गुजारना चाहती है।

'बीजेपी चाहती है उसका मुख्यमंत्री बने'

दरभंगा में बोले कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार, बताई वजह

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। पलायन रोको, नौकरी दो' के नारे के साथ कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं। उन्होंने दरभंगा में पत्रकारों से कहा कि येन-केन-प्रकारेण बीजेपी चाहती है कि उसका मुख्यमंत्री बने। बीजेपी का मुख्यमंत्री बनने का मतलब है कि बिहार का संसाधन अदानी के हाथ में पहुंचे। 1952 के बिहार को याद कीजिए। बिहार भारत का सबसे पिछड़ा राज्य नहीं था। दूसरे नंबर का राज्य था। जानबूझकर इसको बर्बाद किया गया है। कन्हैया कुमार ने कहा कि आज हमारे आसपास ये जो बड़ी-बड़ी सड़कें बन रहीं हैं तो हमारे पास तो इनकम ही नहीं है तो सड़क बना किसके लिए रहे हैं? सड़क बना रहे हैं यहां का संसाधन को लूट कर लेकर जाने के लिए। हमारे लिए तो ताज होटल नहीं खुला है। जो लोग पैसा कमा लिए हैं उन्हीं के लिए खुला है। तमाम बड़े स्कूल खुले हैं तो उसमें जिसके पास पैसा है उसी का बच्चा पढ़ रहा है। भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि आज यहां (बिहार) किसी डिपार्टमेंट में चले जाइए। कोई डिपार्टमेंट बिना कमिशन का चल नहीं रहा है। पैसा नहीं है तो एमएलए को सैलरी कहां से आ रही है? एमएलए के लिए घर बन रहा है न? मुख्यमंत्री के लिए घर बन रहा है न? जो बड़े-बड़े सरकारी कार्यक्रम हो रहे हैं उसमें पैसा खर्च हो रहा है न? ये प्राथमिकता का सवाल है। प्राथमिकता जहां है वहां पैसा खर्च हो रहा है।

'पूंजीपतियों और कारोबारियों की नजर बिहार पर'

कन्हैया कुमार ने कहा कि ढाका में भारत माला प्रोजेक्ट बन रहा है। भारत माला प्रोजेक्ट क्यों बन रहा है? किसके लिए बन रहा है? बिहार में जब कुछ है ही नहीं तो रोड क्यों बन रहा है? बिहार में जो है वो पानी है, जिसके लिए दुनिया तरसने वाली है। पानी पेट्रोल से भी ज्यादा महंगा होने वाला है। क्योंकि पेट्रोल से प्यास नहीं बुझने वाली है। पानी की जरूरत सबको है। दुनिया में जिस तरह से पानी खत्म हो रहा है पूंजीपतियों और कारोबारियों की नजर बिहार पर है।

समस्तीपुर में हार्ट अटैक से हवलदार की मौत

समस्तीपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। समस्तीपुर पुलिस लाइन में बुधवार सुबह एक पुलिसकर्मी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। सहकर्मी द्वारा उन्हें सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिसकर्मी की पहचान हवलदार सैयद समीम के रूप में की गई है। वह उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले थे। सहकर्मियों की घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी है। डॉक्टर का कहना है कि हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई है। सदर अस्पताल में घटना के संबंध में सहकर्मियों ने बताया कि सुबह वह ड्यूटी पर जाने से पहले स्नान करने गए थे। वहीं उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। सीने में दर्द की शिकायत की और फिर वहीं पर बेहोश होकर गिर पड़े। तत्काल उन्हें सदर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने जिले के विभिन्न थानों में ड्यूटी की है।

गोंडा सीएचसी में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही

बिना जांच कर दी गर्भवती महिला की नसबंदी, मुश्किल से बची जान

गोंडा, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई हैं जहां सीएचसी में भर्ती गर्भवती महिला की जांच किए बिना ही नसबंदी कर दी गई। 15 दिन बाद जब महिला की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि सीएचसी के डॉक्टरों ने भी हाथ खड़े दिए, जिसके बाद आनन फानन में महिला को दूसरे निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां उसका ऑपरेशन किया गया तब कहीं जाकर महिला की जान बच पाई लेकिन, गर्भ में मौजूद बच्चे की जान चली गई। घटना गोंडा के थाना करनैलगंज की बताई जा रही है। जहां पड़रिया मर्दन सिंह में रहने वाले कंधई लाल मजदूरी का काम करते हैं। उनके दो बेटे और दो बेटियां हैं। कंधई लाल की पत्नी रूमा गर्भवती थी लेकिन उसे इस बात की जानकारी नहीं थी। इस बीच वहां काम करने वाली एक आशा वर्कर उसे नसबंदी के लिए अपने साथ सीएचसी अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच किए बिना ही नसबंदी का ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के 15 दिन बाद रूमा की तबीयत बिगड़ने लगी। जिसके बाद उसे फिर से अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक उसकी हालत इतनी ख़राब हो गई थी कि डॉक्टरों ने भी हाथ खड़े कर दिए और इलाज करने से इनकार कर दिया। जिसके बाद महिला को गोंडा के ही एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां महिला का सीटी स्कैन किया गया तो पता चला कि महिला गर्भवती थी। जिसके बाद महिला का ऑपरेशन किया गया तब कहीं जाकर उसकी जान बच पाई। नहीं तो ये लापरवाही महिला की जान के लिए बेहद खतरनाक हो सकती थी।

मुस्लिमों पर सीएम योगी के दावे से नाराज सपा

यह क्या बोल गए फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद?

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में मुसलमानों को सबसे ज्यादा सुरक्षित बताया है, जिस पर अयोध्या से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने पलटवार किया है। उन्होंने सीएम योगी के बयान को ग़लत बताया और दावा किया है कि जब से यूपी में उनकी सरकार आई है तब से कोई सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपी में न तो हिन्दू सुरक्षित हैं और न हीं मुसलमान। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने योगी जी ने मुसलमानों को लेकर जो बयान दिया है वो सत्यता से परे है। उनका ये कहना कि प्रदेश में जितने हिंदू सुरक्षित हैं, उतने ही मुसलमान भाई सुरक्षित हैं ये गलत है जबकि सच्चाई ये हैं कि जबसे उत्तर प्रदेश में योगी बाबा की सरकार आई है तब से प्रदेश में न तो हिन्दू सुरक्षित हैं और न ही मुसलमान सुरक्षित हैं।

सीएम योगी ने क्या बयान दिया था

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में न्यूज़ एजेंसी एनएचआई के पॉडकास्ट में तमाम मुद्दों को लेकर बात की है। जिसमें उन्होंने दावा किया था कि यूपी में मुसलमान सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में जितना हिन्दू सुरक्षित हैं उतना है मुसलमान भी भी सुरक्षित हैं। सीएम योगी ने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण नहीं मिलता की कहीं भी हिन्दू राजाओं ने अपने बल पर किसी पर आधिपत्य स्थापित किया हो।

राबड़ी देवी के 'अपमान' पर तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को दी ये सलाह

रोहिणी ने तो भविष्यवाणी कर दी

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद में राबड़ी देवी पर उखड़ गए थे। राबड़ी देवी भी जवाब दे रही थीं। नीतीश कुमार कहने लगे कि पार्टी इसके हसबैंड का है। इसके साथ उन्होंने और भी बहुत कुछ कहा। अब तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री को सलाह देते हुए बिहार की महिलाओं से माफी मांगने के लिए कहा है। बुधवार (26 मार्च) की सुबह एक्स पर उन्होंने पोस्ट किया। तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा है, आदरणीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी द्वारा बार-बार पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी जी का भरे सदन में अपमान करना अत्यंत निंदनीय है। बिहार की भूमि माता सीता की जननी है। बिहार का मुखिया ही जब महिलाओं के लिए तू-तड़ाक की भाषा का प्रयोग करेगा तो बिहार का इस से बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा।

राबड़ी देवी के 'अपमान' पर तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को दी ये सलाह, रोहिणी ने तो भविष्यवाणी कर दी

नेता प्रतिपक्ष ने आगे पोस्ट में लिखा, राबड़ी देवी जी बिहार के महिला सशक्तिकरण का एक जीवंत हस्ताक्षर हैं। बिहार की हर महिला में वो ये आशा, विश्वास और उत्साह जगाती हैं कि केवल पुरुष ही नहीं बल्कि यहां की नारी भी इतनी शक्तिशाली है जो अन्याय के खिलाफ जीवन पर्यन्त डट कर लड़ सकती है। अपने परिवार को संभाल सकती है और पूरे बिहार की समृद्धि में योगदान दे सकती है।

'तुरंत बिहार की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए'

एक्स के जरिए तेजस्वी ने कहा, मुख्यमंत्री की ऐसी आपत्तिजनक भाषा, दुर्व्यवहार, अशिष्ट आचरण और अपमान नारी शक्ति का घोर अपमान है तथा महिलाओं को दोयम समझने वाली पुरुषवादी मानसिकता का भी परिचायक है। नीतीश कुमार जी को अपने इस आचरण, इस टिप्पणी के लिए तुरंत प्रभाव से बिहार की महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए।

रोहिणी ने कहा- अगला कार्यकाल नसीब नहीं होने वाला

उधर राबड़ी देवी की बेटी रोहिणी आचार्य ने भी एक्स पर पोस्ट करते हुए नीतीश कुमार पर हमला किया है। बुधवार को रोहिणी ने लिखा, नक्कारा, खटारा, मति का मारा, मवालियों सरीखा बोलने - करने वाला, जो भी कहा जाए कम है। 'अगला' कार्यकाल तो नसीब नहीं होने वाला, बोली और हरकतों को देख 'पगला' जरूर करार दिया है लोगों ने। लोग ही कहते हैं मानसिक आरोग्यशाला, कोईलवर भेजे जाने की जरूरत है।

बिहार में पोस्टर वार ने पकड़ी रफ्तार

जेडीयू का आरजेडी पर हमला- स्कैनर से खुलेगा लालू शासनकाल का सच

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित है। चुनाव को लेकर अभी से ही राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं। इसे लेकर एक-दूसरे को घेरने का भी कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसे में बिहार में पोस्टर वार जारी हो गया है। जेडीयू कार्यकर्ताओं ने नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में जंगलराज का अत्याचार, भूलेगा नहीं बिहार लिखा है। पोस्टर में स्कैनर भी दिया गया है, जिसे स्कैन करते ही आरजेडी के शासनकाल के कानून-व्यवस्था की जानकारी मिलेगी। इस पोस्टर को लेकर जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार (26 मार्च, 2025) को अपने वीडियो बयान जारी किया। कहा, किसने पोस्टर लगाया है, इसकी औपचारिक जानकारी नहीं है, लेकिन सच यह है कि नई पीढ़ी को जागरूक होना चाहिए। लालूवाद विचारधारा के चलते सामाजिक और राजनीतिक संकट इस बिहार ने झेला है। बिहार के माथे पर कलंक का टीका लगा। पोस्टर पर लगे स्कैनर को स्कैन करिए, राजद शासनकाल का चेहरा बेनकाब होगा। ये बिहार की नई पीढ़ी के लिए आवश्यक है। बता दें कि बिहार चुनाव को लेकर अभी से ही राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं। इस बीच, रमजान में दावत-ए-इफ्तार को लेकर भी सियासी पारा उबाल पर देखा गया। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में रोजेदारों ने शिरकत की। इधर बिहार में पिछले कुछ दिनों से पोस्टर वार भी शुरू हो चुका है।

पिता ने नाबालिग बेटी से की दरिंदगी, अब दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने सुनाई ये सजा

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने 2021 में अपनी ही 17 वर्षीय बेटी के साथ रेप करने और उसे गर्भवती करने के आरोप में एक पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत ने दोषी को समाज के लिए वास्तविक खतरा बताते हुए कहा कि यह जघन्य अपराध किसी भी नरमी का हकदार नहीं है। मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने कहा कि यह अपराध सबसे जघन्य कृत्यों में से एक है। एक पिता द्वारा अपनी ही बेटी के साथ रेप और उसे छह महीने तक गर्भवती रखना समाज के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है। अदालत ने यह भी कहा कि दोषी का कृत्य समाज की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला है और ऐसा व्यक्ति अन्य बच्चों के लिए भी खतरा हो सकता है। दोषी पर पोक्सो अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) और आईपीसी की रेप से संबंधी धाराओं के तहत मुकदमा चलाया गया था। हालांकि कड़कड़डूमा कोर्ट ने माना कि यह मामला रयरेस्ट ऑफ द रेयर की श्रेणी में नहीं आता, लेकिन फिर भी दोषी को उसके बचे हुए प्राकृतिक जीवन तक जेल में रखने की सजा सुनाई गई।

कोर्ट ने अपने फैसले में कही अहम बातें

कड़कड़डूमा कोर्ट ने अपने फैसले में कहा समाज की रक्षा करना और दोषी को यथासंभव लंबे समय तक समाज से दूर रखना हमारा कर्तव्य है। इस तरह के राक्षसी कृत्यों के लिए सख्त सजा आवश्यक है। फिलहाल पीड़िता को सामाजिक संस्थाओं और कानूनी प्रक्रिया के तहत संरक्षण दिया गया है। मामले की जांच में शामिल अधिकारियों ने भी कोर्ट फैसले को सही ठहराया है।

मान सरकार ने पेश किया 2.36 लाख करोड़ रुपये का बजट

चंडीगढ,26 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने बुधवार को राज्य का बजट पेश कर दिया है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने राज्य के लिए 2.36 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया है। इसमें मादक पदार्थों की समस्या से निपटने और स्वास्थ्य क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अपने बजट भाषण के दौरान चीमा ने नशे की समस्या को रोकने के लिए आम आदमी पार्टी (आप) नीत पंजाब सरकार के मादक पदार्थ रोधी अभियान के बारे में बात की। चीमा ने कहा कि पंजाब सरकार नशे की व्यापकता, नशा मुक्ति केंद्रों के उपयोग आदि को समझने के लिए पंजाब में पहली बार मादक पदार्थ से जुड़ी गणना करने जा रही है।

65 लाख परिवारों को स्वास्थ्य बीमा

उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब की उल्लेखनीय प्रगति के पीछे मुख्यमंत्री भगवंत मान का दूरदर्शी नेतृत्व प्रेरक शक्ति का बड़ा योगदान रहा है। चीमा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 2,36,080 करोड़ रुपये के बजट व्यय का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ 5,000 होमगार्ड तैनात करके दूसरी रक्षा पंक्ति स्थापित करेगी। चीमा ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार भगवंत मान सरकार ने आगामी वित्त वर्ष में राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना को सार्वभौमिक बनाने और राज्य के सभी 65 लाख परिवारों को 'कवर' करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना में कोई रोक या भेदभाव नहीं होगा तथा ग्रामीण या शहरी, अमीर या गरीब हर कोई इसका लाभ ले पाएगा।

इंडस्ट्री के लिए 3,426 करोड़ रुपये का बजट

पंजाब सरकार ने बजट में इंडस्ट्री को 250 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन से वित्तीय सहायता दी है। अमृतसर में यूनिटी मॉल और एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए 120 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट शुरू किए गए। लुधियाना में ऑटो पार्ट्स एवं हैंड टूल्स टेक्नोलॉजी के लिए 10 करोड़ रुपये का अपग्रेड है। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र का बजट 3,426 करोड़ रुपये आवंटित किया गया है।

सोनीपत में बस व ट्रक के बीच टक्कर

मारुति के निर्माणाधीन प्लांट में काम के लिए जा रहे थे कर्मचारी, 25 घायल

सोनीपत,26 मार्च (एजेंसियां)। सोनीपत के खरखौदा के गांव सैदपुर के पास बुधवार तड़के बस व ट्रक की टक्कर में करीब 25 कर्मचारी घायल हो गए। सभी कर्मचारी बस में सवार होकर मारुति के निर्माणाधीन प्लांट में काम करने के लिए जा रहे थे। हादसा सुबह करीब सवा पांच बजे बस के ट्रक को ओवरटेक करते समय हुआ। बस जिस ट्रक को ओवरटेक कर रही थी, उसी से टक्कर हो गई। बस सुबह 4:50 बजे गांव जगदीशपुर स्थित बारोटा चौकी के पास से खरखौदा स्थित निर्माणाधीन मारुति प्लांट के लिए चली थी। बस में सवार सभी कर्मचारी आईटीआई पास करने के बाद मारुति प्लांट में अप्रेंटिस के लिए चुने गए थे। बस सुबह करीब सवा पांच बजे तक गांव सैदपुर के पास पहुंची तो सामने चल रहे ट्रक को ओवरटेक करते समय बस की ट्रक से टक्कर हो गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक से टक्कर के बाद बस में सवार करीब 25 कर्मचारियों को चोटें आई हैं। हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे राहगीरों ने घायलों को बस से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने कई की गंभीर हालत देख रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद घायलों को खरखौदा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में हिसार से 20 वर्षीय अक्षय, करनाल से 20 वर्षीय रुष्ट कुमार व 22 वर्षीय अमीर, बिहार से 25 वर्षीय अशोक, प्रयागराज से 26 वर्षीय शिवम गुप्ता, उत्तर प्रदेश से 21 वर्षीय विकास कुमार, मुलाना से 19 वर्षीय रजत सैनी,

गुजरात विधानसभा अध्यक्ष ने बीजेपी विधायक के खिलाफ लिया सख्त एक्शन

अहमदाबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने सदन की विधायी नियमों का उल्लंघन करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक के खिलाफ अनुशासनात्कम कार्रवाई की और उन्हें कुछ समय के लिए निष्कासित कर दिया। दरअसल, महुवा से विधायक मोहन ढोडिया उस समय अपने पार्टी सहयोगी भागा बराड़ के सामने से गुजरते और बात करते नजर आए, जब वह (बराड़) प्रश्नकाल के दौरान विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी को संबोधित एक प्रश्न प्रस्तुत कर रहे थे। बता दें कि विधायी नियमों के अनुसार, जब कोई विधायक अध्यक्ष के आसन की ओर देखते हुए सदन को संबोधित करता है, तो कोई भी सदस्य बीच से नहीं गुजर सकता। विधानसभा अध्यक्ष ने विधायी नियमों के प्रति अनादर दिखाने के लिए ढोडिया से सदन से बाहर जाने को कहा। बराड़ के अपनी बात समाप्त कर लेने के बाद ही ढोडिया को दोबारा सदन में आने दिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विधायकों से की ये अपील

वहीं उधर, गुजरात विधानसभा में एकमात्र मुस्लिम विधायक इमरान खेड़ावाला ने विधानसभा अध्यक्ष से संरक्षण की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी के कुछ सदस्यों ने उन्हें एक 'विशेष समुदाय' का व्यक्ति बताते हुए उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणी की है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने सभी विधायकों को व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करने और मंत्रियों व विधायकों से एक-दूसरे का सम्मान करने की अपील की। अहमदाबाद शहर के जमालपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले खेड़ावाला ने एक प्रस्तावित ओवर-ब्रिज की स्थिति के बारे में पूछा, जोकि मुस्लिम बहुल जुहापुरा और सरखेज क्षेत्रों से होकर गुजरना है। उन्होंने एक पूरक प्रश्न के माध्यम से पुल के कार्य से जुड़ी जानकारी मांगी। राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें काम पूरा करने में खेड़ावाला की मदद की आवश्यकता है क्योंकि एक विशेष समुदाय के मांसाहार के परिवहन से जुड़े 700 ट्रक, दुकानें, किओस्क, 1200 से अधिक रिक्शा और 11 गैराज ने अवैध रूप से क्षेत्र में अतिक्रमण कर रखा है।

पानीपत के रिफाइनरी इलाके के जंगल में मिला व्यापारी का शव; 4 गिलास, खाने का सामान व शराब की बोतल बरामद

पानीपत, 26 मार्च (एजेंसियां)। पानीपत के सौंधापुर गांव के 41 वर्षीय व्यापारी का शव रिफाइनरी इलाके के जंगल में मिलने से सनसनी फैल गई। मौके से चार डिस्पोजल गिलास, खाने का सामान और एक शराब की बंद बोतल बरामद हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। व्यापारी प्रवीण के परिजनों का कहना है कि वह किसी भी प्रकार का नशा नहीं करता था, जिससे हत्या की आशंका और गहरी हो गई है। परिजनों के अनुसार, प्रवीण सुबह 8:30 बजे घर से प्लॉट की पेमेंट लेने के लिए निकला था और 9 बजे फैक्ट्री पहुंचा। फैक्ट्री का ताला खोलने के बाद वह स्कूटी पर निकल गया, लेकिन उसके बाद से लापता हो गया। परिजनों ने अपने स्तर पर खोजबीन की और गुमशुदगी की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई।

उद्धव गुट ने पहले विधान परिषद सभापति के खिलाफ लाया अविश्वास प्रस्ताव, फिर वापस, क्या है वजह?

मुंबई,26 मार्च (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे की शिवसेना-यूबीटी विधान परिषद के चेयरमैन राम शिंदे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई थी। लेकिन उसने अब यह प्रस्ताव वापस ले लिया है। यह प्रस्ताव विधान पार्षद अंबादास दानवे लेकर आए थे और उन्होंने खुद इसे वापस लेने के लिए प्रस्ताव पेश किया है। विपक्ष का कहना है कि उन्हें ऊपरी सदन में निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया गया है। विपक्ष की ओर से जारी एक चिट्ठी में कहा गया है, "21 मार्च को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक बैठक आयोजित की गई जिसमें हमें ऊपरी सदन में निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिलाया गया। हमने इसलिए सभापति राम शिंदे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को वापस लेने का फैसला किया है।" एक सप्ताह पहले विधान परिषद की कार्यवाही के दौरान महाविकास अघाड़ी के सदस्यों ने उपसभापति नीलम गोरहे के पक्ष में पारित विश्वास प्रस्तव पर हंगामा किया था। नीलम गोरहे ने उद्धव ठाकरे के खिलाफ बयान दिया था जिस वजह विपक्ष उनपर हमलावर था। महाविकास अघाड़ी ने आरोप लगाया कि नियमों को ताक पर रखकर विश्वास प्रस्ताव पारित हुआ। उन्होंने विधान परिषद का बहिष्कार किया और यहां तक कि विधान परिषद के अध्यक्ष राम शिंदे के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ गए। राम शिंदे पर उन्होंने पक्षपात का आरोप लगाया था।

इस अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष के नेता अंबादास दानवे, शिवसेना-यूबीटी के नेता अनिल परब, कांग्रेस के भाई जगताप और अभिजीत वंजारी और एनसीपी-एसपी के एकनाथ खडसे समेत विपक्षी दलों के 15 सदस्यों ने हस्ताक्षर किया था। अविश्वास प्रस्ताव में कहा गया था कि परिषद के सभापति राम शिंदे सदन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण और एकतरफा तरीके से चला रहे हैं। सदन की कार्यवाही नियमों के अनुरूप नहीं चल रही है। प्रस्ताव में विपक्षी दल और विपक्ष के नेताओं की अनदेखी के भी आरोप लगाए गए थे। राम शिंदे को 19 दिसंबर 2024 का विधान परिषद का सभापति चुना गया था।

दिल्ली पुलिस का एक्शन, 3732 कार्टन अवैध शराब के साथ 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अवैध शराब की तस्करी के एक अनोखे मामले का पर्दाफाश किया है। शराब तस्करों ने क्रॉकरी के कार्टन के बीच शराब की पेटियां छुपाकर बिहार भेजने की साजिश रची थी, लेकिन पुलिस ने समय रहते इस गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक शराब विक्रेता, एक पैकेजर और एक ट्रक चालक शामिल है। इसके अलावा पुलिस ने 3,732 कार्टन अवैध शराब के साथ एक ट्रक जब्त किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि एक नए तरीके से अवैध शराब को बिहार भेजा जा रहा है। इस सूचना के आधार पर हेड कॉन्स्टेबल विनोद बजाड़ के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इसके बाद पुलिस ने मजनू का टीला इलाके में जाल बिछाया और एक संदिग्ध ट्रक को रोका। जब ट्रक खोला गया, तो पुलिस भी हैरान रह गई। ट्रक को खोलने पर उसमें घरेलू सामान और क्रॉकरी के बड़े-बड़े बॉक्स रखे मिले। पहले तो पुलिस को कुछ खास नजर नहीं आया, लेकिन जब संदिग्ध कार्टन खोले गए, तो थर्माकोल और कप-प्लेटों के बीच शराब की पेटियां छिपाई गई थी।

नवरात्रि पर एक्शन में बीजेपी विधायक रवींद्र नेगी मंदिरों के पास बनी मीट की दुकानें बंद कराई

नई दिल्ली,26 मार्च (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में नवरात्रि और ईद को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। पटपड़गंज से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रवीन्द्र नेगी ने नवरात्रि के मौके पर मीट की दुकानों को बंद किए जाने की मांग की है। नेगी का कहना है कि नवरात्रि हिंदू आस्था का पर्व है और मंदिरों के सामने मीट की दुकानें खुलने से भावनाएं आहत होती हैं, इसलिए इन्हें बंद रखा जाए। उन्होंने पटपड़गंज में मंदिरों के पास स्थित मांस की दुकानों को बंद भी करवा दिया है। नेगी ने विधानसभा में ये मुद्दा उठाते हुए दिल्ली सरकार से मांग की है कि नवरात्रि के दौरान पूरी दिल्ली की मटन शॉप्स को बंद किया जाए। वहीं आम आदमी पार्टी के विधायक जुबैर अहमद बीजेपी विधायक नेगी से भी एक कदम आगे निकल गए हैं। जुबैर अहमद ने मांग की है कि नवरात्रि में सिर्फ मीट की नहीं बल्कि शराब की दुकानें भी बंद होनी चाहिए, क्योंकि व्रत के दौरान धार्मिक भावनाएं शराब से भी आहत हो सकती हैं। नेगी द्वारा पटपड़गंज में मंदिरों के आसपास लगने वाली मीट की दुकानें बंद करवाने से मंदिर में आने वाले श्रद्धालु खुश नजर आ रहे हैं, जबकि मुस्लिम समुदाय के लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि सरकार मीट की दुकानें बंद करवाए, इससे उन्हें दिक्कत नहीं है लेकिन इन्हें चलाने वालों को जो नुकसान होगा उसकी भरपाई सरकार करे। आपको बता दें कि नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानों को बंद कराने के लिए कोई विशेष कानून नहीं है, लेकिन कुछ जगहों पर स्थानीय प्रशासन या धार्मिक संगठनों द्वारा इस संबंध में अनुरोध किए जाते हैं, जो कि धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं पर आधारित होते हैं।

सुपरमार्केट के कर्मचारी ने मराठी में बात करने से किया इनकार, मनसे कार्यकर्ताओं ने की मारपीट

मुंबई,26 मार्च (एजेंसियां)। राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर मराठी में बात न करने पर मुंबई के एक प्रमुख सुपरमार्केट स्टोर के एक कर्मचारी को थप्पड़ मारा। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार को अंधेरी (पश्चिम) के वर्सोवा में डी-मार्ट स्टोर में हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में स्टोर कर्मचारी को एक ग्राहक से यह कहते हुए सुना जा सकता है, ''मैं मराठी में नहीं बोलूंगा, मैं केवल हिंदी में बोलूंगा। तुम्हें जो करना है कर लो।'' जब मनसे को कर्मचारी की टिप्पणियों के बारे में पता चला, तो पार्टी की वर्सोवा इकाई के अध्यक्ष संदेश देसाई के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं का एक समूह स्टोर पर पहुंचा और कर्मचारी को कथित तौर पर थप्पड़ मारा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। अधिकारियों ने कहा कि स्टोर कर्मचारी ने बाद में अपने व्यवहार के लिए माफी मांगी।

कई राज्यों में छिड़ा है भाषाई विवाद

बता दें कि इसी तरह की घटनाएं पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग राज्यों में देखने को मिल रही हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तिमलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में इन दिनों भाषा का विवाद छिड़ा हुआ है। इसी बीच महाराष्ट्र के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने मराठी भाषा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। दअरसल अब से सभी व्यवसायिक (कॉमर्शियल) गाड़ियों के ऊपर लिखे गए सामाजिक संदेश मराठी भाषा में लिखने होंगे। सरकार की ओर से कहा गया कि आने वाली गुढ़ी पड़वा से यानी 30 मार्च 2025 से इस नियम का पालन सभी कॉमर्शियल वाहनों को करना होगा।

मराठी भाषा को लेकर महाराष्ट्र में नया नियम

महाराष्ट्र में अब सभी कमर्शियल गाड़ियों (ट्रक, बस, रिक्शा) पर मराठी भाषा में सामाजिक संदेश लिखना अनिवार्य कर दिया गया है। ये संदेश शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे विषयों पर आधारित होंगे। इनमें 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'एक कदम स्वच्छता की ओर' जैसे संदेश गाड़ियों पर दिखाई देंगे। सरकार का कहना है कि इससे सामाजिक जागरूकता बढ़ेगी। मराठी भाषा के प्रति लोगों की जागरुकता भी बढ़ेगी। आदेश को जारी करते हुए मंत्री परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि मराठी महाराष्ट्र राज्य की आधिकारिक भाषा है। महाराष्ट्र के नागरिक मुख्यतः मराठी भाषी हैं। पीएम मोदी के प्रयासों से मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ है। स्वाभाविक रूप से,मराठी भाषा को संरक्षित करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है।

पत्नी ने टेबल पर रख दी एसिड की बोतल डॉक्टर पति पानी समझकर पी गया

सूरत,26 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने गलती से एसिड पी लिया। उन्हें लगा यह पानी है। बस फिर क्या था। वो पानी समझ एसिड को पी गए। चंद सेकंड में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उनकी चीख सुन पत्नी वहां आई। पत्नी ने कहा- मैंने यहां एसिड की बोतल रखी थी, जिसे आप पानी समझकर पी गए। इसके बाद पत्नी ने पति के डॉक्टर मित्र को फोन कर पूरी बात बताई। फिर डॉक्टर को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस तक भी यह मामला पहुंच गया था। फिल डॉक्टर का बयान दर्ज करने के बाद पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह एक दुर्घटनावश हुई घटना थी और इसमें कोई आपराधिक षड्यंत्र नहीं था। घटना 16 मार्च की है। हालांकि, इस घटना की जानकारी सोमवार को सामने आई। जानकारी के मुताबिक, सरकारी हॉस्पिटल स्मीमेर अस्पताल के फॉरेंसिक विभाग में कार्यरत डॉक्टर राजेश पटेल ने गलती से एसिड पी लिया था। उन्हें गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल डॉक्टर की तबीयत में सुधार है। जानकारी के मुताबिक, अलथान कैनाल रोड स्थित कोरल हाइट्स निवासी डॉक्टर राजेश पटेल अपने घर में थे। उनकी पत्नी ने सफाई के दौरान गलती से एसिड की बोतल टेबल पर रख दी थी। रात करीब एक बजे पानी की बोतल समझकर डॉक्टर राजेश ने पास रखी एसिड की बोतल उठा ली और एसिड पी लिया। एसिड निगलते ही उनकी तबीयत बिगड़ गई। पत्नी ने तुरंत डॉ। जयेश को फोन किया, जो उनके करीबी मित्र हैं। डॉ। जयंतीलाल ने राजेश पटेल को अस्पताल में भर्ती करवाया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

लैंड पूलिंग एक्ट को लेकर कांग्रेस का बीजेपी पर हमला, जीतू पटवारी ने दी आंदोलन की चेतावनी

भोपाल,26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार द्वारा लैंड पुलिंग एक्ट में किए गए बदलाव को लेकर कांग्रेस मुखर हो गई है। इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आंदोलन की चेतावनी दी है। इसके अलावा भारतीय किसान संघ और अन्य किसान संगठनों से भी समर्थन मांगा है। मध्य प्रदेश सरकार ने लैंड पूलिंग एक्ट में बदलाव करते हुए गुजरात मॉडल को हरी झंडी दे दी है, जिसके तहत लैंड पूलिंग एक्ट में किसानों को मुआवजे के बदले 50 फीसदी विकसित जमीन दी जाएगी। सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि 40 हैक्टेयर से अधिक भूमि के निवेश पर यह नियम लागू होगा।

यह दावा करने से सरकार का तात्पर्य है कि बड़ी योजनाओं के लिए ही भूमि अधिग्रहित की जाएगी। छोटी योजना के लिए किसानों के छोटे-छोटे टुकड़ों को अधिग्रहित नहीं किया जाएगा। इसके अलावा जो विकसित जमीन किसानों को दी जाएगी, उसकी कीमत कृषि भूमि की कीमत से 10 गुना से भी अधिक बढ़ जाएगी। बता दें कि कांग्रेस ही नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी के विधायक और नेता भी सरकार के सामने मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं। बीजेपी के विधायक डॉ चिंतामणि मालवीय ने भी लैंड पूलिंग को लेकर विधानसभा में अपना विरोध दर्ज करवा दिया है।

उज्जैन में सरकार सिंहस्थ के लिए भूमि अधिग्रहित करना चाहती है। इसे लेकर डॉक्टर चिंतामणि मालवीय को प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने नोटिस तक जारी किया है। गुजरात में लैंड पूलिंग एक्ट के तहत भूखंड और भूमि का अधिकरण करने पर विकसित भाग का आधा हिस्सा भूमि स्वामी को दे दिया जाता है। इस प्रक्रिया में मुआवजा नहीं दिया जाता है। इसी गुजरात मॉडल पर मध्य प्रदेश सरकार भी अब काम कर रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का कहना है कि कांग्रेस को राजनीति से ऊपर उठकर मध्य प्रदेश के विकास में सहभागी बनना चाहिए।

16 केस में जज साहब का ड्राइवर बना गवाह, एक ने 100 मामलों में दी गवाही, पुलिस का ये खेल जान चकरा जाएगा माथा

ग्वालियर,26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बीते 3 साल में 507 केस और उनमें गवाही देने वालों से जुड़ा एक मामला उजागर हुआ है। सीधे कहें तो पुलिस के एक बड़े फर्जीवाडे का खुलासा हुआ है। हैरान कर देने वाली वजह यह है कि 100 मामलों में ग्वालियर पुलिस ने कोर्ट में सिर्फ एक ही फर्जी गवाह पेश किया है। यहां तक कि पुलिस ने जज साहब के निजी ड्राइवर को 16 केसों में गवाह बना डाला। एक गवाह से तो 29 मिनट के अंतराल में हुए दो केसों में गवाही दिला दी गई। पुलिस थानों में अलग-अलग घटनाओं की एफआईआर में सिर्फ एक ही व्यक्ति का नाम गवाह के तौर पर दर्ज होना चौंका रहा है। यह कारनामा ग्वालियर पुलिस ने कर दिखाया है, जिनमें करीब 100 अलग-अलग केसों में सिर्फ एक ही गवाह का नाम दर्ज है। सभी घटनाएं उसी गवाह के सामने होना बताया गया है। इस खुलासे के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

पुलिस के इस खुलासे में तीन ऐसे नाम सामने आए हैं, जिनमें एक शख्स 100 वारदातों का गवाह है। इनमें एक गवाह तो डिस्ट्रिक कोर्ट के जज का निजी ड्राइवर है। इनमें एसपी कुशवाह को पुलिस ने करीब 100 घटनाओं में गवाह बनाया है। उसे पुलिस के जरिए रक्षा समिति का कार्ड भी बनाया गया है। मोनू जाटव जिला न्यायालय के जज का निजी ड्राइवर है। मोनू 16 केसों में गवाही दे चुका है। इतना ही नहीं यह 23 मिनट के अंतराल में आबकारी एक्ट के तीन मामलों में गवाह के रूप में दर्ज हुआ है। पूरन राणा शहर के थाटीपुर के शिवाजी नगर का रहने वाला है। यह 4 केस में पुलिस का गवाह है। 2022 को महज 29 मिनट के अंदर 2 घटनाओं में गवाह के तौर पर मौजूद था।

100 केस एक गवाह

ग्वालियर पुलिस के द्वारा जिन लोगों को बार बार एफआईआर में गवाह बनाया गया है, उनमें से एक नाम मुरार थाना क्षेत्र के त्यागी नगर का रहने वाले एसपी कुशवाह का है। यह 100 केसों में पुलिस का फर्जी गवाह है। मुरार पुलिस ने एसपी कुशवाह को पुलिस रक्षा समिति का कार्ड भी बनाकर दे दिया है। हैरत की बात यह है कि पुलिस रिकॉर्ड में एसपी कुशवाह 100 घटनाओं के दौरान घटना स्थल पर मौजूद गवाह है। एसपी कुशवाह ने बताया कि वह बेरोजगार है और पुलिस अपनी मर्जी से उसे गवाह बना देती है।

ग्वालियर रेंज आईजी ने कही ये बात

इस गंभीर मामले को लेकर ग्वालियर रेंज आईजी अरविंद सक्सेना का कहना है कि घटना के दौरान मौके पर मौजूद ज्यादातर लोग पुलिस के सामने गवाही देने से कतराते हैं। लोग कानूनी उलझनों से बचने के लिए गवाही नहीं देते है। इन हालातो में पुलिस अपने परिचित गवाहों को केस में स्वतंत्र साक्षी के रूप में दर्ज करती है। लेकिन अब हमने सभी थाना प्रभारी को बताया है कि नए बीनएस एक्ट में घटना के दौरान वीडियोग्राफी कराई जाए, इससे पीड़ित पक्ष और वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर केस मजबूत होगा। कई मामलो में जब स्वतंत्र साक्षी पर भी कोर्ट में पुलिस के पॉकेट गवाह होने का आरोप लगता है तो उन हालातो में बीएनएस के नए रूल्स से जांच के साथ आरोपी को सजा दिलाने में मदद मिलेगी। आईजी सक्सेना का यह भी कहना है कि सभी थाना स्तर पर निर्देश दिए गए हैं कि वह बीएनएस के साथ लोगो को जागरूक करें, ताकि घटनास्थल से या आसपास के इलाके का ही गवाह बनाया जा सके।

मुकर जाते हैं गवाह

कई बार देखा गया है कि पुलिस के द्वारा केसों में फर्जी गवाह बना तो दिए जाते हैं लेकिन ऐसा कहा जाता है कि आरोपी और फरियादी पक्ष में डील होने पर ये गवाह भी 20 फीसदी रकम लेकर गवाही से मुकर जाते है। कई बार आरोपी पक्ष से डील होने पर भी गवाह मुकर जाता है, ऐसे में पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि पुलिस डमी गवाह ना बनाते हुए लोगों को जागरूक करे, ताकि घटनाक्रम होने पर पुलिस की मदद करने खुद चश्मदीद गवाही देने आगे आए।

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने यूपी में एक नाबालिग से हुए यौन उत्पीड़न के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज को बड़ी नसीहत देते हुए उनके उस फैसले पर रोक भी लगा दी, जिसमें जज ने कहा था कि नाबालिग के प्राइवेट पार्ट छूना और सलवार का नाड़ा खींचना रेप की कोशिश के बराबर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे बेहद संवेदनहीन करार दिया है। इसके साथ ही इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब भी मांगा है। हालांकि अब इस मामले में सुनवाई बाद में होगी, लेकिन सवाल लाजमी है कि क्या जजों को ऐसे फैसले देने से पहले सोचना-समझना नहीं चाहिए? जज चाहते तो ऐसी संवेदनहीन टिप्पणी से बच सकते थे। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने कई बार ऐसी नसीहतें दी है, लेकिन बार-बार ऐसी स्थिति उत्पन्न होना चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि फैसले में कुछ टिप्पणियों को देखकर दुख हुआ। पीठ ने कहा, हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि यह फैसला लिखने वाले की संवेदनशीलता की कमी को दिखाता है। इस फैसले को तुरंत नहीं सुनाया गया। इसे सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया। हम आमतौर पर इस स्टेज पर आकर फैसले पर रोक लगाने में हिचकिचाते हैं, मगर फैसले के पैराग्राफ 21, 24 और 26 में की गई टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों के विपरीत हैं। ये अमानवीय और संवेदनहीन नजरिया दिखाती हैं, इसलिए हम उक्त पैराग्राफ में की गई टिप्पणियों पर रोक लगाते हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी बेंच से सहमति जताते हुए कहा कि कुछ फैसलों में टिप्पणियों पर रोक लगाने की वजह होती है। जस्टिस गवई ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और पूरी तरह से असंवेदनशील है। यह सब समन जारी करने के चरण में हुआ। हमें न्यायाधीश के खिलाफ ऐसे कठोर शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए खेद है। ऐसे में जजों को भी सुप्रीम कोर्ट की ऐसी नसीहतों का पालन करना चाहिए। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने एक फैसले में पीड़िता के प्राइवेट पार्ट्स को छूना और पायजामी की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच अंतर करार दिया था। यह साबित करना होगा कि मामला तैयारी से आगे बढ़ चुका था। यह मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज इलाके में 2021 का है, जब कुछ लोगों ने नाबालिग लड़की के साथ जबरदस्ती की थी। इसी साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में कहा है कि अगर आरोपी पॉक्सो एक्ट और आईपीसी के तहत रेप मामले में दोषी करार दिया जाता है तो जिन कानूनी प्रावधान में अधिकतम सजा होगी वही लागू होगी। इसके जरिए अदालत मैसेज देना चाहती है कि रेप जैसे गंभीर अपराधों में सख्त से सख्त सजा होनी चाहिए।

अभिव्यक्ति की आजादी की अति मत करो

अशोक भाटिया

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की तरह ही लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक मौलिक मानव अधिकार है। माध्यम जो भी हो, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता शब्द न केवल भाषण की स्वतंत्रता बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को भी संदर्भित करता है, बल्कि अभिव्यक्ति या विचारों की स्वतंत्रता का भी उपयोग करता है। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 19 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है। भारत के संविधान का अनुच्छेद 19 स्वतंत्रता को बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी राय व्यक्त करने के अधिकार के रूप में परिभाषित करता है। यह स्वतंत्रता कानून का ढांचा है; लेकिन क्या होगा अगर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हजारों लोगों के मतपत्रों पर चुने गए जनप्रतिनिधियों को बदनाम किया जाए, उनके समर्थकों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जाए और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा की जाए?

जैसे राजनीति में लोग एक दूसरे के विरोधी होते हैं, दुश्मन नहीं। वैसे ही कॉमेडी मजाक उड़ाकर मनोरंजन के साथ साथ मैसेज देने की कोशिश भी रहती है। लेकिन, कुणाल कामरा ने तो वो तरीका अपनाया है जो कैंपसों में सीनियर छात्रों का गैंग जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग के नाम पर दुश्मन की तरह पेश आता है। बेशक कुणाल कामरा ने 'दिल तो पागल है' के एक गीत पर पैरोडी में कुछ पंक्तियां गुनगुनाई हैं, लेकिन जिस तरह से महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को टार्गेट किया है, वो करने वाला आर्टिस्ट नहीं कहा जा सकता। ऐसा क्यों लगता है जैसे कुणाल कामरा की कॉमेडी में शार्ली ऐब्दो टाइप फील देने की मंशा छुपी हुई हो।

समय रैना का कहना है कि इंडिया गॉट लैटेंट में वो सब कुछ फ्लो में बोल गये, हो सकता है। थोड़ी देर के लिए मान लेते हैं। लेकिन, कुणाल कामरा ने ऐसा नहीं किया है। कुणाल कामरा तो स्क्रिप्ट के साथ शो कर रहे हैं। कुणाल कामरा को पूरे होशो-हवास में मालूम है कि कहना क्या है। हो सकता है, समय रैना ने भी ऐसा ही किया हो, स्क्रिप्ट देख कर भी पढ़ी जा सकती है, और याद करके भी बोली जा सकती है। उस समय रैना ने अपने बयान में कहा है, 'मैंने जो कहा उसके लिए मुझे गहरा खेद है... ये शो के फ्लो में हुआ, और मेरा ऐसा कहने का कोई इरादा नहीं था।'अपनी गलती को स्वीकार करते हुए समय रैना कहते हैं, 'मुझे एहसास है कि मैंने जो कहा वो गलत था'। बताया है कि विवाद ने उनकी मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ा है... और, उसकी वजह से वो कनाडा का शो नहीं कर पाये। परन्तु यह ऐसा स्टड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के एक गाने की वजह से हुआ। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर एक व्यंग्य गीत ने राजनीतिक गलियारों में विवाद खड़ा कर दिया। आगे की बात करने के पहले हम पाठकों को बताना चाहेंगे कि स्टैंडअप कामेडी क्या है व रैना का इससे क्या जुडाव है । भारत में बीते 15 साल में ही कॉमेडी ने आम लोगों के जहन में जगह बनाई है और बीते 10 साल स्टैंडअप कॉमेडी के आर्ट के लिए काफी शानदार रहे हैं। भारत में स्टैंडअप कॉमेडी का कल्चर टीवी से शुरू हुआ और 2000 के दशक में कई लाफ्टर शो कलाकारों ने दर्शकों के सामने रखे। साल 2009 में मुंबई में 'द कॉमेडी स्टोर' नाम की जगह की शुरुआत की गई। 2010 के दशक में भारत में वीर दास और कैनी सबेस्टियन जैसे स्टैंडअप कॉमेडियन्स ने भारत से ज्यादा विदेशों में नाम कमाया। हालांकि इससे पहले राजू श्रीवास्तव समेत कई कालाकार स्टैंडअप कॉमेडी किया करते थे। 2010 के बाद स्टैंडअप कॉमेडी में जाकिर खान समेत तमाम नए कलाकारों ने भी सुर्खियां बटोरना शुरू कर दिया। 2015 के बाद से भारत में स्टैंडअप कॉमेडी का कल्चर पॉपुलर होने लगा।

साल 2012 में तन्मय भट्ट और उनके कुछ साथियों ने एआईबी नाम के प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। 2015 में एक एआईबी ने एक रोस्टिंग स्टैंडअप कॉमेडी शो किया था जिसमें बॉलीवुड की लगभग सभी बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। ये शो काफी विवादों में भी रहा था क्योंकि इसमें वल्गर कॉमेडी और धड़ल्ले से गालियों का इस्तेमाल किया गया था। यहीं से भारत में स्टैंडअप कॉमेडी विवादों में घिरी रही। इसके बाद स्टैंडअप कॉमेडी ने पॉपुलरिटी हासिल की और कई नए नवेले कलाकार देखने को मिले। मुनव्वर फारुकी को एक बार इंदौर में चलते शो में ही कुछ लोगों ने कूट दिया था। इतना ही नहीं मुन्नवर को धार्मिक भावनाओं को अपने जोक्स से आहत करने के लिए जेल भी जाना पड़ा था। 21वीं सदी यानी 2000 के बाद पूरी दुनिया में ये कल्चर फैलने लगा और भारत में भी इसने अपनी जगह बना ली। आज भारत में भी स्टैंडअप कॉमेडी मनोरंजन का एक बड़ा साधन बन गया है।

अब बात करें कुणाल कामराकुनाल व उसके चर्चित शो की जिसके बारे में सोशल साइट एक्स पर शेयर अपने बयान में कुणाल कामरा लिखते हैं, एंटरटेनमेंट वेन्यू महज एक प्लेटफॉर्म है... हर किस्म के शो का मंच है... मेरी कॉमेडी के लिए जिम्मेदार नहीं है, और जो भी मैं कहता या करता हूं, उस पर उसका कोई अधिकार या नियंत्रण नहीं है। न ही किसी और पार्टी का कोई अधिकार है। बिल्कुल सही बात है। लेकिन, ऐसी दलीलों से कुणाल कामरा ने कॉमेडी के बहाने जो कहा है, उसे सही हरगिज नहीं ठहराया जा सकता।

कुणाल कामरा के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज करा दी गई है, और शिवसेना-शिंदे की तरफ से ये मामला अपने तरीके से सुलझाने का संदेश भी दिया जा रहा है। शिंदे सेना ने सुलझाने के तरीके का ट्रेलर तो दे ही दिया है, स्टूडियो में तोड़फोड़ करके। आगे के लिए धमकी भी आ चुकी है। धमकी का एक ऑडियो भी वायरल है, जिसमें कुणाल कामरा खुद को तमिलनाडु में होने के बात कर रहे हैं, और धमकाने वाले मुन्ना भाई वाले सर्किट की तरह पूछ रहे हैं, अब तमिलनाडु कैसे जाएंगे भाई। बहरहाल, मुद्दा ये है कि कुणाल कामरा के काम से कौन गुस्से में है और किसको मजा आ रहा है। सब कुछ साफ है। सामने है। एकनाथ शिंदे और उनके समर्थक गुस्से में हैं। और, उद्धव ठाकरे और उनके सपोर्टर मजा ले रहे हैं - अगर शिवसेना के दो टुकड़े नहीं हुए होते तो कुणाल कामरा तमिलनाडु में होकर भी उनकी पहुंच से बाहर नहीं होते।

महाराष्ट्र विधानमंडल में भी जो इसका असर पड़ा। यह दोनों सदनों को स्थगित करने का समय था। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम को कुणाल कामरा या किसी और को चेतावनी देनी पड़ी कि विधान परिषद को चुप कराने के लिए इस तरह की कॉमेडी नहीं चलाई जाएगी। इससे पहले, मुंबई में सड़कों की स्थिति के बारे में एक रेडियो जॉकी द्वारा गाया गया गीत बहुत लोकप्रिय था। 'सोनू, क्या तुम्हें बीएमसी पर भरोसा नहीं है?' वह गीत था। गाना वायरल होने के बाद ठाकरे सदमे की स्थिति में आ गए थे। तभी महिला रेडियो जॉकी को धमकाया गया। हालांकि, अब वही ठाकरे अब कुणाल कामरा को कंधे पर रखकर डांस करते नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि कुणाल कामरा के गाने के शब्द उनके पॉलिटिकल गुरु ने लिखे हैं।

वे अब महाराष्ट्र के गृह मंत्री के नाम पर चिल्ला रहे हैं, जैसे कि उबाथा को विश्वास है कि यह कामरा उन्हें अपनी अब बंद राजनीतिक दुकान शुरू करने में मदद करेगा। ढाई साल पहले एकनाथ शिंदे के साथ विधायकों के विद्रोह के बाद, महाराष्ट्र के लोगों ने शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना को वोट दिया। पूरे महाराष्ट्र ने देखा कि एकनाथ शिंदे ने अगले चुनाव में अपने दम पर 55 से ज्यादा विधायकों को चुनने की धमकी दी थी, इसलिए उबाथा सेना ने शायद किसी कलाकार को सुपारी देकर उसका मजाक उड़ाने की कोशिश की हो। तो विधानसभा में कामरा के पीछे मालिक कौन है? सत्ताधारी दलों ने इस मामले की जांच की मांग की है, इसके पीछे मंशा साफ है।

आर्थिक विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

पुनीत उपाध्याय

महिलाएं भारत की अर्थव्यवस्था को तेजी से नया आकार दे रही हैं। चाहे ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों का नेतृत्व करना हो या शहरी स्टार्टअप में नवाचार को आगे बढ़ाना हो महिलाएं निर्माता, उद्यमी और निर्णयकर्ता के रूप में भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, उनकी बढ़ती उपस्थिति और योगदान के बावजूद उनका आर्थिक प्रभाव सीमित है। भारत की आबादी में महिलाओं की संख्या लगभग आधी है।

फिर भी सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान केवल 18 फीसदी है। नीति आयोग की रिपोर्ट भारत की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की उभरती भूमिका का एक व्यापक डेटा.संचालित विश्लेषण प्रस्तुत करती है। ट्रांसयूनियन सिबिल, नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच और माइक्रोसेव कंसल्टिंग के सहयोग से प्रकाशित यह इस बात की पड़ताल करती है कि कैसे महिलाएं तेजी से उधारकर्ताओं से बिल्डरों की ओर बढ़ रही हैं जिसमें ऋण भागीदारी, वित्तीय व्यवहार और स्व.निगरानी में उभरते रुझानों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।रिपोर्ट में वित्तीय क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को दर्शाया गया है जिसमें उन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है जहां उनका प्रभाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट इस बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करती है कि महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने से भारत में आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए नए अवसर कैसे मिल सकते हैं। रिपोर्ट में उन प्रणालीगत बाधाओं पर भी प्रकाश डाला गया है जिनका सामना महिलाओं को करना पड़ रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि पिछले सात वर्षों में भारत की महिला श्रम शक्ति भागीदारी दर 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई है जो मुख्य रूप से ग्रामीण महिलाओं की बढ़ी हुई आर्थिक भागीदारी से प्रेरित है। रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 9 मिलियन महिलाओं को सशक्त बनाया है। औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच प्रदान करके उनकी आजीविका में सुधार किया है। महिला उद्यमियों की वृद्धि भी स्पष्ट है। जनवरी 2025 तक UDYAM के तहत पंजीकृत 40 प्रतिशत से अधिक MSME महिलाओं के स्वामित्व वाले हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 4.24 करोड़ महिला उद्यमियों को 2.22 लाख करोड़ रुपये वितरित किए गएए जो छोटे व्यवसायों को सूक्ष्म वित्तपोषण प्रदान करता है। इसके अतिरिक्तए स्ट्रीट वेंडर्स को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से पीएम स्वनिधि योजना ने दिसंबर 2024 तक 30.6 लाख महिला स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यशील पूंजी ऋण के रूप में 5939.7 करोड़ रुपये प्रदान किए।

2024 में महिलाओं द्वारा व्यवसाय के उद्देश्य से लगभग 37 लाख नए ऋण खाते खोले गए महिलाओं की ऋण भागीदारी के संबंध में 2024 में महिलाओं ने व्यवसाय के उद्देश्यों के लिए लगभग 37 लाख नए ऋण खाते खोले जिनमें व्यवसाय ऋण, वाणिज्यिक वाहन ऋण और संपत्ति के विरुद्ध ऋण शामिल हैं जिनका कुल वितरण 1.9 लाख करोड़ रुपये है जबकि 2019 के बाद से व्यवसाय से संबंधित ऋण खातों की संख्या 4.6 गुना बढ़ गई है, ये ऋण अभी भी महिला उधारकर्ताओं द्वारा लिए गए कुल ऋणों का केवल 30 प्रतिशत है। दूसरी ओर, व्यक्तिगत वित्त आवश्यकताओं के लिए ऋण जैसे कि व्यक्तिगत ऋण, उपभोक्ता टिकाऊ ऋण, गृह ऋण और वाहन ऋण . महिलाओं के लिए ऋण का सबसे बड़ा हिस्सा बना हुआ है। 2024 में महिलाओं ने लगभग 4.3 करोड़ ऐसे ऋण लिए जिनकी कीमत 4.8 लाख करोड़ रुपये थी जो महिलाओं द्वारा लिए गए सभी ऋणों का 42 प्रतिशत था। महिला उधारकर्ताओं के बीच गोल्ड लोन भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं।

लगभग 4 करोड़ गोल्ड लोन जिनकी कुल कीमत 4.7 लाख करोड़ रुपये है 2024 में महिलाओं द्वारा लिए गए सभी ऋणों का 38 प्रतिशत है। यह 2019 के बाद से गोल्ड लोन की संख्या में 5 गुना वृद्धि दर्शाता है। युवा महिलाएँ मुख्य

रूप से व्यक्तिगत ऋण लेती हैं लेकिन व्यवसाय या कृषि ऋण जैसे अन्य प्रकार के ऋणों में उनकी हिस्सेदारी कम बनी हुई है। राज्यों में महिलाओं की ऋण भागीदारी में महत्वपूर्ण अंतर महिला उधारकर्ताओं के बीच ऋण भागीदारी राज्यों में काफी भिन्न होती है जो वित्तीय समावेशन में क्षेत्रीय अंतर को उजागर करती है। दक्षिणी राज्यों में कम से कम एक सक्रिय ऋण वाली महिलाओं का प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2024 तक तमिलनाडु 44 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है. इसके बाद आंध्र प्रदेश 41 प्रतिशत, तेलंगाना 35 प्रतिशत और कर्नाटक 34 प्रतिशत पर है।

इसकी तुलना में सक्रिय ऋण वाली महिलाओं का राष्ट्रीय औसत 31 प्रतिशत है। दूसरी ओर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे उत्तरी और मध्य राज्यों में पिछले पाँच वर्षों में महिला उधारकर्ताओं की संख्या में उच्च चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर देखी गई है। हालांकि, देश में महिला उधारकर्ताओं की कुल हिस्सेदारी अपेक्षाकृत कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिलाएं स्वयं निगरानी और ऋण प्रबंधन के माध्यम से वित्तीय स्वतंत्रता का प्रदर्शन कर रही हैं जो उनकी बढ़ती वित्तीय सूझबूझ को दर्शाता है। 2024 के अंत तक लगभग 27 मिलियन महिलाएं ऋण प्राप्त कर चुकी थीं।

मुआवजा तथा पुनर्वास को तरसते कोशी के बाढ़ पीड़ित

कुमार कृष्णन

सितंबर 2024 के आखिरी दिनों में नेपाल और बिहार के कई इलाकों में भारी बारिश के बाद कोसी क्षेत्र में दशकों बाद आई विनाशकारी बाढ़ ने लोंगों की ज़िन्दगी को तहस नहस कर डाला. इस बार तटबंध और बैराज बनने के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि कोशी नदी का पानी बैराज से ऊपर निकलने लगा. सुपौल जिले में पूर्वी तटबंध की सुरक्षा के लिए बने अनेक स्पर क्षत-विक्षत हो गए तो सहरसा, दरभंगा जिले में अनेक जगह तटबंध के ऊपर से पानी बह चला. अंत में दरभंगा जिले कीरतपुर प्रखंड के भूभौल में तटबंध टूट गया जिसके बाद सामने वाला गांव भूभौल पूरी तरह बर्बाद हो गया। इस भीषण बाढ़ में तटबंध के बीच के लोग भूखे -प्यासे भयावह स्थिति में रहकर जान बचाए।

बाढ़ के बाद सरकार, राहत क्षतिपूर्ति के लिए बने अपने ही मानक संचालन प्रक्रिया और मानदर का अनुपालन करने में नाकाम रही है। जिनके घर बाढ़ या नदी के कटाव में विलीन हो गए या जानवर बह गए, उसकी क्षतिपूर्ति अबतक नहीं मिली है। हर साल तटबंध के भीतर रह रहे पुनर्वास से वंचित लोग इस तरह की आपदा भोगने पर विवश हैं। उनके पुनर्वास की बात नहीं होती है।

कोशी नवनिर्माण मंच द्वारा अनेक बार उनकी मांगे उठाई गई, मांगपत्र भी दिया गया है, सुपौल में धरना भी आयोजित हुआ है पर कोई प्रगति नहीं दिख रही है। सरकार, प्रशासन और नागरिक समाज इन पीड़ितों को भूलता जा रहा है। इन समस्याओं की तरफ नागरिक समाज और सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने गांधी संग्रहालय, पटना में एक जन सुनवाई का आयोजन किया गया। कोशी नवनिर्माण मंच द्वारा कोशी पीड़ितों की गृहक्षति सहित अन्य क्षतिपूर्ति दिलाने, कोशी तटबंध के भीतर के लोगों के पुनर्वास के सवाल पर पटना के गांधी संग्रहालय में यह जन सुनवाई आयोजित की गयी।

जनसुनवाई में सुपौल जिले के किशनपुर प्रखंड की बेला की रेखा देवी भूखे प्यासे बाढ़ में बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि बच्चों को छप्पर पर किसी तरह बैठाकर जान बचाए। उस पर भी सांप आ गया तो किसी तरह हटा कर छोटी नाव पर जान बचाए। हम लोगों को पुनर्वास नहीं मिला है. सरकार पुनर्वास दे। वो अपने गांव में सांप काटने के बाद छोटी नाव में बैठाकर नदी पार करते समय बच्चे की हुई मौत की दर्दनाक कहानी बताई।

सुपौल अंचल के बलवा गांव के डुमरिया गांव की प्रमिला देवी ने कहा कि मेरा घर नदी में समा गया. आज तक गृह क्षति भी नहीं मिली है. दूसरे आदमी ने अपने घर में शरण दिया पर उनका घर भी छोटा था तो अंत में वहां से बांध पर आकर पल्ली डाल कर रह रहे है। धूल और धूप से बच्चे बीमार हो रहे है। बाढ़ के समय ससुर बीमार थे . दवा का उचित प्रबंध नहीं होने से उनकी मौत हो गई। सासू अंधी हो गई है. तीन बच्चे है. इन सभी के इलाज में एक लाख का कर्ज हो गया. इधर उधर मजदूरी करके घर चला रहे है. जब किसी को अपना घर बुहारते देखते है तो मन में टीस उठती है कि मेरा घर भी होता तो मै भी बुहारती। मेरे जिंदगी की एक ही तमन्ना है कि पुनर्वास मिले जहां मेरा अपना झोपडी भी बना लूं । मजदूरी करके अपना गुजर कर लेंगे। संतोष मुखिया और आलोक राय ने नाव की अनुपलब्धता, बाढ़ में हुई पीड़ा और पुनर्वास में दबंगों के अवैध कब्जे की बात कहते हुए कहा कि इसके अभाव में हम लोगों के गांव आज यहां है, दूसरे साल कहीं और जाकर बसना पड़ता है। चन्द्रबीर नारायण यादव ने दरभंगा जिले के भूभौल के पीड़ितों को टूटे घरों को क्षति नहीं मिलने सहित अन्य वहां के नदी के सवाल को उठाया । कोशी महा सेतु के प्रभाव पर एडवोकेट अजीत मिश्रा ने बात रखी।

दयारानी देवी ने बाढ़ में कहा कि मेरे घर का बच्चा जब चौकी पर पानी आ गया तो छप्पर पर रखा. उसके लिए कुछ लाने गई, तब तक बच्चा गिरकर पानी में बहने लगा। यह देखकर चिल्लाई और पानी में भाग कर बचाई. दो घंटे बाद उसका होस आया. कुछ नहीं मिला है. यदि पुनर्वास मिल जाता तो यह भोगना नहीं पड़ता। राजेन्द्र यादव ने नाव डूबने की खबर आने के बाद पानी में घर वाले जीवित है कि नहीं ,यह जानकारी नहीं मिलने पर ही पीड़ा का वर्णन करते हुए फफक उठे और बोले कि दो दिन बाद उनके जीवित होने की जानकारी दी।

फूल कुमारी, अरणी देवी, बादामी देवी, प्रियंका, रेखना देवी, प्रदीप राम, सदरुल, अरविंद मेहता, बिजेंद्र सदा, शिव शंकर मंडल, चंद्र मोहन, भागवत पंडित इत्यादि ने अपने दुःख भरी दास्तान सुनाई ।

जनसुनवाई में पटना विश्वविद्यालय की भूगोल प्रो देबरानी, सामाजिक कार्यकर्ता कुणाल किशोर, इंदिरा रमण उपाध्याय, डॉ रिंकी, किरणदेव, जवाहर निराला, गांधीवादी रमन, अमर, सदानंद, इत्यादि ने पीड़ित लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त किया। बाढ़ पीड़ितों की स्थिति के अध्ययन की जानकारी शोधार्थी आरिफ ने रखी।

जनसुनवाई को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पटना उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश जस्टिस अरुण कुमार ने कहा कोशी पीड़ितों की बातों से स्पष्ट हो रहा है कि इनके लिए आपदा और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गैप है जिसे दूर करना चाहिए।

थिएटर : दशा, दिशा एवं संभावना

डॉ घनश्याम बादल

विश्व थिएटर दिवस

एक समय था जब थिएटर न केवल मनोरंजन का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम ही नहीं अब समाज का दर्पण भी था और विभिन्न नाटकों के माध्यम से समसामयिक मुद्दों को प्रस्तुत करता था मगर आज विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं फिल्म जगत तथा सोशल मीडिया के बढ़ते वर्चस्व और बदलते समय के साथ थिएटर भारी चुनौती का सामना कर रहा है, वहीं इसमें नए प्रयोग एवं सुधार भी हो रहे हैं। परिवर्तन समय चक्र की विशेषता है. समय के बदलाव के साथ-साथ थिएटर की भी हालत एवं हालात दोनों में परिवर्तन हुए हैं। आज के डिजिटल युग में पारंपरिक थिएटर अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है । सिनेमा, वेब सीरीज़ और डिजिटल कंटेंट लोगों को अधिक लुभा रहे हैं इससे रंगमंच के दर्शकों की संख्या में भारी गिरावट आई है।

आर्थिक कठिनाइयाँ घटते हुए दर्शन मंचन की बढ़ती हुई कीमतें कलाकारों के लिए रोजी-रोटी का संकट, सरकारी अनुदान की कमी, प्रायोजकों की उदासीनता और टिकट बिक्री में गिरावट के कारण आज अधिकांश थिएटर ग्रुप आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

आज का युग भागमभाग का युग है । छोटे परिवार और बढ़ते खर्च निरंतर काम करने को विवश कर रहे हैं यदि मनोरंजन भी करना है तो घर पर ही टीवी चैनल डिजिटल प्लेटफॉर्म आदि उपलब्ध हैं ऐसे में थिएटर के प्रति रुचि कम हो रही है और इस कला को जिंदा रखने में कठिनाइयाँ हो रही हैं।

नई तकनीक का प्रभाव – डिजिटल माध्यमों यू ट्यूब , ओ टी टी जैसे प्लेटफॉर्म, वर्चुअल थिएटर आदि के कारण भी नाट्यकला को नई प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। अस्तु कहा जा सकता है कि अब धीरे-धीरे मंच यह नाटकों के दिन खत्म से होते दिख रहे हैं तो इसमें नई तकनीक का भी भारी रोल है।

इसमें दो राय नहीं की वही कल जिंदा रही है जिसने अपने आप को समय के साथ अपडेट किया है. उदाहरण के लिए कठपुतली का प्रदर्शन सामने है आज जो बहुत कम ही देखने को मिलता है. यदि थिएटर को अपना अस्तित्व बनाए रखना है तो ऑनलाइन थिएटर, वर्चुअल परफॉर्मेंस और हाइब्रिड मंचन के माध्यम से भी प्रयोग एवं प्रयास करने होंगे।

युवा पीढ़ी किसी भी कला को नया जीवन दे सकती है अतः थिएटर को स्कूल-कॉलेजों में प्रोत्साहित करके युवा पीढ़ी को इससे जोड़ा जाना जरुरी है। अच्छा हो कि विद्यालय स्तर से ही एक विषय के रूप में भी नाटक या थिएटर को पाठ्यक्रम में जगह दी जाए जिससे किशोरावस्था से ही बच्चे कलाकार के रूप में आगे बढ़ें । साथ ही साथ उनके लिए थिएटर में ऐसे प्रबंध भी करने होंगे जिससे उनके आगे रोजगार का संकट न रहे।

यदि थिएटर को प्रभावी और प्रासंगिक बनाना है तो इसे समसामयिक सामाजिक मुद्दों से जोड़ना होगा और क्षेत्रीय भाषाओं में नाटक प्रस्तुतीकरण पर बल देकर स्थानीय थिएटर संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सकता है।

थिएटर अपने आप में एक लोक कला है, इसमें दो राय नहीं और लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन की जिम्मेदारी शासन प्रशासन के साथ-साथ समाज पर भी जाती है, इसलिए थिएटर ग्रुप्स को सरकारी अनुदान, कॉर्पोरेट स्पॉन्सरशिप और फंडिंग के माध्यम से सहायता आज की ज़रूरत ही नहीं बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी बनती है। जहां सरकार एवं समाज की जिम्मेदारी है ,वहीं स्वयं नाटक से जुड़े हुए लेखक को कलाकारों निर्देशकों एवं आयोजकों को भी इस दिशा में आगे कदम बढ़ाना होगा। गाँवों और छोटे शहरों में थिएटर को पुनर्जीवित करने के लिए स्थानीय प्रतिभाओं के लिए अवसर पैदा करने होंगे। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर थिएटर फेस्टिवल्स और वर्कशॉप आयोजित कर थिएटर कलाकारों को प्रोत्साहन देना होगा। परंपरागत शैली के साथ-साथ प्रयोगधर्मी नाटकों को मंच देना नए विचारों, विषयों और प्रयोगात्मक नाटकों को भी बढ़ावा भी ज़रूरी है।

आज थिएटर की स्थिति चुनौतीपूर्ण तो है लेकिन सही दिशा में प्रयास करने पर इसका भविष्य उज्ज्वल हो सकता है।

असंतुष्ट हैं हम

डॉ टी महादेव राय

असंतुष्टों को हम रुठने या खफा होने वाला भी कह सकते है। आपने उनके सहयोग के बदले, उससे अधिक कुछ नहीं किया, या अपने पिछलग्गूह का आपने कुछ खास काम नहीं करवाया या फिर आपने अपने चम्मकचों को नजरअंदाज किया अथवा उसके क्रियाकलापों की समीक्षा कर अपने आपको पाक साफ साबित करने की कोशिशों में उसे नाराज कर गये- असंतुष्टक बस इसी न माने जाने वाली प्रक्रिया के तहत पैदा हो जाते हैं और इस बात को बेहतर महसूस कर सकते हैं कि दिन भर में आप ज्या दातर अस्वीतकार की मुद्रा में ही रहते हैं, ऐसे में असंतुष्टों की संख्याव बढ़ेगी कि नहीं---- बोलिये। यह तो एक आम आदमी की बात हुई। जैसे-जैसे आप खास से खासम-खास होते चले जायेंगे, असंतुष्ट निर्माता यंत्र के रुप में आपकी चर्चा जोरों पर होगी। कहने का अर्थ यही कि आप सभी को संतुष्टह नहीं कर पायेंगे और कहीं न कहीं कोई असंतुष्ट पड़ा रह ही जाएगा। आपने यह कहानी तो सुनी होगी कि एक बाप अपने बेटे के साथ अपने गधे को बेचने बाजार चला। तीनों पैदल चल रहे थे। किसी ने कहा- बेटे को गधे की सवारी कर लेनी चाहिए। बेटे को बाप ने गधे पर बिठाया। कुछ दूर जाने पर किसी ने कहा – बूढ़े बाप को गधे पर बैठना चाहिए, लड़के को नहीं। ऐसा ही किया गया। फिर कुछ दूर जाने पर लोगों ने दोनों को सवारी करने की सलाह दी। उन्होंऐने इसे मानकर सवारी की। कुछ दूर जाने पर गधा प्रेमी लोगों ने सलाह दी कि इस मरियल गधे पर मत लदो। तुम दोनों मिलकर इसे ढोओ----बस फिर क्याी था। बाप-बेटे लकड़ी के सहारे गधे को ढोने लगे। अपनी असहज स्थिूति के कारण गधा पुल से नीचे पानी में गिरकर मर गया। कितनों को संतुष्टू करने की कोशिश की गयी – कोई संतुष्टे नहीं हो सका और गधे से भी उन्हेंग हाथ धोना पड़ा।

अब आजकल कहानी कुछ बदलाव के साथ दोहरायी जा रही है। मुख्यक पार्टी बाप है तो बेटा समर्थक और गधा---- कहना होगा कि आम जनता है। फर्क पुरानी और नयी कहानी में सिर्फ इतना है कि गधा बेचारा वहीं रहा, लेकिन बाप और बेटे बदलते रहे। सभी सफेद पोश राजा बाप था तो रामभक्तै हनुमान उनके बेटे बने। कभी उन्हीं असंतुष्ट गुणी लोग बाप हैं तो बेचारे भूतपूर्व शक्तितमान उनके बेटे। दोनों स्थि तियों में गधा पिसा जा रहा है। गधे पर बाप और बेटे दोनों के चढ़ने का समय चल रहा है। बेचारा गधा अपना रोना रो रहा है।

इन सब बाप बेटों के बदलने, गधे के पिसने और रोने के पीछे व्यटक्तिी की संतुष्टिप ही तो है। इसका, उससे, उसका इससे मिलना भले ही आपको मूल्योंज और सिद्धांतों के प्रति गलत लगता हो पर असंतुष्टिइ की पहली शर्त है जिसे किसी से मिलकर अपनी संतुष्टि् पायी जा सकती है, उससे मिलने में किसी तरह की नैतिक और मूल्येवादी बातों का प्रश्नर ही नहीं उठता। तो इस तरह यह कहा जाग कि आज कि राजनीति की पृथ्वी को यही असंतुष्टि रुपी शेष नाग सम्हातले हुए है, तो गलत न होगा। आप यह मत पूछिये कि गधा---आइ मीन आम आदमी के असंतुष्टो या संतुष्ट, होने का क्या होगा? जिसे बेचा जाना है, उससे उसकी मर्जी नहीं पूछी जाती। बस गधा रहे अपने में--- हमें उससे क्या लेना देना---। लेकिन असंतुष्टि की यही स्थिषति रही तो कहानी के गधे का पुल में गिरकर मर जाना शायद नहीं होगा क्यों कि गधे को जहां बुद्धि के मामले में गधा या उल्लूम कहा जा सकता है, वहीं उसकी जोरदार दुलत्ती को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता और आज का शक्तिंमान इक्कीकसवीं सदी का गधा जब भी पूरी रह असंतुष्टि होगा, असंतुष्टों की सारी फौज भी शायद उसकी दुलत्तियों की मार से बच नहीं पायेगी।

30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 6 अप्रैल को समापन

इस बार 8 दिन ही क्यों होगी मां दुर्गा की पूजा

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को चैत्र नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 30 मार्च दिन रविवार को है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व है, इस दिन से हिंदू नववर्ष की शुरुआत भी मानी जाती है। चैत्र नवरात्रि पर इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग, लक्ष्मी नारायण योग, ऐंद्र योग समेत कई शुभ योग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। नवरात्रि के 9 दिनों में पूरे परिवार के साथ मां दुर्गा के 9 अलग अलग स्वरूपों का पूजन किया जाता है लेकिन इस बार यह स्थिति नहीं बन रही है। 30 मार्च से शुरू हो रहे चैत्र नवरात्रि में इस बार 9 नहीं बल्कि 8 दिन की पूजा की जाएगी। आइए जानते हैं इस बार चैत्र नवरात्रि में केवल 8 दिन की क्यों होगी मां दुर्गा की पूजा...

चैत्र नवरात्रि का महत्व

हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र नवरात्रि की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है और समापन नवमी तिथि को होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार चैत्र नवरात्रि 2025 में मां दुर्गा की पूजा 9 नहीं बल्कि 8 दिनों की ही होगी। यानी चैत्र नवरात्रि 30 मार्च से शुरू होंगे और 6 अप्रैल को समापन हो जाएगा। नवरात्रि के इन्ही 8 दिनों मां दुर्गा के 9 स्वरूपों का पूजन किया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र नवरात्रि का व्रत और मां दुर्गा की पूजा अर्चना करने से सभी रोग व कष्ट दूर होते हैं और जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। साथ मां दुर्गा के आशीर्वाद से सभी ग्रहों का शुभ फल प्राप्त होता है और सभी कार्य सिद्ध होते जाते हैं।

प्रतिपदा तिथि की शुरुआत : 29 मार्च, दोपहर 4 बजकर 27 मिनट से

प्रतिपदा तिथि का समापन : 30 मार्च, दोपहर 12 बजकर 49 मिनट तक

उदिया तिथि को मानते हुए इस बार 30 मार्च दिन रविवार से चैघटस्थापना का शुभ मुहूर्त 2025

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना किया जाता है और इसके बाद मां दुर्गा का पूजन किया जाता है। साल 2025 में चैत्र नवरात्रि के कलश स्थापना का मुहूर्त सुबह 6 बजकर 13 मिनट से सुबह 10 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। इस अवधि में आप कलश स्थापना कर सकते हैं।

8 दिन ही क्यों होगी मां दुर्गा की पूजा

चैत्र नवरात्रि में 9 दिन मां दुर्गा के 9 स्वरूपों का पूजन किया जाता है और इसकी शुरुआत 30 मार्च से होगी। 30 मार्च 2025 को मां दुर्गा के पहले स्वरूप शैलपुत्री का पूजन किया जाएगा और घटस्थापना भी किया जाएगा। लेकिन इस बार द्वितीया और तृतीया तिथि एक ही दिन यानी 31 मार्च को ही है, जिसकी वजह से तृतीया तिथि का क्षय हो गया है। इस वजह से चैत्र नवरात्रि 2025 में 8 दिन ही मां दुर्गा का पूजन किया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नवरात्रि की तिथियों का घटना और पितृ पक्ष की तिथियों का बढ़ना शुभ नहीं माना जाता है।

1- 30 मार्च दिन रविवार को प्रतिपदा तिथि – मां शैलपुत्री का पूजन

2- 31 मार्च दिन सोमवार को द्वितीया और तृतीया तिथि – मां ब्रह्मचारिणी और मां चंद्रघंटा का पूजन

3- 1 अप्रैल दिन मंगलवार को चतुर्थी तिथि – मां कूष्मांडा का पूजन

4- 2 अप्रैल दिन बुधवार को पंचमी तिथि – मां स्कंदमाता का पूजन

5- 3 अप्रैल दिन गुरुवार को षष्ठी तिथि – मां कात्यायनी का पूजन

6- 4 अप्रैल दिन शुक्रवार को सप्तमी तिथि – मां कालरात्रि का पूजन

7- 5 अप्रैल दिन शनिवार को अष्टमी तिथि – मां महागौरी का पूजन

8– 6 अप्रैल दिन रविवार को नवमी तिथि – मां सिद्धिदात्री का पूजन

मां के गर्भ में रहे समय के उपकार का कर्ज उतारने का समय है नवरात्रि !

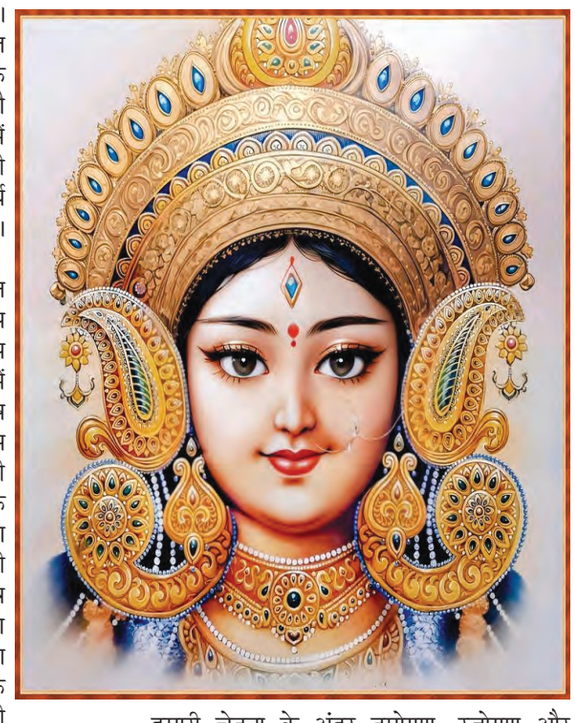

नवरात्रि हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है। सभी सनातन धर्म प्रेमी इसे बहुत धूमधाम से मनाते हैं। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है नौ रातें। इन नौ रात यानी दस दिन में शक्ति यानि देवी की पूजा की जाती है। इस साल चैत्र नवरात्रि 30 मार्च दिन रविवार से शुरू हो रही है। जिसका समापन 6 अप्रैल को होगा।

गुप्त साधना के लिये उपयुक्त : इन नौ दिन देवी के अलग-अलग स्वरुप की पूजा की जाती है। ये नौ रुप अलग-अलग सिद्धियां देते हैं। इसमें माता के महागौरी लेकर से कालरात्रि जैसे नौ रुप हैं। ये नौ रुप माता के दस महाविद्या वाले रुपों से अलग हैं। देवी महापुराण में उन दस महाविद्याओं के बारे में बताया गया है।इस बार द्वितीया और तृतीया तिथि एक ही दिन यानी 31 मार्च को पड़ रही है। ज्योतिष शास्त्र में नवरात्र की तिथियों का घटना शुभ नहीं माना जाता है।अलग अलग इच्छाओं और मान्यताओं के लिये माता के अलग अलग स्वरुप की उनके दिन विशेष में पूजा करने से लाभ होता है। संतान प्राप्ति, कर्ज मुक्ति एवं तंत्र साधना के लिये नवरात्री का पर्व बहुत महत्व रखता है।गुप्त साधना, योगिनी, डाकिनी, पिशाचिनी को लोग प्रसन्न करते हैं।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी।
तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति। चतुर्थकम।।
पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।
सप्तमं कालरात्रीति ।महागौरीति चाष्टमम।।
नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।
उक्तान्येतानि नामानि ब्रह्मणैव महात्मनाः।।

अर्थ – पहली माता शैलपुत्री, दूसरी माता ब्रह्मचारिणी, तीसरी माता चंद्रघंटा, चौथी माथा कूष्मांडा, पांचवी स्कंध माता, छठी माता कात्यायिनी, सातवीं कालरात्रि, आठवीं महागौरी और नौवीं सिद्धिदात्री। ये मां दुर्गा के नौ रुप हैं। नवरात्रि के दौरान माता के इन स्वरुपों की पूजा होती है।

इंसान की प्रकृति के आधार पर मां की पूजा : हमारी चेतना के अंदर तमोगुण, रजोगुण और सतोगुण – तीनों प्रकार के गुण व्याप्त हैं। प्रकृति के साथ इसी चेतना के उत्सव को नवरात्रि कहते हैं। इन 9 दिनों में पहले तीन दिन तमोगुणी प्रकृति की आराधना करते हैं, अगले तीन दिन रजोगुणी और अंतिम तीन दिन सतोगुणी प्रकृति की आराधना का महत्व है।

मां की आराधना : दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती, इन तीन रूपों में मां की आराधना करते हैं।

"या देवी सर्वभुतेषु चेतनेत्यभिधीयते" – "सभी जीव जंतुओं में चेतना के रूप में ही मां / देवी तुम स्थित हो"

नवरात्रि मां के विभिन्न रूपों को निहारने और उत्सव मनाने का त्यौहार है। जैसे कोई शिशु अपनी मां के गर्भ में 9 महीने रहता है, वैसे ही हमारा स्वयं में, परा प्रकृति में रहकर – ध्यान में मग्न होने का इन 9 दिनों का महत्व है। वहां से फिर बाहर निकलते हैं, तो सृजनात्मकता का प्रस्फुरण जीवन में होने लगता है।

शनि की चाल बदलेगी राशियों की चाल, 29 मार्च को कुंभ से मीन में प्रवेश

29 मार्च को शनि देव कुंभ राशि से मीन राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिष शास्त्र में यह घटना महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसी दिन सूर्य ग्रहण भी होगा। शनि का राशि परिवर्तन जीवन में बड़े बदलाव लाने वाला माना जाता है, और इस बार यह गोचर सूर्य ग्रहण के साथ हो रहा है, जिससे इसका प्रभाव और गहरा होगा। धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण ने बताया कि शनि को न्याय का देवता माना जाता है और उनका गोचर सभी राशियों को प्रभावित करता है। शनि देव लगभग ढाई साल तक एक राशि में रहते हैं और फिर अगली राशि में प्रवेश करते हैं। इस बार वे कुंभ से मीन राशि में प्रवेश करेंगे।

धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि का राशि परिवर्तन व्यक्तिगत और वैश्विक स्तर पर प्रभाव डालता है। इस गोचर के साथ ही मकर राशि पर साढ़े साती समाप्त होगी और मेष राशि पर शुरू होगी। मीन राशि के जातकों के लिए यह साढ़े साती का दूसरा चरण होगा, जबकि कुंभ राशि पर इसका अंतिम चरण प्रभावी रहेगा।

वैश्विक और व्यक्तिगत जीवन पर पड़ेगा गहरा प्रभाव

शनि देव के कुंभ से मीन राशि में प्रवेश करने के दौरान सूर्य, राहु, शुक्र, बुध और चंद्रमा भी मीन राशि में स्थित होंगे। ग्रहों की यह विशेष स्थिति इस गोचर को और अधिक महत्वपूर्ण बना देती है। धर्म विशेषज्ञ चंद्रप्रकाश ढांढण के अनुसार, जब शनि मकर, कुंभ या मीन राशि में प्रवेश करते हैं, तो प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक मंदी और राजनीतिक उथल-पुथल की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसलिए यह समय न केवल व्यक्तिगत जीवन बल्कि वैश्विक घटनाओं के लिहाज से भी महत्वपूर्ण हो सकता है। शनि के इस राशि परिवर्तन का प्रभाव सभी 12 राशियों पर अलग-अलग पड़ेगा।

आपकी राशि पर कैसा रहेगा असर

मेष राशि के जातकों को करियर में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जबकि वृषभ राशि के लिए यह गोचर लाभदायक रहेगा। मिथुन राशि के जातकों को धैर्य और संयम से काम लेना होगा, वहीं कर्क राशि वालों को पारिवारिक जीवन में कुछ परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। सिंह राशि के जातकों के लिए यह गोचर संघर्षपूर्ण रहेगा, क्योंकि शनि की ढैया शुरू होगी। कन्या राशि के लोगों को करियर में नई संभावनाएं मिल सकती हैं, जबकि तुला राशि के लिए यह समय आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण होगा। वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह समय सुख-शांति लेकर आएगा, वहीं धनु राशि के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सावधानी बरतनी होगी। मकर और कुंभ राशि वालों को अपने कार्यक्षेत्र में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, जबकि मीन राशि के लिए यह समय मिला-जुला रहेगा।

57 साल बाद मीन राशि में षडग्रही योग का दुर्लभ संयोग

चैत्र नवरात्रि से इन 6 राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

शनि देव कुंभ राशि से निकलकर 29 मार्च को मीन राशि में गोचर करने वाले हैं और इसी दिन साल 2025 का पहला सूर्य ग्रहण भी है। साथ ही 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत भी हो रही है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, 57 साल बाद 29 मार्च को ग्रहों की बेहद अनुकूल स्थिति बन रही है, इससे पहले अप्रैल 1968 में ऐसी स्थिति बनी थी। इस दिन मीन राशि में 6 ग्रह मौजूद होंगे, जो ग्रहों की स्थितियों के हिसाब से बेहद दुर्लभ माना जाता है। दरअसल मीन राशि में पहले से सूर्य, बुध, शुक्र, राहु, चंद्रमा मौजूद हैं और 29 मार्च को शनि भी इसी राशि में प्रवेश कर जाएंगे, जिससे षडग्रही योग, लक्ष्मी नारायण योग, बुधादित्य योग समेत कई शुभ योग का दुर्लभ संयोग बनेगा, जो 6 राशियों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। इसका लाभ चैत्र नवरात्रि के पहले से ही मिलना शुरू हो जाएगा। आइए जानते हैं मीन राशि बन रहा षडग्रही योग का संयोग किन किन राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है।

षडग्रही योग का मेष राशि पर प्रभाव

मीन राशि में बन रहा षडग्रही योग मेष राशि वालों के लिए कल्याणकारी होने वाला है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही आपको लाभ के कई शुभ अवसर की प्राप्ति होगी और भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। सिंगल जातकों के जीवन में कोई ऐसा व्यक्ति आ सकता है, जो उनको समझता हो और उनकी भावनाओं का सम्मान भी करता हो। आर्थिक स्थिति से मजबूत होंगे और अच्छी जगह पर निवेश करने के मौके भी मिलेंगे।

वृषभ राशि पर प्रभाव

षडग्रही योग के दुर्लभ संयोग से वृषभ राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप अपने सभी लक्ष्यों को पूरा कर पाएंगे और आरामदायक जीवन भी व्यतीत करेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मजबूत होते जाएंगे और दोनों के बीच आपसी समझ भी मजबूत होगी। अगर आप खुद का बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो चैत्र नवरात्रि में आप यह मुमकिन कर सकते हैं, माता की कृपा से आपको अच्छा लाभ होगा।

सिंह राशि पर प्रभाव

मीन राशि में 6 ग्रहों की युति से सिंह राशि वालों के सभी कार्य सिद्ध होंगे और आपकी आमदनी में इजाफा भी होगा। अगर आपका धन कहीं अटका हुआ है तो इस अवधि में प्राप्त हो जाएगा। सूर्य ग्रहण के खत्म होने के बाद से ही भाग्य का साथ मिलने शुरू हो जाएगा और चैत्र नवरात्रि के सुबह से ही शुभ अवसर की प्राप्ति भी हो जाएगी। अगर आपका खुद का बिजनस है तो आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी।

कन्या राशि पर प्रभाव

षडग्रही योग के दुर्लभ संयोग से कन्या राशि वालों को सभी तरह की सुख-सुविधाओं की प्राप्ति होगी और दांपत्य जीवन में आनंद की प्राप्ति होगी। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा और मकान व वाहन खरीदने की इच्छा आपकी पूरी होगी। नौकरी करने वाले जातकों की मेहनत रंग लाएगी और अधिकारियों व साथ काम करने वालों के साथ संबंध मजबूत भी होंगे। धन की बचत करने में आपको सफलता मिलेगी और आपका बैंक बैलेंस भी बढ़ेगा।

तुला राशि पर प्रभाव

मीन राशि में बन रही 6 ग्रहों की युति से तुला राशि वालों का बैंक बैलेंस बढ़ेगा और धन व संपदा में बढ़ोतरी होगी। जीवन के हर क्षेत्र में आपको सफलता मिलेगी और आपको अटके हुए सभी अधूरे कार्य चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से शुरू हो जाएंगे। ग्रहों की युति के शुभ प्रभाव से आपकी सेहत अच्छी रहेगी, जिससे आप पूरी तरह फिट रहेंगे और आपकी इम्युनिटी सिस्टम भी मजबूत रहेगी। परिवार में सुख-शांति रहने से मन प्रसन्न रहेगा और समाज में आपका सम्मान भी बढ़ेगा।

मकर राशि पर प्रभाव

मीन राशि में बन रही ग्रहों के दुर्लभ संयोग से मकर राशि वालों में अध्यात्म के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा और धर्म कर्म के कार्यों में मन लगेगा।

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही आपको शुभ समाचार मिलने शुरू हो जाएगा और धन से संबंधित सभी समस्याएं दूर भी होंगे। इस अवधि में घर में कोई शुभ कार्य हो सकता है या फिर किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी व कारोबार करने वालों को कार्यों में संतुष्टि मिलेगी और आपका परचम लहराएगा।

विनम्रता और शिष्टाचार से निखरता है जीवन

सूर्य से लेकर अपने हाथों तक को करते हैं नमन

शिष्टाचार और विनम्रता से हमारा व्यक्तित्व श्रेष्ठ बनता है। आप अपनी श्रेष्ठताओं को तभी उजागर कर पाएंगे, जब आप में अभिवादन, शिष्टाचार, प्रणाम की भावना, विनम्रता के साथ झुकना और दूसरों को आदर देना आ गया है। ये छोटी-छोटी बातें हमारे भीतर की श्रेष्ठताओं को जागृत करती हैं। हमारी संस्कृति प्रणाम की संस्कृति है, हम प्रायः सभी को प्रणाम करते हैं। हम सुबह उठकर धरती को प्रणाम करते हैं, दिशाओं को, वृक्षों को, सूर्य और चंद्र को और अपने हाथों को प्रणाम करना हम कभी नहीं भूलते। हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए।

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए किन गुणों की वजह से हम आगे बढ़ते हैं?

बच्चों में देखना है गजब के बदलाव तो हर दिन आशीर्वाद में कहें 5 बातें

माता-पिता का आशीर्वाद एक ऐसी दिव्य शक्ति है, जो बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है। यह न सिर्फ उनके भविष्य को संवारने में मदद करता है, बल्कि उन्हें कठिनाइयों से जूझने की शक्ति भी देता है। बच्चों को हर दिन आशीर्वाद देना, उन्हें मानसिक शांति और आत्मिक बल प्रदान करता है।

आयुष्मान भव का आशीर्वाद

आयुष्मान भव का आशीर्वाद बच्चों को दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन की कामना करता है। जब बच्चों को यह आशीर्वाद मिलता है, तो वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। यह आशीर्वाद उन्हें जीवन की कठिनाइयों का सामना करने और अच्छे निर्णय लेने के लिए प्रेरित करता है। इस आशीर्वाद से बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे वे अपने जीवन में हर चुनौती का डटकर मुकाबला करते हैं। इसके अलावा, बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है, जो उनके जीवन में सफलता की कुंजी बनता है।

यशस्वी भव का आशीर्वाद

यह आशीर्वाद बच्चों को जीवन में सफलता, सम्मान और नाम पाने की दिशा में मार्गदर्शन देता है। जब माता-पिता अपने बच्चों को यशस्वी भव का आशीर्वाद देते हैं, तो यह उन्हें अपने कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। बच्चे इस आशीर्वाद से आत्मविश्वास और मेहनत के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते हैं। इस आशीर्वाद का प्रभाव बच्चों को जीवन में सफलता के हर कदम पर प्रेरित करता है और उन्हें चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

कीर्तिमान भव का आशीर्वाद

कीर्तिमान भव का आशीर्वाद बच्चों को समाज में प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। यह आशीर्वाद बच्चों को अपने कार्यों में उच्च मानक स्थापित करने की प्रेरणा देता है। रोजाना इस आशीर्वाद से बच्चों का मनोबल बढ़ता है, और वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए जुट जाते हैं। यह उन्हें यह सिखाता है कि उन्हें अपने प्रयासों में निरंतरता और उत्कृष्टता बनाए रखनी चाहिए, ताकि वे समाज में एक सकारात्मक पहचान बना सकें।

बुद्धिमान भव का आशीर्वाद

बुद्धिमान भव का आशीर्वाद बच्चों को मानसिक स्पष्टता, समझदारी और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यह आशीर्वाद बच्चों को जीवन की विभिन्न समस्याओं का हल सोच-समझकर निकालने की प्रेरणा देता है। इसके प्रभाव से बच्चे न सिर्फ शैक्षिक दृष्टिकोण से, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। इस आशीर्वाद से बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है और वे अपने लक्ष्यों की ओर सफलता की दिशा में बढ़ते रहते हैं।

निरोगी भव का आशीर्वाद

निरोगी भव का आशीर्वाद बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की कामना करता है। यह आशीर्वाद बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करता है, जिससे वे हर दिन अपने कार्यों में सक्रिय रहते हैं। निरोगी भव का आशीर्वाद उन्हें बेहतर जीवन जीने के लिए उत्साहित करता है, और यह बच्चों के आत्मविश्वास को भी मजबूत करता है। जब बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होते हैं, तो वे अपनी शिक्षा और अन्य गतिविधियों में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सकते हैं।

अपने बर्थडे पर ठग सुकेश ने जैकलीन को लिखा लेटर

एक्ट्रेस की तरफ से खुद के लिए खरीदी बुगाटी-पगानी, बोला- तुम्हारी विश पूरी की

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने अपने जन्मदिन के मौके पर एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस को लेटर लिखा है। सुकेश ने जैकलीन के नाम तीन पन्ने की चिट्ठी लिखी है। लेटर में वो जैकलीन को माई बेबी बू कह कर संबोधित करता है।

अपने लेटर में वो लिखता है- 'मैं तुम्हें बहुत मिस कर रहा हूं। तुम्हारे बिना मेरा एक और जन्मदिन। बेबी मैं तुम्हारा गले लगाना और बर्थ डे विश करना मिस कर रहा हूं। मेरी बेबी गर्ल तुम मेरी ताकत हो और ये बात तुम जानती हो। बेबी तुमने मुझे लाइफ के हर फेज में हमेशा स्पेशल फील कराया है। जब हम साथ रहे हैं, यहां तक कि सबसे बुरे दौर में भी।'

तीन पन्ने के इस लेटर में सुकेश कई पुरानी बातों को भी याद करता दिखा। साल 2021 के अपने जन्मदिन को याद करके वो लिखता है- 'तुम्हारे साथ 25 मार्च 2021 का मेरा जन्मदिन मेरे जीवन का बेस्ट बर्थडे था। बेबी गर्ल मुझे बहुत खास महसूस कराने के लिए तुम्हारा शुक्रिया। जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, मैं इस धरती का सबसे लकी इंसान हूं कि मेरे जीवन में एक सुपर वुमन जैकलीन फर्नांडिस है।

बेबी क्या तुम्हें याद है, मेरे बर्थडे पर तुम मुझे मेरा पसंदीदा कार गिफ्ट करना चाहती थी। जो कि हो नहीं पाया। लेकिन माई लव आज मैं तुम्हारी उस पेडिंग विश को पूरा कर रहा हूं। आज अपने जन्मदिन के मौके पर तुम्हारी तरफ से मैं खुद को बुगाटी और पगानी गिफ्ट कर रहा हूं। ये तुम्हारी फेवरेट कलर में है और मैं इन्हें हमारे दुबई वाले घर के लिविंग रूम में आर्ट के तौर पर डिस्प्ले कर रहा हूं।'

बता दें कि वैलेंटाइन के मौके पर सुकेश ने जैकलीन को प्राइवेट जेट गिफ्ट किया था। एक लेटर के जरिए सुकेश ने क्लेम किया था कि प्राइवेट जेट का नाम जैकलीन के नाम के शुरुआती अक्षरों (जेएफ) पर रखा गया है। साथ ही उसका रजिस्ट्रेशन नंबर जैकलीन के बर्थ मंथ से लिया गया है। यह पूरी तरह कस्टमाइज प्राइवेट जेट है।

सुकेश कई मौकों पर जैकलीन को लेटर लिख चुका है। वह दावा करता है कि जैकलीन उसके साथ रिलेशनशिप में थीं और दोनों शादी की भी तैयारी में थे। जब जांच एजेंसियों ने सुकेश पर शिकंजा कसा तो जैकलीन भी रडार में आई थीं। उन्होंने सुकेश पर धोखा देने और झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

जांच में सामने आया कि सुकेश ने खुद को बिजनेसमैन बताते हुए जैकलीन से रिश्ता रखा था। उस समय वह उन्हें कई महंगे तोहफे भी देता था। वहीं, जैकलीन ने पुलिस को दिए बयान में कहा था कि वे नहीं जानती थीं कि सुकेश एक ठग है।

जैकलीन को इन लेटर्स से आपत्ति सुकेश चंद्रशेखर ने कई मौकों पर जैकलीन को जेल से लव लेटर लिखा है। जैकलीन के वकील ने इन लेटर्स पर रोक लगाए जाने की भी मांग की थी, क्योंकि इससे उनकी छवि पर बुरा असर पड़ रहा है।

एक खिलाड़ी, एक हसीना, उसका पति और इण्डिया वरसेस पाक मैच, ओटीटी पर आ रही नयनतारा, माधवन और सिद्धार्थ की मूवी

क्या होता है, जब तीन दमदार एक्टर्स एकसाथ पर्दे पर आते हैं? ओटीटी पर एक नई फिल्म आ रही है 'टेस्ट', जिसका ट्रेलर देख आपको इस सवाल का जवाब मिल जाएगा। नयनतारा, आर माधवन और सिद्धार्थ की ये फिल्म महत्वाकांक्षा, प्यार, कर्तव्य और खुद के वजूद के संघर्ष की ऐसी बानगी है, जो 2 मिनट 50 सेकेंड के ट्रेलर में आपको जिंदगी के कई रूप दिखा देती है।

ट्रेलर की शुरुआत तीनों लीड एक्टर्स से होती है। नयनतारा और सिद्धार्थ मिलते हैं। सिद्धार्थ क्रिकेटर हैं। नयनतारा टीचर है और आर माधवन उनके वैज्ञानिक पति जो एक कैंटीन चलाते हैं।

नयनतारा अपने पति से सिद्धार्थ को मिलवाती है। जब सिद्धार्थ को पता चलता है कि माधवन एक कैंटीन चलाते हैं, तो वह एक फीकी कटाक्ष वाली हंसी हंसते हैं। इन चंद सेकेंड्स में भी यह समझ आ जाता है कि यह ट्रेलर दमदार होने वाला है।

अगले कुछ मिनटों में कहानी कुछ इस तरह करवट लेती है कि एक क्रिकेटर, एक वैज्ञानिक और एक टीचर की जिंदगी दिलचस्प तरीके से आपस में जुड़ जाती है। नायक और खलनायक के बीच की रेखा मिटने लगती है। एक तरफ खेल का जुनून नजर आता है, तो दूसरी ओर आम लोगों की जिंदगी बदलने के लिए हजारों करोड़ का दांव। इस बीच एक पत्नी का अपना संघर्ष है, जो मां बनना चाहती है और इसके लिए हर तरह के जतन कर रही है।

एस शशिकांत के डायरेक्शन में बनी 'टेस्ट' में काली वेंकट, नासर और विनय वर्मा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कहानी में क्रिकेट का मैदान है, वहां भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाने वाला है। मैच फिक्सगि की कोशशि है। लेकिन इन सब के बीच कुछ सबसे मुश्कलि फैसले हैं। बलिदान है।

ओटीटी पर कब और कहां रिलीज होगी 'टेस्ट'

नयनतारा, आर माधवन और सिद्धार्थ की यह फिल्म 'टेस्ट' सीधे ओटीटी पर रिलीज हो रही है। इसे 4 अप्रैल 2025 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। 'नेटफ्लिक्स इंडिया' ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा है, 'टेस्ट का ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। वो अपने सपनों के लिए कितनी दूर तक जाएंगे? केवल एक टेस्ट ही बताएगा। देखें, टेस्ट, जो 4 अप्रैल को तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी!

हंसल मेहता का कंगना रनौत पर पलटवार

कहा- जल्दी ठीक हो जाओ, एक्ट्रेस ने बोला था 'कड़वा' और 'बेवकूफ'

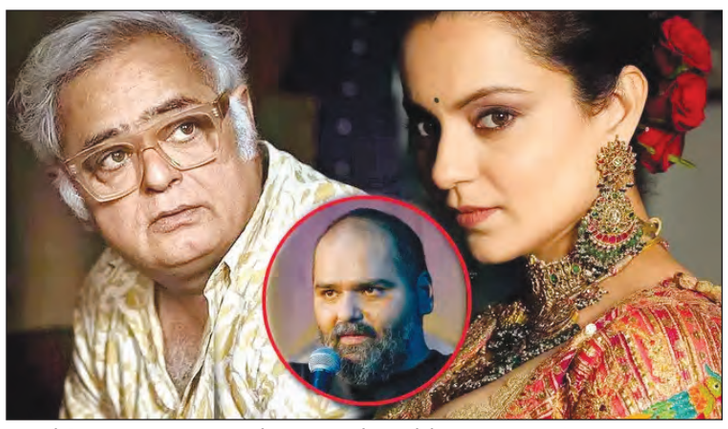

कॉमेडियन कुणाल कामरा के स्टैंड-अप एक्ट को लेकर विवाद हुआ। इस पर फिल्ममेकर हंसल मेहता और एक्ट्रेस कंगना रनौत सोशल मीडिया पर भिड़ गए। कुणाल ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में मजाक किया, जिसके बाद जहां उन्होंने परफॉर्म किया था, उस स्टूडियो में तोड़फोड़ की गई और बाद में बीएमसी ने उसे ध्वस्त कर दिया। इस घटना के बारे में मुखर रहे हंसल से एक्स (पहले ट्विटर) पर एक व्यक्ति ने सवाल किया कि जब कंगना का घर तोड़ा गया तो उन्होंने उनका समर्थन क्यों नहीं किया? इसके बाद हंसल और कंगना के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई।

'सिमरन' फिल्म बनाने वाले हंसल मेहता ने एक ट्वीट शेयर किया, जिसमें कॉमेडियन कुणाल कामरा को निशाना बनाते हुए उनका अपमान किया गया था। जब एक X यूजर ने हंसल से कंगना के घर में तोड़फोड़ पर उनकी चुप्पी के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, 'क्या उनके घर में तोड़फोड़ की गई थी? क्या गुंडे उनके परिसर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे बताएं। शायद मुझे फैक्ट नहीं पता।' इसके बाद 'सिमरन' फिल्म में काम कर चुकीं कंगना रानौट ने हंसल के ट्वीट को फिर से शेयर करते हुए लिखा कि कैसे उन्हें दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा और अपने घर को टूटते हुए देखना पड़ा। उन्होंने हंसल की आलोचना करते हुए उन्हें 'कड़वा और बेवकूफ' कहा। कंगना ने ट्वीट किया, 'उन्होंने मुझे 'ह*******र' जैसे नामों से पुकारा, मुझे धमकाया, देर रात मेरे चौकीदार को नोटिस दिया और अगली सुबह कोर्ट खुलने से पहले ही बुलडोजर से पूरा घर गिरा दिया। हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ को पूरी तरह से अवैध बताया। वे इस पर हंसे और मेरे दर्द और सार्वजनिक अपमान पर टोस्ट उठाया।'

हंसल की आलोचना करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'ऐसा लगता है कि आपकी इनसिक्योरिटी और सामान्यता ने न केवल आपको कड़वा और मूर्ख बना दिया है, बल्कि इसने आपको अंधा भी कर दिया है, यह कोई थर्ड क्लास सीरीज या क्रूर फिल्में नहीं हैं जो आप बनाते हैं, मेरे कष्टों से संबंधित मामलों में अपने बेवकूफी भरे झूठ और एजेंडे को बेचने की कोशिश न करें, इससे दूर रहें।' अब इस पर हंसल ने भी जवाब दिया है। उन्होंने लिखा, 'जल्दी ठीक हो जाओ।' साल 2020 में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कंगना के बांद्रा बंगले के कथित अवैध हिस्सों को ध्वस्त कर दिया था। यह उद्धव और शिवसेना के साथ उनकी जुबानी जंग के बाद हुआ था। बीते मंगलवार को हंसल ने कुणाल का समर्थन करते हुए बताया कि कैसे साल 2000 में आई उनकी फिल्म 'दिल पे मत ले यार' की रिलीज के बाद उन पर हमला किया गया और उन्हें माफी मांगने के लिए मजबूर किया गया।

मनोज भारतीराजा का 48 साल की उम्र में निधन

हार्ट अटैक के कारण हुई मौत, तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन समेत कई सेलेब्स ने शोक जताया

तमिल एक्टर और फेमस फिल्म डायरेक्टर भारतीराजा के बेटे और एक्टर-डायरेक्टर मनोज भारतीराजा का 48 साल की उम्र में निधन हो गया। एक्टर का निधन चेन्नई में मंगलवार शाम को कार्डियक अरेस्ट से हुआ।

मनोज भारतीराजा के निधन की जानकारी साउथ एक्टर्स एसोसिएशन नादिगर संगम ने सोशल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। जानकारी के मुताबिक, 'डायरेक्टर भारतीराजा के बेटे मनोज भारतीराजा का हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया। कुछ दिन पहले उनकी बाईपास सर्जरी भी हुई थी।'

एक्टर मनोज भारतीराजा के निधन पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत इंडस्ट्री के कई सेलेब्स ने भी शोक जताया है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा- मनोज भारतीराजा ने अपने पिता के निर्देशन में बनी फिल्म ताज महल से पहचान बनाई। इसके बाद उन्होंने समुथिरम, एली अर्जुन, वरुशामेलम वसंतम

जैसी फिल्मों में भी एक्टिंग की। इसके अलावा उन्होंने कई फिल्मों का डायरेक्शन भी किया। 'मैं भारतीराजा और उनके परिवार के सदस्यों और फिल्म इंडस्ट्री के उनके दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।'

तमिल मनीला कांग्रेस के अध्यक्ष जी.के. वासन और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने भी एक्टर के निधन पर शोक जताया है।

वहीं, एक्ट्रेस खुशबू सुंदर ने कहा, 'यह सुनकर शोक लगा कि मनोज अब हमारे बीच नहीं रहे। इतनी कम उम्र में उनका दुनिया से चले जाना दुखद है। भगवान उनके पिता थिरु भारतीराजा और उनके परिवार को शक्ति दे। मनोज, आपकी कमी खलेगी।'

एक्टर त्यागराजन ने भी मनोज के निधन पर शोक जताया। उन्होंने कहा, 'मैं मनोज को उनके बचपन से जानता था। मैंने उन्हें बहुत छोटी उम्र से देखा है। वह अपने पिता का बहुत सम्मान करते थे। मैं उनकी मृत्यु को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा हूं।'

मनोज भारतीराजा ने साल 1999 में बतौर एक्टर अपने पिता के निर्देशन में बनी तमिल फिल्म 'ताज महल' से शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'ईरा नीलम' और 'वरुशामेल्लम वसंतम' सहित कई फिल्मों में एक्टिंग की।

साल 2023 में मनोज ने रोमांटिक ड्रामा मार्गजी थिंगल से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया। उन्हें आखिरी बार साल 2024 में प्राइम वीडियो के 'स्नेक एंड लैडर्स' में देखा गया था।

भारत में 'संतोष' की रिलीज पर सीबीएफसी ने लगाई रोक

कट लगाने के लिए थमाई लिस्ट, ऑस्कर में यूके की तरफ से गई थी फिल्म

ब्रिटिश-इंडियन फिल्ममेकर संध्या सूरी की फिल्म 'संतोष', जो ऑस्कर अवॉर्ड में यूके की तरफ से भेजी गई थी और शॉर्टलिस्ट भी हुई थी। उसे भारत में रिलीज होना था। लेकिन सीबीएफसी ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी है। इस फिल्म को क्रिटिक्स से भर-भरकर तारीफ मिली थी। लेकिन बोर्ड को ये डर है कि इसमें महिलाओं के प्रति गलत भावना, इस्लामोफोबिया और इंडिया पुलिस फोर्स में हिंसा दिखाई गई है, जिसका असर समाज पर पड़ेगा।

'इंडिया टुडे' की रिपोर्ट ने सोर्स के हवाले से बताया है कि सीबीएफसी ने 'संतोष' को रिलीज करने से पहले उसमें कई कट लगाने को कहे हैं, जो पुलिस फोर्स और कई सामाजिक मुद्दों से संबंधित हैं। उत्तर भारत में बनाई गई इस फिल्म में एक ऐसी महिला की कहानी दिखाई गई है, जिसे उसके पति की मौत के बाद उसकी जगह पर पुलिस में नौकरी मिलती है। और फिर उस महिला को एक दलित लड़की की हत्या का केस सौंपा जाता है।

'संतोष' की रिलीज रोकने पर शहाना गोस्वामी

संध्या सूरी की ये फिल्म 'संतोष' जातिगत भेदभाव और यौन हिंसा जैसे मुद्दों को भी दिखाती है। इस मूवी की एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने 'इंडियन टुडे' को बताया, 'सेंसर ने फिल्म को रिलीज करने के लिए कुछ जरूरी बदलावों की एक लिस्ट दी है। और हमारी पूरी टीम उससे सहमत नहीं हैं क्योंकि वो फिल्म में ज्यादा बदलाव करना चाह रहे हैं और इसलिए ये शायद भारत के थिएटर्स में रिलीज नहीं होगी।'

शहाना गोस्वामी को 'संतोष' के लिए मिला था अवॉर्ड

शहाना गोस्वामी ने आगे कहा, 'ये बहुत दुख की बात है कि जिस फिल्म को सक्रिप्ट लेवल पर सेंसर की मंजूरी मिल गई, उसे भारत में रिलीज करने के लिए इतने सारे कट और बदलाव की जरूरत पड़ रही है।' बता दें कि इस फिल्म को सबसे पहले कैन्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर किया गया था और वहां इसकी खूब तारीफ हुई थी। इतना ही नहीं, बाफ्टा में ये बेस्ट डेब्यू फीचर के लिए नॉमिनेट हुई थी शहाना गोस्वामी को एशियन फिल्म अवॉर्ड्स में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब भी मिला था।

फिल्म की राइटर और डायरेक्टर संध्या सूरी ने सेंसर बोर्ड के फैसले को 'निराशाजनक' और 'दिल तोड़ने' वाला बताया है। उन्होंने कहा, 'ये हम सभी के लिए हैरानी वाला फैसला था क्योंकि मुझे नहीं लगा था कि फिल्म में दिखाए गए मुद्दे भारतीय सिनेमा के लिए नए हैं या दूसरी फिल्मों में पहले नहीं उठाए गए हैं।' उन्होंने कहा कि सेंसर बोर्ड ने जो कटौती के लिए लिस्ट दी है, उन्हें मानना असंभव होगा।

'मेरे लिए ये बहुत जरूरी था कि फिल्म भारत में रिलीज हो। मुझे नहीं लगता कि मेरी फिल्म में हिंसा का महिमामंडन किया गया है। इसमें सनसनीखेज कुछ भी नहीं। यह फिल्म देश का दूसरा चेहरा दिखाती है।

वरुण धवन को फिल्म 'जवानी है तो इश्क होना है' की शूटिंग के दौरान लगी चोट

फोटो दिखाकर पूछा- कब तक होगी ठीक

एक्टर वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' की शूटिंग ऋषिकेश में चल रही है। वह शूटिंग में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने पूजा हेगड़े के साथ एक रील भी शेयर की थी, जिसमें दोनों हाथ पकड़कर पानी में कूदते हैं। अब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर उन्होंने बताया कि उनकी उंगली में चोट लग गई है। उन्होंने फैंस से सवाल किया कि इसे ठीक होने में कितना समय लग सकता है। वरुण ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वो अपनी छोटी उंगली को बर्फ के कटोरे में रखे हुए नजर आए। उन्होंने लिखा, 'उंगली को ठीक होने में कितना समय लगता है।' हालांकि, उन्होंने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि उन्हें चोट कैसे लगी। इससे पहले एक पोस्ट में वरुण धवनने 'बॉर्डर 2' की शूटिंग के दौरान लगी चोट की भी जानकारी दी थी। उन्होंने फैंस को उंगली में लगी चोट दिखाई थी।

घायल उंगली की एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'यह एक गहरा जख्म है।' तस्वीर में उनकी उंगली पर कट के निशान हैं। हालांकि, इससे पहले एक और चोट का जिक्र उन्होंने किया था। इंस्टाग्राम पर अपने हाथ और बाइसेप्स का क्लोज-अप पोस्ट किया था, जिसमें हल्की खरोंच और चोट के निशान दिखाई दिए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण धवन जल्द ही 'बॉर्डर 2' में दिखाई देंगे। फिल्म में वरुण के साथ सनी देओल, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'बॉर्डर 2' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता ने मिलकर किया है। वरुण के पास जान्हवी कपूर के साथ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी है। वहीं, अभी वह जिस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं उसमें उनके और पूजा हेगड़े के अलावा, मृणाल ठाकुर, कुबरा सैत, मनीष पॉल, रोहित सराफ, राजीव खंडेलवाल, नितीश निर्मल और श्रीलीला भी हैं।

हरियाणवी गन कल्चर सॉन्ग बैन विवाद में पाकिस्तान की एंट्री

सीएम सैनी के ओएसडी बोले- पाकिस्तानी फंडिंग से बन रहे, पंजाब से आ रहा पैसा

जींद, 26 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में गन कल्चर को लेकर बैन हुए गानों के विवाद में अब पाकिस्तान की एंट्री हो गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के ओएसडी व पब्लिसिटी सेल के चेयरमैन गजेंद्र फोगाट ने कहा, 'हरियाणा में कलाकारों को गन कल्चर वाले गीत गाने के लिए पंजाब के जरिए पाकिस्तान से फंडिंग मिल रही है।

उन्हें 15-15 लाख रुपए दिए जा रहे हैं। गन कल्चर पर गाने वालों को हरियाणा की संस्कृति, युवा पीढ़ी से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें केवल पैसे से और अपना घर भरने से मतलब है।'

एक मीडिया हाउस से बातचीत में फोगाट ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान दिल्ली तक पहुंचना चाहता है, लेकिन बीच में हरियाणा आ रहा है। इसलिए, पंजाब की म्यूजिक कंपनियों को हरियाणा में एंट्री करवाकर गन कल्चर को प्रमोट किया जा रहा है, ताकि दिल्ली तक का रास्ता बन सके। एक निजी चैनल पर बोल रहे थे।

पिछले दिनों प्रदेश सरकार ने गन कल्चर का हवाला देते हुए 9 हरियाणवी गाने बैन किए। इनमें 7 अकेले सिंगर मासूम शर्मा के ही हैं।

गजेंद्र फोगाट की 5 अहम बातें

पाकिस्तान ने पंजाब में गन कल्चर प्रोमोट किया

गजेंद्र फोगाट ने कहा- पाकिस्तान ने पहले पंजाब में नशा बेचा। उसके बाद पैसे देकर गन्स बेचीं। इसके बाद भी काम नहीं बना तो गन के कल्चर को प्रोमोट करने के लिए कलाकारों को गन कल्चर वाले गाने बनाने के पैसे दिए। यह एक बहुत बड़ा एक्सपेरीमेंट पाकिस्तान ने पंजाब में किया, जो सफल हुआ। इसी एक्सपेरीमेंट को पाकिस्तान हरियाणा में करना चाहता है।

दिल्ली पहुंचना चाहता है पाकिस्तान

पाकिस्तान दिल्ली पहुंचना चाहता है। उसे दिल्ली को अनस्टेबल करना है, लेकिन बीच में हरियाणा आ रहा है। हरियाणा संदेश की धरती है, गीता की धरती है। यहां गलत कल्चर फैल नहीं सकता। फिर भी

पाकिस्तान सोच रहा है कि पंजाब में फैला चुके कल्चर को यहां फैलाएं।

हरियाणा के गायकों से गन कल्चर वाले गाने गवाए जा रहे

पिछले 5 से 6 साल में पंजाब की कई म्यूजिक कंपनियों ने हरियाणा में एंट्री मारी। उन कंपनियों ने हरियाणा के कलाकार को, जिन्हें पहले 40-50 हजार रुपए मिलते थे, 15-15 लाख रुपए देकर कहा कि ऐसे गाने बनाओ जैसे पंजाब बना रहा है। ये गाने ट्रेंड के नाम पर बनवाए गए। उसका परिणाम यह हुआ कि आज हर चौथा गायक हरियाणा में गन कल्चर वाले गाने बना रहा है।'

हरियाणा के कलाकारों को बस माल कमाना है

हरियाणा के कलाकार पंजाब की कॉपी कर रहे हैं। कई कलाकारों ने मोहाली में स्टूडियो बना लिए हैं। कई कलाकार जीरकपुर और मोहाली में रहने लग गए हैं। उन कलाकारों का हरियाणा से अब कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए संस्कृति भाड़ में जाए, छोटे-छोटे बच्चे भाड़ में जाएं। उन्हें कोई संदेश नहीं देना। उन्हें बस माल कमाना है।

इस पर सरकार बारीकी से काम कर रही

पाकिस्तान से फंडिंग पंजाब में आ रही है। पंजाब की कंपनियों के जरिए आ रही है। वे कंपनियां हरियाणा में अप्रोच कर रही हैं। बहुत बारीकी से काम जारी है, लेकिन सरकार का काम भी बहुत बारीकी से जारी है। सारी बातें नहीं बताई जा सकतीं।

हाथों-पैरों में अक्सर रहता है दर्द?

जिन लोगों का खानपान ठीक नहीं रहता, दिन का अधिकतर समय बैठे-बैठे या आराम करते हुए बीत जाता है उन्हें कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हाथों-पैरों या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की शिकायत होना उनमें से एक है।

दिनचर्या की गड़बड़ी आपको कई प्रकार की बीमारियों का शिकार बना सकती है। जिन लोगों का खानपान ठीक नहीं रहता, दिन का अधिकतर समय बैठे-बैठे या आराम करते हुए बीत जाता है उन्हें कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। हाथों-पैरों या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की शिकायत होना उनमें से एक है।

आमतौर पर थकान, शारीरिक मेहनत या सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इस तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। कुछ दवाओं और घरेलू तरीकों से इनमें लाभ भी पाया जा सकता है। हालांकि अगर आपको अक्सर दर्द की समस्या बनी रहती है, विशेषकर हाथों-पैरों या दोनों में तो इसे लेकर सावधान हो जाना जरूरी हो जाता है। कुछ स्थितियों में अक्सर बने रहने वाले दर्द को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत भी माना जा सकता है।

अगर आपको अपनी बाहों, पैरों में दर्द होता रहता है, तो हो सकता है कि आपकी मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त न मिल रहा हो, इस स्थिति को क्लॉडिकेशन कहते हैं। इसके अलावा शरीर में दर्द के और भी कई संभावित कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में जानना और समय रहते इलाज प्राप्त करना जरूरी हो जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक क्लॉडिकेशन की समस्या आपकी जांघ, पिंडली या नितंबों में होने वाला दर्द का कारण बन सकती है। आमतौर पर क्लॉडिकेशन का दर्द तब होता है जब आप चलते हैं हालांकि आराम करने पर ये दर्द दूर भी हो जाता है। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, थोड़े से चलने पर भी दर्द हो सकता है।

आपको ब्लड सर्कुलेशन की दिक्कत तो नहीं?

यदि आपके शरीर में रक्त के संचार से संबंधित समस्याएं हैं तो इसके कारण भी आपको अपने हाथों-पैरों में अक्सर दर्द होता रह सकता है। मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त न मिलने से उनकी कार्यक्षमता और लचीलेपन में कमी आने लगती है जिससे आपकी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। मांसपेशियों में रक्त ले जाने वाली नसों में रुकावट की स्थिति कई और भी प्रकार के स्वास्थ्य विकारों का कारण बन सकती है, इसलिए समय रहते इसपर ध्यान देना जरूरी है।

थायरॉयड ग्रंथि की समस्या

थायरॉयड ग्रंथि की समस्या विशेषतौर पर हाइपोथायरायडिज्म के शिकार लोगों को भी अक्सर दर्द होते रहने की समस्या बनी रहती है। हाइपोथायरायडिज्म की स्थिति में आपकी थायरॉयड ग्रंथि कुछ प्रमुख हार्मोन्स पर्याप्त मात्रा में नहीं बना पाती है। इससे मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द के साथ सूजन की दिक्कत बढ़ सकती है।

आप अक्सर थकान महसूस कर सकते हैं और कुछ लोगों में ये याददाश्त की समस्याओं, बालों के पतले होने, त्वचा के रूखेपन, हाई कोलेस्ट्रॉल, हृदय गति में कमी जैसे लक्षण भी पैदा कर सकती है।

अगर आपको तंत्रिकाओं से संबंधित समस्या है तो इस वजह से भी हाथों-पैरों में दर्द की दिक्कत हो सकती है। पेरिफेरल न्यूरोपैथी नाम की समस्या के कारण मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के आसपास की तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगती है जिसके कारण हाथ-पैर या शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द, सुन्नता और कमजोरी हो सकती है।

ऑनलाइन फ्रॉड में शामिल 7.81 लाख सिम कार्ड, 2 लाख मोबाइल ब्लॉक

ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। सरकार की ओर से बताया गया है कि इस साल फरवरी तक डिजिटल फ्रॉड से जुड़े 7.81 लाख से ज़्यादा सिम कार्ड ब्लॉक कर दिए हैं। साथ ही 2 लाख 8 हजार 469 IMEI को भी ब्लॉक कर दिया गया है। IMEI आमतौर पर मोबाइल फोन में मौजूद यूनीक नंबर होता है। इसे ब्लॉक करने पर वह डिवाइस किसी भी नेटवर्क पर काम नहीं करती है यानी उससे कॉल्स वगैरह करना पॉसिबल नहीं होता। इस बारे में लोकसभा में जानकारी दी गई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने एक लिखित जवाब में बताया कि भारत सरकार ने पुलिस रिपोर्ट्स के बाद एक्शन लिया है।

हजारों स्काइप आईडी और वॉट्सऐप अकाउंट ब्लॉक

बताया गया है कि गृह मंत्रालय के तहत आने वाले इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (I4C) ने डिजिटल अरेस्ट के लिए यूज हो रहीं 3,962 से ज्यादा स्काइप आईडी और 83 हजार 668 वॉट्सऐप अकाउंट को भी ब्लॉक किया है। I4C का मुख्य काम फाइनेंशल धोखाधड़ी को रिपोर्ट करना और अपराधियों को पैसे निकालने से रोकना है।

लोकसभा में सरकार की ओर से बताया गया है कि 13.36 लाख से ज्यादा शिकायतों के बाद पब्लिक के लगभग 4,386 करोड़ रुपये अपराधियों के पास जाने से बचाए गए हैं। यह आंकड़े बताते हैं कि साइबर अपराधों का दायरा कितना बड़ा है और कितनी ज्यादा संख्या में लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं।

साइबर फ्रॉड से जुड़ी कंप्लेट दर्ज कराने के लिए सरकार ने टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। 1930 नंबर पर कॉल करके कंप्लेट की जा सकती है। इसके अलावा, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल की मदद से भी डिजिटल धोखाधड़ी की कंप्लेंट दी जा सकती है।

नमक है करंट जैसा, इससे नहीं बढ़ता ब्लड प्रेशर

नमक ऐसी चीज है, जिसके बिना पूरी कुकिंग ही अधूरी है। लेकिन इसका रोल सिर्फ भोजन का स्वाद बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है। सफेद नमक शरीर के लिए करंट के बराबर है। और जो लोग ये कहते हैं कि इसे खाने से बीपी बढ़ जाता है, उन्हें तो डॉक्टर आरती दवे लालचंदानी ने गलत ठहराया है।

ब्लड प्रेशर और नमक से जुड़ा भ्रम

इंटरनेट पर शेयर्ड वीडियो में डॉक्टर आरती कहती दिखीं कि कई बार कई चीजों से जुड़े बड़े भ्रम बहुत ज्यादा सर्कुलेट हो जाते हैं। और फिर इन्हें दिमाग से निकाल पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही एक गलत भ्रम ये है कि ब्लड प्रेशर के मरीजों को नमक नहीं खाना चाहिए।

नमक है बिजली के करंट जैसा

डॉक्टर ने सलाह दी कि इस गलत जानकारी को सभी को पूरी तरह से दिमाग से निकाल देना चाहिए। क्योंकि नमक में मौजूद सोडियम शरीर के लिए उस बिजली के करंट की तरह है, जो ऊर्जा देता है। ये सेल्स को एक्टिव करता है, जिससे बॉडी फंक्शन कर पाती है।

.. तो कितना ही नमक खा लें नहीं बढ़ेगा बीपी

डॉक्टर आरती ने समझाया कि अगर किसी को हाइपरटेंशन की बीमारी नहीं है, तो वो कितना ही नमक खा ले, उसका बीपी नहीं बढ़ेगा।नमक जीरो भी कर दिया, तो नहीं कंट्रोल होगा बीपी

इसी तरह अगर कोई हाइपरटेंशन का मरीज है, तो वो भले ही नमक को जीरो कर दे, तब भी उसका बीपी कम नहीं होगा। ब्लड प्रेशर कंट्रोल के लिए उसे सही से दवाई खानी ही होगी।

नमक न खाना, बीपी पेशेंट्स के लिए भी खतरनाक

आरती दवे ने आगे बताया कि जो लोग हाइपरटेंशन के लिए गोली लेते हैं, उनका नमक खाना बंद कर देना असल में खतरनाक है। ऐसा इसलिए क्योंकि जो दवाइयां दी जाती हैं, उनमें से कई का मैकेनिज्म ऑफ एक्शन ऐसा होता है कि वो पेशाब के जरिए सोडियम को बाहर निकालती हैं।

पेशाब के जरिए बाहर निकलता है सोडियम

दवाइयों से सोडियम बाहर निकल रहा हो और अगर उस समय व्यक्ति ने नमक खाना भी बंद कर रखा हो, तो उसकी बॉडी में इस तत्व की काफी कमी हो जाती है। ये स्थिति और गंभीर कॉम्प्लिकेशन्स को जन्म देती है।

डॉक्टर की सलाह

डॉक्टर ने सभी को सीमित मात्रा में अपने आहार में नमक लेते रहने की सलाह दी, ताकि बॉडी में सोडियम की आपूर्ति बनी रहे और हेल्थ कॉम्प्लिकेशन्स से बचा जा सके।

करेला: डायबिटीज से लेकर कैंसर तक में असरदार

करेला स्वाद में भले ही कड़वा होता है, लेकिन सेहत के लिहाज से यह किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, विटामिन-C और B का भी अच्छा सोर्स है। माना जाता है कि करेला सबसे पहले अफ्रीका में उगाया गया। इसके बाद यह एशियाई देशों में आया। आज चीन करेले का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, जहां इसे पारंपरिक व्यंजनों और दवाओं में प्रमुखता से इस्तेमाल किया जाता है। वहीं दूसरी ओर आयुर्वेद में करेला का जिक्र प्राकृतिक औषधि के रूप में मिलता है, जिसे सालों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसलिए माना जाता है कि करेले की उत्पत्ति भारतीय उपमहाद्वीप में हुई।

डायबिटिक लोगों के लिए करेला बेहद फायदेमंद है। यह पाचन सुधारने में और वेट मैनेजमेंट में मदद करता है। करेला बॉडी डिटॉक्स के लिए भी लाभकारी है। करेला पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड है। इसमें कैलोरी बेहद कम होती हैं, लेकिन फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसमें कार्ब्स बहुत कम होता है। साथ ही प्रोटीन और शुगर भी होता है।

करेला की सबसे खास बात ये है कि यह स्वाद में कड़वा होकर भी विटामिन C से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें आयरन, मैग्नीशियम और जिंक जैसे महत्वपूर्ण मिनरल्स भी होते हैं। करेले में कई औषधीय गुण भी होते हैं। इसमें चरेंटिन और पोलिपेप्टाइड-P जैसे कंपाउंड होते हैं, जो इंसुलिन की तरह काम करते हैं। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। करेला खाने के कई फायदे हैं। यह खासतौर पर डायबिटीज में फायदेमंद

है। इसके अलावा पाचन सुधारने और डिटॉक्सिफिकेशन में भी बेहद प्रभावी है

करेला कम कैलोरी और हाई फाइबर वाली सब्जी है। इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा महसूस होता है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा कम हो जाती है। करेला मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे शरीर तेजी से कैलोरी बर्न करता है और वजन कंट्रोल में रहता है।

करेले में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट पाचन को बेहतर बनाते हैं। यह कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत देता है और आंतों को हेल्दी रखता है। करेला लिवर की काम करने की क्षमता बढ़ाकर डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है।

करेले में चरेंटिन और पोलिपेप्टाइड-P नामक कंपाउंड होते हैं, जो इंसुलिन की तरह काम करते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कम करता है और टाइप-2 डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है।

हार्ट हेल्थ सुधारता है

करेला कोलेस्ट्रॉल लेवल को बैलेंस करने में मदद करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट धमनियों में प्लाक जमने से रोकते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

करेले में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ये पिंपल्स, दाग-धब्बे और स्किन इंफेक्शन को दूर करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद विटामिन C त्वचा को साफ और ग्लोइंग बनाता है।

करेले में विटामिन C, जिंक और आयरन भरपूर मात्रा में होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर को बैक्टीरियल और वायरल इंफेक्शन से बचाने में मदद करता है। करेला लिवर डिटॉक्सिफिकेशन में मदद करता है और फैटी लिवर, हेपेटाइटिस और पीलिया जैसी समस्याओं से बचाता है। करेले में मौजूद फाइटोकेमिकल्स कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकने में मदद करते हैं। करेला खासतौर पर ब्रेस्ट, लिवर और कोलोन कैंसर के खतरा कम करने में मददगार हो सकता है। करेला खाली पेट खाया जा सकता है, खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए यह लाभकारी होता है। हालांकि, ज्यादा मात्रा में खाने से एसिडिटी या पेट दर्द हो सकता है। इसलिए सीमित मात्रा में ही सेवन करें। करेले का जूस रोज पी सकते हैं लेकिन 1/2 कप से ज्यादा न पिएं। ज्यादा मात्रा में करेले का जूस पीने से ब्लड शुगर बहुत कम हो सकता है और पेट खराब हो सकता है।

एलन मस्क दे रहे नौकरी, सुधारना होगा 'गालीबाज' ग्रोक को, करोड़ों की सैलरी

एलन मस्क की एआई कंपनी xAI ने जॉब निकाली है। वह ऐसे इंजीनियरों की तलाश में है, जो उसके 'गालीबाज' एआई ग्रोक को बेहतर बना सकें। गौरतलब है कि ग्रोक एआई काफी सुर्खियों में रहा है। इसने कई भारतीयों के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है, जिसके बाद सरकार को मामले में दखल देना पड़ा। बहरहाल, बात xAI में निकली जॉब की। कंपनी सोशल मीडिया में ऐड देकर लोगों को बता रही है कि उसे ऐसे लोगों की तलाश है जो उसके एआई को और पावरफुल बना सकें। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि xAI के इंजीनियर इगोर ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि उन्हें ऐसे इंजीनियर चाहिए जो Grok को हमेशा ठीक से चलाते रहें। आइए जानते हैं एलन मस्क की कंपनी कितनी सैलरी ऑफर करने वाली है।

एक्सएआई ने इंजीनियरों की जॉब निकाली है। बैकएंड इंजीनियरों का काम कंपनी के सिस्टम को ठीक रखना होगा। उन्हें यह देखना होगा कि सिस्टम ठीक से काम करते रहें। इंजीनियरों को Rust माइक्रोसर्विस को डिजाइन करना होगा। उन्हें प्रोडक्ट और रिसर्च टीम के साथ मिलकर काम करना होगा। सिस्टम में कोई खराबी आ जाए तो उसे ठीक करना भी इंजीनियर का काम होगा।

xAI में काम करने के लिए इंजीनियरों को कंप्यूटर साइंस की नॉलेज होना जरूरी है। बेसिक नॉलेज नहीं चलेगी, अच्छा ज्ञान होना चाहिए। इंजीनियरों को Python, Rust, Kubernetes और Scala के बारे में अच्छे से पता होना चाहिए। सिस्टम को ठीक रखना आना चाहिए और नेटवर्किंग का पता होना भी जरूरी है।

कितनी सैलरी मिल सकती है

रिपोर्ट के अनुसार, xAI में काम करने वाले इंजीनियरों को सालाना 1 लाख 80 हजार डॉलर से 4 लाख 40 हजार डॉलर तक की सैलरी मिल सकती है। यह डेढ़ करोड़ रुपये से 4 करोड़ रुपये लगभग तक सालाना है। नौकरी के लिए आवेदकों को कुछ इंटरव्यू देने होते हैं। बताया जा रहा है कि फोन पर 15 मिनट का इंटरव्यू होता है। फरि चार टेक्निकल इंटरव्यू जिनमें कोडिंग, सिस्टम हैंड्स-ऑन, प्रोजेक्ट डीप-डाइव और टीम मीट-एंड-ग्रीट शामिल हैं, वो लिए जाते हैं।

मार्च में एमएसएमई भुगतान-वित्तीय वर्ष समाप्त

सीए मधुसूदन अग्रवाल

मार्च महीने में एमएसएमई भुगतान को लेकर हर कारोबारी घराने के मन में सवाल होते हैं। भारत में वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक होता है। हर कारोबारी घराना एमएसएमई भुगतान से संबंधित धारा 43बी(एच) के प्रावधानों का वित्तीय वर्ष के भीतर या निर्धारित समय सीमा के भीतर अनुपालन करना चाहता है। सीए मधुसूदन ने शंकाओं को दूर करने और धारा 43बी(एच) के प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए ज्ञान साझा करने के लिए सवालों के जवाब दिए हैं।

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 43बी(एच) को वित्तीय वर्ष 2023-24 से लागू किया गया था और यह निर्धारित समय के भीतर एमएसएमई को भुगतान के संबंध में सभी भावी वित्तीय वर्षों के लिए लागू है। बजट 2025 में प्रस्ताव के अनुसार एमएसएमई की परिभाषा बदल दी गई है वर्तमान एमएसएमई वर्गीकरण (1 जुलाई 2020 से 31 मार्च 2025 तक प्रभावी) है।

1. सूक्ष्म उद्यम: प्लांट और मशीनरी/उपकरण में 1 करोड़ तक का निवेश और 5 करोड़ तक का टर्नओवर।

2. लघु उद्यम: प्लांट और मशीनरी/उपकरण में 10 करोड़ तक का निवेश और 50 करोड़ तक का टर्नओवर।

3. मध्यम उद्यम: प्लांट और मशीनरी/उपकरण में 50 करोड़ तक का निवेश और 250 करोड़ तक का टर्नओवर।

भविष्य का एमएसएमई वर्गीकरण (1 अप्रैल 2025 से प्रभावी)

1. सूक्ष्म उद्यम: प्लांट और मशीनरी/उपकरण में 2.5 करोड़ तक का निवेश और 10 करोड़ तक का कारोबार।

2. लघु उद्यम: प्लांट और मशीनरी/उपकरण में 25 करोड़ तक का निवेश और 100 करोड़ तक का कारोबार।

3. मध्यम उद्यम: प्लांट और मशीनरी/उपकरण में 125 करोड़ तक का निवेश और 500 करोड़ तक का कारोबार।

नई एमएसएमई परिभाषा की मुख्य विशेषताएं:

1. समग्र मानदंड निवेश और कारोबार। वर्गीकरण दोनों पर आधारित है। 2. विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के बीच कोई अंतर नहीं पहले, इन क्षेत्रों पर अलग-अलग सीमा लागू होती थी, अब, एक समान मानदंड लागू होता है। 3. स्व-घोषणा और उद्यम पंजीकरण - एमएसएमई को उद्यम पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा।

व्यापारी एमएसएमई के अंतर्गत भी पंजीकरण करा सकते हैं, लेकिन धारा 43बी(एच)-एमएसएमई भुगतान उन आपूर्तिकर्ताओं पर लागू नहीं है जो व्यापारी श्रेणी के अंतर्गत पंजीकृत हैं। व्यापारी बैंक ऋण लाभ के लिए पंजीकरण करा सकते हैं।

ऐसे में प्रश्न उठता है कि एमएसएमई भुगतान नियम क्या है? तो जवाब है कि सूक्ष्म एवं लघु आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान 15 दिनों के भीतर (आपूर्तिकर्ता के साथ लिखित समझौते के बिना) या 45 दिनों के भीतर (समझौते के साथ) किया जाना चाहिए।

प्रश्न: एमएसएमई को भुगतान में देरी के क्या परिणाम हैं?

उत्तर: लाभ एवं हानि खाते में व्यय का दावा करने के लिए सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को निर्धारित समय सीमा के भीतर भुगतान किया जाना चाहिए, अन्यथा खरीद अस्वीकृत कर दी जाएगी, और आयकर लगाया जाएगा। यदि इसका भुगतान नियत तिथि के भीतर नहीं किया जाता है, तो यह भुगतान के वर्ष में ही स्वीकार्य है। उदाहरण के लिए, यदि मार्च 2025 में खरीदे गए चालान का भुगतान अगस्त 2025 में किया गया था, तो इसे वित्त वर्ष 2025-26 में व्यय के रूप में स्वीकार्य है।

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा अधिसूचित बैंक दर के 3 गुना पर चक्रवृद्धि ब्याज का दंडात्मक ब्याज लगाया जा सकता है। जिस तिथि से ब्याज देय है: समझौते के अनुसार तिथि या स्वीकृति के दिन से पंद्रह दिनों की अवधि की समाप्ति के तुरंत बाद का दिन या स्वीकृति के माने जाने के दिन , खरीदार द्वारा आपूर्तिकर्ता से कोई भी माल या कोई भी सेवा (नियत दिन), जैसा भी मामला हो। आयकर अधिनियम (आईटीए), 1961 के अनुसार, इस ब्याज की कटौती व्यय के रूप में अनुमत नहीं है। **(जारी)**

विजयवाड़ा के पास बेहतरीन ट्रेकिंग रूट्स के साथ पहाड़ों की सैर करें

विजयवाड़ा के पास 5 बेहतरीन ट्रेकिंग रूट्स के साथ पहाड़ों की सैर करें

आंध्र प्रदेश में स्थित विजयवाड़ा अपनी जीवंत सांस्कृतिक विरासत और आश्चर्यजनक प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। शहर में ट्रैकिंग के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें हरे-भरे जंगल से लेकर खूबसूरत पहाड़ियाँ शामिल हैं, जो आपको एक ऐसा आउटडोर रोमांच प्रदान करते हैं जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे।

विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश के बिल्कुल बीच में स्थित है और यह न केवल अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए बल्कि अपने शानदार परिदृश्यों के लिए भी प्रसिद्ध है। यह शहर उन लोगों के लिए कई तरह के विकल्प प्रदान करता है जो साहसिक ट्रेक में शामिल होते हुए प्रकृति का अनुभव करना चाहते हैं। इसमें जंगलों से लेकर खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों वाली छोटी-छोटी पहाड़ियाँ और खूबसूरत पहाड़ी परिदृश्य शामिल हैं जो आपके ट्रेकिंग अनुभव को अविस्मरणीय बना देंगे। यहाँ कुछ चुनिंदा स्थान दिए गए हैं जहाँ आप ट्रेकिंग के ज़रिए अपने आउटडोर रोमांच के शौक को पूरा कर सकते हैं।

कोंडापल्ली पहाड़ियाँ

कोंडापल्ली हिल्स शहर के केंद्र के करीब स्थित है, इसलिए यह ट्रेकिंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है। कोमल ढलान और साफ रास्ते इसे शुरुआती और अनुभवी ट्रेकर्स दोनों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। जैसे-जैसे आप इन पहाड़ियों पर चढ़ते हैं, आपको चारों ओर फैले खूबसूरत ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ उनके नीचे कृष्णा नदी घाटी के नज़ारे दिखाई देते हैं; अगर आप अपने अगले पर्वतीय रोमांच में संस्कृति का मिश्रण चाहते हैं, तो ऐसी ही एक पहाड़ी की चोटी पर बने ऐतिहासिक कोंडापल्ली किले को देखना न भूलें।

मंगलगिरी पहाड़ियाँ

मंगलगिरी शहर के ऊपर स्थित ये प्राचीन पहाड़ियाँ चुनौतीपूर्ण लेकिन संतुष्टिदायक ट्रेकिंग अनुभव प्रदान करती हैं। यात्रा निचले सिरे से शुरू होती है और हरे-भरे जंगलों और चट्टानी इलाकों से होकर गुज़रती है जो इसे कठिन बनाते हैं। रास्ते में प्राचीन मंदिर और गुफाएँ हैं जो आपकी यात्रा में रहस्य जोड़ते हैं। एक बार जब आप इस बिंदु पर पहुँच जाते हैं तो चारों ओर विस्तृत मैदान होते हैं जो एक अंतहीन क्षितिज बनाते हैं।

भवानी द्वीप

कुछ अलग करने के लिए कृष्णा नदी के शांत जल किनारे पर स्थित भवानी द्वीप पर पैदल यात्रा करें। यह सुंदर द्वीप केवल नाव से पहुँचा जा सकता है और प्रकृति प्रेमियों और रोमांच पसंद करने वालों के लिए एक अभयारण्य के रूप में कार्य करता है, जो लोग घर के अंदर से ज़्यादा बाहर रहना पसंद करते हैं, वे अपनी पैदल यात्रा के लिए इस जगह को चुनेंगे। जंगलों और बैकवाटर्स के बीच से द्वीप को पार करने वाले बहुत सारे रास्ते हैं जो शांत और हरे हैं, जहाँ आप या तो धीमी गति से चलना चुन सकते हैं या तेज़ गति से चढ़ाई करना चुन सकते हैं जो आपके शरीर में एड्रेनालाईन का संचार करेगा।

टाटा, मित्तल सब छूट गए पीछे, जिंदल ने मारी बाजी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील दुनिया की सबसे वैल्यूएबल स्टील कंपनी बन गई है। बीएसई पर इसके शेयर की कीमत 1,074.15 रुपये के रेकॉर्ड तक पहुंच गई। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप $30 अरब से ज्यादा हो गया। पिछले एक महीने में इस शेयर में लगभग 11% और पिछले एक हफ्ते में 4% से ज्यादा तेजी आई है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने अमेरिका की नूकर कोर्पो को पछाड़कर दुनिया की सबसे वैल्यूएबल स्टील कंपनी बनने का गौरव हासिल किया।

7 दिन की तेजी के बाद गिरा बाजार

सेंसेक्स 728 अंक नीचे 77,288 पर बंद, निफ्टी 181 अंक लुढ़का

एनटीपीसी-जोमैटो 2.5% गिरे

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। लगातार 7 दिन तक तेजी के बाद आज यानी बुधवार (26 मार्च) को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 728 अंक नीचे 77,288 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 181 अंक की गिरावट रही, ये 23,486 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में गिरावट 4 में तेजी रही।

टॉप गेनर इंडसइंड बैंक के शेयर में 3.36% ऊपर बंद हुआ। जबकि एनटीपीसी और जोमैटो के शेयर 2.5% नीचे आ गए। एनएसई के 50 शेयरों में से 40 में गिरावट जबकि 10 में तेजी रही। मीडिया, सरकारी बैंक, रियल्टी और हेल्थकेयर सेक्टर में 3% तक गिरावट रही। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन कल यानी मंगलवार (25 मार्च) को सेंसेक्स 32 अंक चढ़कर 78,017 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 10 अंक की तेजी रही, ये 23,668 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 10 में तेजी जबकि 20 में गिरावट रही। अल्ट्राटेक सिमेंट में 3.32%, बजाज फिनसर्व में 2.16% और इंफोसिस में 1.71% की तेजी रही। जबकि जोमैटो (5.57%), इंडसइंड बैंक (5.09%) और अडाणी पोर्ट्स (1.89%) नीचे बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में से 34 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मीडिया, मेटल फार्मा और ऑयल एंड गैस में करीब 2% की गिरावट रही।

अच्छे वैल्यूएशन पर बाजार तेजी जारी रह सकती है

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के अनुसार बाजार को गिराने वाले जो भी इवेंट थे उसे हम डाइजेस्ट कर चुके हैं। जैसे इजराइल-हमास जंग, ट्रेड वॉर, रूस-यूक्रेन जंग। इसके अलावा पहले भारतीय बाजार ओवर वैल्यूड था जो गिरावट के बाद अपनी सही वैल्यू पर आ गया है। कई बड़े शेयर डिस्काउंट में मिल रहे हैं जिसमें लोग खरीदी कर रहे हैं। इन कारणों से अब बाजार में तेजी है और आगे भी इसके जारी रहने कर उम्मीद है।

सीएनबीसी के पूर्व एंकर हेमंत घई मार्केट से बैन

सेबी ने 6.16 करोड़ रुपये इलीगल इनकम लौटाने को कहा

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सी ए न बी सी आवाज के पूर्व एंकर हेमंत घई को रेगुलेटरी नॉर्म्स के उल्लंघन के आरोप में सिक्योरिटी मार्केट से 5 साल के लिए बैन कर दिया है। मार्केट रेगुलेटर ने हेमंत घई और उनकी पत्नी जया घई को 6.16 करोड़ रुपए की अवैध कमाई को 31 मार्च 2020 से 12% सालाना ब्याज के साथ वापस करने का भी निर्देश दिया। ऑनलाइन स्टॉक ब्रोकर प्लेटफॉर्म जीरोधा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर मार्केट्स बाय जीरोधा' नाम से थ्रेड-पोस्ट में इस पूरी घटना को डिटेल में शेयर किया है।

जनवरी 2021 में सेबी को संदेह हुआ और उसने उनके ट्रेडिंग अकाउंट फ्रीज कर दिए। जांच शुरू हुई और 2022 तक सेबी कंफर्म किया कि हेमंत और उनकी पत्नी ने कम से कम 6.15 करोड़ रुपये का अवैध मुनाफा कमाया है। जनवरी 2021 में सेबी को संदेह हुआ और उसने उनके ट्रेडिंग अकाउंट फ्रीज कर दिए। जांच शुरू हुई और 2022 तक सेबी कंफर्म किया कि हेमंत और उनकी पत्नी ने कम से कम 6.15 करोड़ रुपये का अवैध मुनाफा कमाया है।

पीएफ के पैसे निकालने का आसान तरीका

एक लाख तक की रकम एटीएम यूपीआई से निकाल सकेंगे

> जून से शुरू होगी नई सुविधा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। ईपीएफओ मेंबर्स जल्द ही यूपीआई और एटीएम से पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। इसकी लिमिट एक लाख रुपए तक रहेगी। इस साल मई के आखिरी या जून की शुरुआत तक यह सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसके लिए कर्मचारियों को डेबिट कार्ड की तरह ईपीएफओ विड्रॉल कार्ड दिया जाएगा। इससे वे एटीएम से तुरंत पैसे निकाल सकेंगे। यूपीआई के जरिए यूजर्स अपना पीएफ बैलेंस भी चेक कर पाएंगे। अभी ईपीएफओ मेंबर्स को ऑनलाइन क्लेम की प्रोसेस में 2 हफ्ते तक लगते हैं।

इसका मकसद प्रोसेस को आसान बनाना है

सुमिता डावरा के अनुसार इस विस्तार का मकसद देश की वर्कफोर्स को ज्यादा से ज्यादा फाइनेंशियल फ्लेक्सिबिलिटी देना है। ईपीएफओ ने निकासी को आसान बनाने के लिए 120 से ज्यादा डेटाबेस को इंटीग्रेट करके अपने डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया है। क्लेम की प्रक्रिया का समय घटाकर केवल तीन दिन कर दिया गया है। अब 95% दावे ऑटोमेटेड हैं और आगे भी सुधार किए जाने की योजना है।

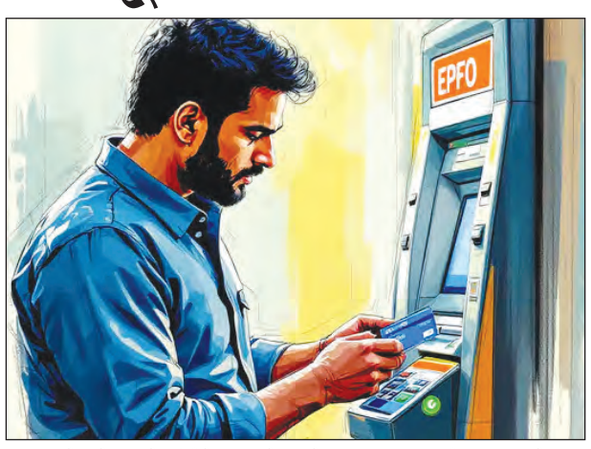

एटीएम और यूपीआई से पीएफ का पैसा कैसे निकाल सकते हैं?

इस नई प्रोसेस में ईपीएफओ अपने सब्सक्राइबर्स को एक विशेष एटीएम कार्ड जारी करेगा, जो उनके पीएफ अकाउंट से लिंक होगा। इस कार्ड का इस्तेमाल करके सब्सक्राइबर्स एटीएम मशीनों से सीधे अपने पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। वहीं यूपीआई से पैसा निकालने के लिए आपको अपने पीएफ अकाउंट को यूपीआई से लिंक करना होगा। इसके बाद सब्सक्राइबर्स पीएफ का पैसा अपने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर सकेंगे।

नौकरी जाने पर एक महीने के बाद निकाल सकेंगे पीएफ का 75% पैसा

पीएफ विड्रॉल के नियम के तहत अगर किसी मेंबर की नौकरी चली जाती है तो वह 1 माह के बाद पीएफ अकाउंट से 75% पैसा निकाल सकता है। इससे वह बेरोजगारी के दौरान अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। पीएफ में जमा बाकी 25% हिस्से को जॉब छूटने के दो महीने बाद निकाला जा सकता है।

पीएफ निकासी इनकम टैक्स के नियम

कर्मचारी को यदि किसी कंपनी में सेवाएं देते 5 साल पूरे हो जाते हैं और वो पीएफ निकालता है तो उस पर इनकम टैक्स की कोई लायबिलिटी नहीं होती। 5 साल की अवधि एक या इससे ज्यादा कंपनियों को मिलाकर भी हो सकती है। एक ही कंपनी में 5 साल पूरे करना जरूरी नहीं। अगर कर्मचारी नौकरी में 5 साल पूरे होने से पहले पीएफ खाते से 50 हजार रुपए से ज्यादा राशि निकालता है तो उसे 10% टीडीएस चुकाना होगा। वहीं अगर आपके पास पैन कार्ड नहीं है तो आपको 30% टीडीएस देना होगा। हालांकि अगर कर्मचारी फॉर्म 15G/15H सब्मिट कराता है तो कोई टीडीएस नहीं काटा जाता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति

सूर्य-	मीन	मे
चंद्र-	कुंभ	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध-	मीन	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय

मीन....	05-40 बजे
मेष---	07-14 बजे
वृष---	09-00 बजे
मिथुन..	11-00 बजे
कर्क....	13-12 बजे
सिंह---	15-24 बजे
कन्या---	17-32 बजे
तुला----	19-36 बजे
वृश्चिक...	21-46 बजे
धनु......	00-00 बजे
मकर...	02-06 बजे
कुंभ....	03-56 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-19 सूर्यास्त - 18-24
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 23:04 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - चैत्र कृष्ण, गुरुवार 27 March
नक्षत्र - शतभिषा 00:33 तक उपरान्त पूर्वाभाद्रपद
योग - साध्य 09:24 तक उप शुक्ल
करण- गर 12:27 तक उप वणिज
विशेष:- प्रदोष व्रत, रंग तेरस
व्रत -त्योहार - मास शिवरात्रि

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:53 से 15:24 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:19 - 07:47	शुभ	अमृत	18:24 - 19:56	शुभ
रोग	07:47 - 09:19	अशुभ	चंचल	19:56 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:19 - 10:50	अशुभ	रोग	21:24 - 22:53	अशुभ
चंचल	10:50 - 12:21	शुभ	काल	22:53 - 00:21	अशुभ
लाभ.	12:21 - 13:53	शुभ	लाभ	00:21 - 01:50	शुभ
अमृत	13:53 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:50 - 03:18	अशुभ
काल	15:24 - 16:56	अशुभ	शुभ	03:18 - 04:47	शुभ
शुभ.	16:56 - 18:24	शुभ	अमृत.	04:47 - 06:19	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे। आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है। वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा, हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है परन्तु तब भी अप्रत्याशित स्रोतों से आय का सृजन होता रहेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है, लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें। आपको एक ऐसे व्यक्ति की बात सुननी पड़ सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको अपने खर्चों का ध्यान रखना होगा और उनपर पैनी निगाह रखनी होगी क्योकि यह छोटे छोटे खर्चे आगे जाकर विराट रूप धारण कर लेते है, हालाँकि आपकी व्यक्तिगत जरूरते कम है पर फिर भी आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा ताकि भविष्य में धन की समस्या उत्पन न हो। आपको कुछ अन्य कार्यो के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि आपकी आय बढ़ सके।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है। काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है। आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे। अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे। हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है। आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा!

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
हाल ही में सह कर्मी आपसे ईर्ष्या के कारण असहयोगी रहे है! लेकिन उनके सामने जोर से न चिल्लाये क्योकि ये अलग रूप में तोड़ मरोड़ कर आपके वरिष्ठ अधिकारियो तक बहुत चालाकी से पहुचाया जाएगा। बस कुछ समय के लिए ऐसे लोगों के साथ दूरी बनाए रखें। आपको आज कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है, हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे। अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है। इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है। आपको अपने निर्णय जल्दी लेने होंगे ताकि वह प्रभावी रहे सके।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी। ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी। इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा। ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है और आपको ये सुनिश्चित करना है की आप इस समय का पूरा सदुपयोग करे।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा। आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है, या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है। पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है। आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे। आप अपनी कार्य क्षमताओं से हर किसी को प्रभावित करेंगे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे, इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा। ज्यादा तनाव न पाले। बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे। आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है परन्तु सोच समझकर निर्णय ले।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है। जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे, वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे। वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें। आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है, जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आईएमएफ ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पाकिस्तान को ऋण स्वीकृत किया

बेलआउट पैकेज की पहली किश्त जारी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर का ऋण मंजूर कर दिया है। इसके साथ ही, पहले से स्वीकृत 7 अरब डॉलर के ऋण की पहली समीक्षा पर स्टाफ स्तर का समझौता भी हो गया है। नए समझौते में जलवायु के लचीलेपन को तरजीह दी गई है। यह समझौता 28 महीने से अधिक समय तक चलेगा। इसका उद्देश्य सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए जलवायु से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद करना है। इसके अतिरिक्त, 7 अरब अमेरिकी डॉलर के बेलआउट कार्यक्रम के तहत देश के लिए 1 अरब डॉलर जारी किए जाने से अब कुल वितरण 2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। पाकिस्तान में आईएमएफ के मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर ने मंगलवार को कहा, आईएमएफ टीम ने विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत 37 महीने की विस्तारित व्यवस्था की पहली समीक्षा पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ एक स्टाफ-स्तरीय समझौता (एसएलए) किया है। आईएमएफ (लचीलापन और स्थायित्व ट्रस्ट) के तहत 28 महीनों की अवधि में कुल लगभग 1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मदद दी जाएगी।

रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, लगभग 2 बिलियन डॉलर तक पहुंच प्रदान करने वाले ये दोनों समझौते कर समानता, मौद्रिक स्थिरता, ऊर्जा क्षेत्र में परिवर्तन और जलवायु लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करते हुए आर्थिक सुधारों में पाकिस्तान की महत्वपूर्ण प्रगति का प्रमाण हैं। आईएमएफ ने अपने बयान में स्थिरता लाने के प्रयासों के लिए पाकिस्तान की सराहना भी की। फंड की ओर से जारी एक बयान में पोर्टर ने कहा, पिछले 18 महीनों में पाकिस्तान ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद व्यापक आर्थिक स्थिरता बहाल करने और विश्वास बहाल करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

10 साल में दोगुनी हुई भारत की इकोनॉमी

> ये ग्रोथ दुनिया में सबसे तेज > जापान को पछाड़ दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होगी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले 10 सालों में दोगुनी हो गई है। अर्थव्यवस्था की ये ग्रोथ दुनिया में सबसे तेज है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ के आंकड़ों के मुताबिक भारत की जीडीपी बीते दशक में 105% बढ़ी है।

वर्तमान में भारत की जीडीपी 4.3 ट्रिलियन डॉलर है। जबकि 2015 में ये 2.1 ट्रिलियन डॉलर थी। आईएमएफ के अनुसार 2025 की तीसरी तिमाही तक अर्थव्यवस्था के मामले में भारत जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। जापान की जीडीपी अभी 4.4 ट्रिलियन डॉलर है। वहीं वृद्धि की वर्तमान दर बनी रही, तो भारत 2027 की दूसरी तिमाही तक जर्मनी (4.9 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी) को भी पीछे छोड़ देगा। भारत की जीडीपी ग्रोथ की रफ्तार यही रही, तो हर 1.5 साल में इकोनॉमी में 1 ट्रिलियन डॉलर जुड़ेगा। इससे 2032 तक भारत 10 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन सकता है। कॉमर्स मिनिस्टर पियूष गोयल ने कहा पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत की 10 साल में जीडीपी दोगुना हुई है। अब भारत दुनिया की तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने जा रहा है। भारत ने दुनिया के दूसरी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए, चीन (76%), अमेरिका (66%), जर्मनी (44%), फ्रांस (38%) और यूके (28%) की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। साइज के हिसाब से शीर्ष दो स्थान पर अमेरिका ($30.3 ट्रिलियन) और चीन ($19.5 ट्रिलियन) की अर्थव्यवस्था है। लेकिन कर्ज के मामले में भारत दोनों देशों से मजबूत स्थिति में है। मार्च 2025 तक अमेरिका का कर्ज 36.22 ट्रिलियन डॉलर है। वहीं चीन का कर्ज 2.52 ट्रिलियन डॉलर है। जबकि भारत पर 712 बिलियन डॉलर का कर्ज है।

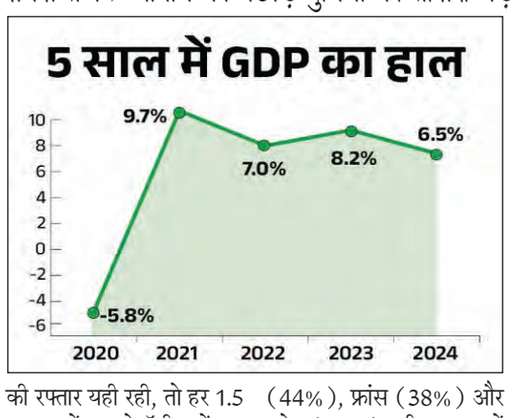

2027 तक जर्मनी को भी पीछे छोड़ सकते हैं हम

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह दावा किया है। देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पिछले दशक में दोगुने से भी अधिक हो गया है, जो 2015 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में अनुमानतः 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। आईएमएफ के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत, जो वर्तमान में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जापान के करीब पहुंच रहा है, जिसका जीडीपी 4.4 ट्रिलियन डॉलर है। पिछले दस सालों में भारत की अर्थव्यवस्था में 105% की वृद्धि हुई है, जबकि जापान की जीडीपी स्थिर बनी हुई है।

'नियम ऐसे हों जो वित्तीय समावेशन को नुकसान न पहुंचाएं'

> मनी लॉनड्रिंग व अवैध वित्तपोषण पर बोले गवर्नर

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। नीति निर्माता ध्यान रखें कि धन शोधन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए कदमों से अति उत्साहित न हों और वैध निवेशों को बाधित न करें। प्राइवेट सेक्टर कोलैबोरेटिव फोरम 2025 के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यह बात कही। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणालियों को धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण से सुरक्षित बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। मुंबई में आयोजित निजी क्षेत्र के सहयोगात्मक फोरम में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के अध्यक्ष की उपस्थिति में बोलते हुए गवर्नर ने कहा प्रौद्योगिकी ने कारोबार को और अधिक आसान बना दिया है। इसने मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध वित्तपोषण के नए और बहुत ही परिष्कृत तरीकों के इजाद को भी बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए जोखिम मूल्यांकन मॉडल को परिष्कृत और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। अपने संबोधन में गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि विनियमनों को वित्तीय समावेशन में अनपेक्षित अवरोध नहीं पैदा करना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा, हमें उचित परिश्रम की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए ग्राहकों के अधिकारों और सुविधा का ध्यान रखना चाहिए। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग के उभरते परिदृश्य को देखते हुए, नियामकों को उचित प्रणाली संवर्द्धन करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के जोखिम मूल्यांकन ढांचे को लगातार मजबूत बनाने की आवश्यकता होगी। उन्होंने केंद्रीय बैंकों से वित्तीय दुनिया में नवीनतम रुझानों और विकास को समझने का भी आग्रह किया, जिसका आपराधिक तत्वों द्वारा फायदा उठाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए, केंद्रीय बैंकों को ऐसे नियम और रूपरेखा विकसित करनी चाहिए जो संदिग्ध लेनदेन का पहले ही पता लगा सकें और पहले से ही कार्रवाई कर सकें। मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई 2027 तक समावेशी सीमापार भुगतान की दिशा में जी-20 रोडमैप के अगले चरण को प्रभावी ढंग से लागू करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में काम करना जारी रखेगा।

मल्होत्रा ने कहा, हम सभी जानते हैं कि वहां बहुत काम किए जाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि सीमा पार भुगतान भी बहुत आसान और लागत प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमा पार भुगतान को तेज, सस्ता, सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने के जी20 उद्देश्य को पूरा करने के लिए यात्रा नियमों को प्रौद्योगिकी बढ़ाना होगा। मल्होत्रा ने कहा कि भारत ने वित्तीय समावेशन की दिशा में पर्याप्त प्रगति की है और अब 94 प्रतिशत वयस्कों के पास बैंक खाता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति नियामकों के लिए एक चुनौती भी है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि विनियमन वित्तीय समावेशन में अनपेक्षित बाधाएं उत्पन्न न करें। हमें उचित परिश्रम संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते समय ग्राहकों के अधिकारों और सुविधा का ध्यान रखना चाहिए।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर 16.7 लाख करोड़ रुपये खर्च करेगा रेलवे : रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे ने 2031 तक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर 2031 तक 16.7 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने अपनी एक रिपोर्ट में यह दावा किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह पैसा स्टेशनों को अपग्रेड करने, फ्रेड कॉरिडोर बनाने, हाई स्पीड रेल परियोजनाओं और पटरियों के विद्युतीकरण पर खर्च होगा। इन परियोजनाओं से रेलवे को अपना परिचालन बढ़ाने की मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय रेलवे ने 2031 तक फ्रेट कॉरिडोर, एचएसआर और स्टेशन अपग्रेड में लगभग 16.7 लाख करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।

सोने-चांदी के दाम में तेजी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सोने और चांदी के दाम में आज यानी 26 मार्च को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 47 रुपए बढ़कर 87,798 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 87,751 रुपए पर था। 20 मार्च को सोने ने 88,761 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। एक किलो चांदी की कीमत 857 रुपए बढ़कर 98,779 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 97,922 रुपए प्रति किलो था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,550 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 81,950 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 89,400 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 81,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए है।

सीआईडी ने किया भंडाफोड़: आईआरबी व होमगार्ड के जवानों ने बेचे थे पेपर, 8 गिरफ्तार

सीआईडी ने कहा- मूल पेपर लीक होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। जेएसएससी सीजीएल परीक्षा का पेपर बेचने के आरोप में सीआईडी की एसआईटी ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। इन पर अभ्यर्थियों को पेपर के नाम पर दिग्भ्रमित कर उनसे पैसे वसूलने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपियों में पांच आईआरबी के सिपाही, एक असम राइफल्स का जवान, एक होमगार्ड जवान और एक असम राइफल्स के जवान का रिश्तेदार है। सभी को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है।

सीआईडी के मुताबिक गिरोह का सरगना गोरखपुर का है, जिसकी तलाश की जा रही है। सीजीएल परीक्षा 21 व 22 सितंबर 2024 को तीन पाली में ली गई थी। इस मामले में सीआईडी थाने में एक जनवरी 2025 को एफआईआर दर्ज हुई थी। फिर जांच के लिए एसआईटी बनी। जांच के दौरान पता चला कि इन आरोपियों ने अभ्यर्थियों से पेपर देने के नाम पर धोखाधड़ी की। उनसे लाखों रुपए वसूले। एक गिरोह के सदस्यों ने परीक्षा से पहले पेपर देने के नाम पर अभ्यर्थियों से वसूली की। इसके बाद ही पेपर लीक की अफवाह फैली। सीआईडी की ओर से कहा गया है कि अभी तक प्रत्यक्ष व भौतिक रूप से पेपर लीक होने के साक्ष्य नहीं मिले हैं।

रिजल्ट जारी करने पर कोर्ट ने लगा रखी है रोक: सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामला झारखंड हाईकोर्ट तक पहुंच गया था। हाईकोर्ट ने परीक्षा के अंतिम रिजल्ट जारी करने पर रोक लगा रखी है।

सीआईडी ने भी अभ्यर्थियों से पेपर लीक के सबूत मांगे थे। इसके बाद अभ्यर्थियों ने सीआईडी को पांच मोबाइल फोन सहित अन्य साक्ष्य उपलब्ध कराया था। सीआईडी ने इन मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच कराई थी। हालांकि मोबाइल में क्या मिला, इसकी जानकारी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।

नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई

पार्षद का बेटा समेत तीन युवक हेरोइन के साथ गिरफ्तार

धमतरी, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में हेरोइन की तस्करी मामले में पार्षद के बेटे सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके पास से 1 ग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी कीमत 10,000 रुपए बताई जा रही है। आरोपी इसे बेचने की फिराक में घूम रहे थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर नारकोटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। मामला धमतरी जिले के विंध्यवासिनी वार्ड का है, जहां सिटी कोतवाली पुलिस ने तीन लोगों को हेरोइन बेचते हुए पकड़ा।

जानकारी के अनुसार, सिटी पार्क के पास हेरोइन तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को हिरासत में लिया और उनके पास से 10,000 रुपए की हेरोइन जब्त की। पुलिस के अनुसार, आरोपी पॉलीथिन में हेरोइन रखकर बेच रहे थे।

राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सांसद के घर हमला

आगरा में करणी सेना ने सड़क पर खड़ी गाड़ियां तोड़ीं, पथराव में 14 पुलिसकर्मी घायल

आगरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा में राणा सांगा को गद्दार कहने वाले सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आगरा स्थित घर पर बुधवार को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। 1000 से ज्यादा कार्यकर्ता बुलडोजर लेकर सांसद के आवास पर पहुंचे। वहां जमकर तोड़फोड़ और पथराव किया। झड़प में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने कार्यकर्ताओं ने सांसद के घर के बाहर खड़ी 10 से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ की। सांसद के घर के बाहर रखीं 40 से 50 कुर्सियां तोड़ डालीं। मेन गेट तोड़कर घर के अंदर घुसने की भी कोशिश की। 14 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। बवाल के वक्त सांसद रामजीलाल सुमन दिल्ली में थे। जिस समय उनके घर हमला हुआ, वहां से 1 किमी दूरी पर सीएम योगी का कार्यक्रम चल रहा था। करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़ दी। कार्यकर्ता जयश्री राम का नारा लगा रहे थे। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रास्ते में

रोकने की कोशिश की, लेकिन वे एक्सप्रेस-वे से शहर के अंदर घुस गए। इधर, सुरक्षा को देखते हुए सपा सांसद की सोसाइटी के दोनों गेट बंद करा दिए गए। पुलिस ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि कोई भी घर से बाहर नहीं निकलेगा।

करणी सेना के कार्यकर्ताओं के हंगामे को रोकने के लिए सपा कार्यकर्ता भी सांसद के घर पहुंच गए। उनकी करणी सेना के कार्यकर्ताओं से झड़प हुई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया। हालांकि फिर भी हालात संभाल नहीं पाए। कई थानों की फोर्स पहुंची, तब जाकर पुलिस कार्यकर्ताओं को खदेड़ पाई। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरू सिंह ने X पर लिखा, राणा सांगा जी के सम्मान में आज आगरा में इतिहास लिखा गया। पुलिस ने लाठीचार्ज की, मेरा पैर टूट गया है। वहीं, करणी सेना युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओकेंद्र राणा ने एक वीडियो जारी किया। उन्होंने कहा- सांसद रामजीलाल सुमन ने क्षत्रिय समाज के महापुरुष के खिलाफ ओछी बात कही है। हमारे महापुरुष और पूर्वजों को कोई भी गाली दे जाता है। सांसद के आवास की हर ईंट पर राणा सांगा लिखना है। इस बार हम माफ नहीं करेंगे। अगर माफी मांगनी है तो रुपवास में महाराणा सांगा के स्मारक पर नाक रगड़कर माफी मांगनी पडेग़ी। राजपूत और क्षत्रिय समाज एकजुट होकर दिखा दे कि कोई भी हमारे महापुरुषों के लिए कुछ बोलने से पहले सोचे। अखिलेश ने घटना पर X पर पोस्ट लिखकर प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने लिखा, 'हमारा उद्देश्य किसी इतिहास पुरुष का अपमान करना नहीं हो सकता।

समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही।' सपा अध्यक्ष ने अपने सांसद का बचाव भी किया।

शादीशुदा महिला की तीसरे-अफेयर के शक में हत्या

नाबालिग बॉयफ्रेंड बोला-मुझे और अपने पति दोनों को धोखा दिया

रायपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। रायपुर में एक शादीशुदा महिला की उसके नाबालिग बॉयफ्रेंड ने तीसरे अफेयर के शक में हत्या कर दी। उसे लगता था कि, महिला अपने पति और उसके अलावा किसी तीसरे व्यक्ति के साथ भी रिलेशन में है। जब महिला ने बॉयफ्रेंड से बात करना बंद किया तो वह नाराज हो गया। उसने चम्मच से महिला के गले, प्राइवेट पार्ट और शरीर के कई जगहों पर हमला कर मार डाला। घटना धरसींवा थाना की है।

उरला सीएसपी पूर्णिमा लांबा ने बताया कि, 28 साल की ममता (बदला हुआ नाम) विधानसभा क्षेत्र की रहने वाली थी। पुलिस को 23 मार्च को महिला की लाश धरसींवा इलाके के मोहदी गांव के खेत में मिली। बॉडी के गले, गुप्तांग, जांघ और शरीर के अन्य जगहों पर चोट के निशान थे। जांच के बाद पता चला कि, विधानसभा थाना में 22 मार्च को महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज है।

पुलिस की जांच में सामने आया कि, ममता का 17 साल के नाबालिग के साथ अफेयर था। लेकिन पिछले कई दिनों से उसने नाबालिग के साथ बातचीत बंद कर दी थी। जिस वजह से नाबालिग से उसका विवाद भी हुआ। नाबालिग को शक था कि, महिला का किसी तीसरे व्यक्ति के साथ अफेयर चालू हो गया है। महिला उसे और अपने पति को धोखा दे रही है। इस बात से वह नाराज था। नाबालिग ने 20 मार्च को ममता को बातचीत के बहाने बुलाया। फिर उसे बाइक पर बैठाकर अपने दोस्त समीर निषाद के साथ धरसींवा इलाके के मोहदी गांव ले गया। वहां उसने महिला के गले पर चम्मच से वार कर दिया। जब महिला घायल होकर जमीन पर गिर गई। तो उसने शरीर के कई हिस्सों में वार किया। जिससे महिला की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि, आरोपी इतना शातिर था कि हत्या के बाद पुलिस को गुमराह करने के लिए उसने रेप के बाद हत्या दिखाने के लिए पूरी तैयारी की। उसने महिला के गुप्तांग में वार किया। जिससे खून निकलने लगा। इसके अलावा उसने महिला के अंडरवियर को भी उतार दिया। लाश के निचले हिस्से के कपड़े उतार कर उसे अर्धनग्न कर दिया। जिससे पुलिस को लगे की किसी ने महिला की रेप के बाद हत्या की है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, महिला के दो बच्चे हैं। जो करीब 5 और 7 साल के हैं। महिला अपने पति के साथ मायके में ही रहती थी। फिलहाल पुलिस ने महिला की लाश का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया है। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग और उसके दोस्त समीर निषाद को हिरासत में ले लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

हजारीबाग में मंगला जुलूस में पथराव, सदन में विपक्ष का हंगामा

वेल में पहुंचे विपक्षी विधायक, नेता प्रतिपक्ष बोले- हिंदू त्योहारों में दंगा फसाद कब तक

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। हजारीबाग में मंगलवार रात दूसरी बार मंगला जुलूस पर पत्थरबाजी हुई। इस मुद्दे को लेकर झारखंड विधानसभा का बजट सत्र गरमाया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा ने हजारीबाग के मुद्दे को उठाया। इस दौरान भाजपा के विधायक वेल तक पहुंच गए। अल्पसूचित प्रश्न के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सदन में कहा, 'आए दिन देखते होंगे जब हिंदुओं का पर्व-त्योहार होता है चाहे वह होली हो, दीपावली हो या फिर सरस्वती पूजा विसर्जन या कोई दूसरा त्योहार..दंगा फसाद होता है। आखिर हिंदुओं के पर्व में ही क्यों होता है।' सदन में उन्होंने कहा, 'हजारीबाग में घटना हुई। यह काफी दुखद घटना है। बार-बार हिंदुओं के त्योहार पर इस तरह से हमला होना बताता है कि इस तरह की घटना को अंजाम देने वाले को प्रश्रय मिलता है। हम अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से यह अपील करते हैं कि इस तरह के पर्व त्योहार के दौरान उपलब्ध तकनीक का इस्तेमाल करें। 'ड्रोन कैमरा का इस्तेमाल करें। लाइट की व्यवस्था करें। जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं, वहां त्योहार के दौरान किराए पर लेकर घरों में लगाएं। छतों पर सेट करें। जिन संवेदनशील जगहों से जुलूस गुजरता है, वहां कैमरा लगाए जाएं।' पता चल सके कि आखिर हिंदुओं के पर्व में कौन पत्थर चलता है। कौन कहां से बोतल फेंकता है। समाज को कौन अशांत करना चाह रहा है। उन्हें चिह्नित कर आवश्यक कार्रवाई करना चाहिए, नहीं तो फिर तुष्टिकरण के तहत आधे हिंदु और आधे मुसलमान पर कार्रवाई कर देती है।

इंदौर में 11 करोड़ का फर्जी बिल घोटाला

ड्रेनेज विभाग में 169 फर्जी बिल लगाए, ब्लैक लिस्टेड कंपनी के संचालक पर एफआईआर

इंदौर, 26 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर नगर निगम में ड्रेनेज विभाग में करोड़ों के घोटाले का एक और मामला सामने आया है। निगम के सहायक लेखापाल आशीष तायडे की शिकायत पर एमजी रोड पुलिस ने मेसर्स नींव कंस्ट्रक्शन के संचालक मोहम्मद साजिद के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

नगर निगम की जांच में सामने आया कि साजिद ने 185 बिल प्रस्तुत किए थे, जिनमें से 169 बिल फर्जी पाए गए। इन बिलों के माध्यम से 11 करोड़ रुपए से अधिक का गैरकानूनी भुगतान कराया गया। केवल 16 बिल वास्तविक निकले। जैसे ही यह घोटाला उजागर हुआ, निगम अधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

नगर निगम की रिपोर्ट के अनुसार, मेसर्स नींव कंस्ट्रक्शन को इससे पहले भी अनियमितताओं के चलते ब्लैकलिस्ट किया गया था। इसके बावजूद, ठेकेदार ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए फिर से ठेके हासिल किए और घोटाले को अंजाम दिया।

करीब एक साल पहले नगर निगम में 28 करोड़ रुपए के ड्रेनेज घोटाले में पांच फर्मों को ब्लैकलिस्ट किया गया था और इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी।

यह घोटाला 200 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का हिस्सा था। इस प्रोजेक्ट में 40 से अधिक ठेकेदार शामिल थे, लेकिन जांच में केवल पांच के नाम सामने आए थे। सरकार द्वारा हर ठेके पर नगर निगम और ठेकेदारों को जीएसटी का भुगतान करना होता है। नियमों के अनुसार, निगम को 2% और ठेकेदारों को 6-12% तक जीएसटी जमा करना पड़ता है।

यह फर्जी बिलों का मामला ड्रेनेज सुधार के नाम पर बनाई गई सीवर लाइनों से जुड़ा है, जिसे 'नाला टेपिंग प्रोजेक्ट' कहा जाता है। 2018-19 में 200 करोड़ रुपए की लागत से यह काम शुरू हुआ था। शुरुआत में यह ठेका पांच-छह बड़ी कंपनियों को दिया गया था, लेकिन बाद में 40-50 अन्य ठेकेदारों को भी इसमें शामिल कर दिया गया। इस प्रोजेक्ट के दस्तावेजों पर कई वरिष्ठ अधिकारियों के हस्ताक्षर पाए गए हैं, जिनमें तत्कालीन अपर आयुक्त संदीप सोनी, नगर शिल्पज्ञ कमल सिंह, कार्यपालन यंत्री अभय राठौर और कार्यालय अधीक्षक धर्मचंद पालीवाल के नाम शामिल हैं।

लेकिन इस घोटाले में पूरी प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया गया। ठेकेदारों से सीधे फाइलें लेकर उन्हें मंजूरी दी गई और फर्जी बिलों पर करोड़ों का भुगतान कर दिया गया।

छात्राएं बोलीं- हेडमास्टर बुलाकर नाजुक अंगों को छूते हैं

सूरजपुर में 9 छात्राओं से बैड-टच हेल्पलाइन में शिकायत, जेडी ने किया सस्पेंड

सूरजपुर/सरगुजा, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में मिडिल स्कूल का हेडमास्टर छात्राओं से बैड टच करता था। छात्राओं की शिकायत पर कलेक्टर एस जयवर्धन ने जांच टीम बनाई, फिर रिपोर्ट आने पर एजुकेशन ज्वाइंट डायरेक्टर ने हेडमास्टर को सस्पेंड कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, एक मिडिल स्कूल की छात्राओं ने 24 मार्च को टोल फ्री नंबर-109 में शिकायत दर्ज कराई थी कि, स्कूल के हेड मास्टर मो. रउफ उन्हें बैड टच करते हैं। वे छात्राओं को बुलाकर उनके नाजुक अंगों को छूते हैं। इससे छात्राएं सहमी हुई हैं। सूरजपुर कलेक्टर एस जयवर्धन ने जांच के लिए टीम गठित की। जिसमें सूरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा और जिला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल शामिल थे। यह टीम मिडिल स्कूल पहुंचकर छात्राओं से बात की। मिडिल स्कूल की 9 छात्राओं ने हेडमास्टर मो. रउफ पर बैड टच करने की जानकारी दी।

छात्राओं ने बताया कि, हेडमास्टर उनके नाजुक अंगों को छूते हैं। करीब एक साल से वे हेड मास्टर के बैड टच से प्रताड़ित हैं। इनमें कक्षा 6वीं से 8वीं तक की छात्राएं शामिल हैं।

छात्राओं ने बताया कि, स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जनशिक्षक ने किया था। जिसमें उन्होंने गुड टच और बैड टच की जानकारी दी थी।

छात्राओं ने स्कूल की महिला शिक्षिका को हिम्मत कर हेडमास्टर की शिकायत की। शिक्षिका ने छात्राओं को टोल फ्री नंबर बताया, जिसमें छात्राओं ने शिकायत दर्ज कराई।

नौ साल के बच्चे-बच्चियों को हथियार पकड़ा रहे नक्सली

130 लड़के-लड़कियां सीख रहे स्नाइपर चलाना, बम बनाना

जगदलपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों ने भर्ती का नया सिस्टम डेवलप कर लिया है। पहले युवाओं पर फोकस कर उनका ब्रेनवॉश किया जाता था, लेकिन अब बच्चों पर उनकी नजर गड़ी है। नक्सली 9 साल के बच्चे-बच्चियों के हाथों में हथियार पकड़ा रहे हैं। जंगल में इनको बम बनाना सिखा रहे हैं।

दरअसल, एनकाउंटर में मारे गए नक्सल लीडर सुधाकर का लेटर हाथ लगा है, जो 4 पन्नों का है। इसमें जिक्र है कि 9,10 और 11 साल के 40 बच्चे, 14-17 साल के 40 और 18-22 साल के 50 लड़कों समेत 130 लोगों की नक्सल संगठन में नई भर्तियां की गई हैं।

लेटर में मिले सबूत के मुताबिक जंगल में नक्सली गुरिल्ला वार की ट्रेनिंग दे रहे हैं। लड़ाई के गुर, हथियार चलाना (स्नाइपर चलाना) और आईईडी बनाना सिखा रहे हैं। हालांकि नक्सलियों के बड़े लीडर्स अपनी

समीक्षा में इन्हें फिलहाल लड़ने के योग्य नहीं बता रहे हैं।

दरअसल, 25 लाख रुपए के इनामी नक्सली लीडर सुधाकर उर्फ मुरली का मंगलवार 25 मार्च को एनकाउंटर हुआ। इसके पास से पुलिस ने सामान के साथ एक पत्र भी बरामद किया है, जिसमें नक्सल संगठन में नए लड़कों की भर्ती और लीडर्स से मीटिंग समेत कई बातें लिखी हुई हैं। नक्सली का ये पत्र तेलुगु भाषा में है। पत्र में लिखा है कि कुछ दिन पहले नक्सलियों की उत्तर बस्तर ब्यूरो में माड़ इलाके में सीसीएम, डीकेएसजडसी कैडर के नक्सलियों की हाई लेवल मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में नक्सल संगठन के काम, नुकसान, कामयाबी और चुनौतियों की समीक्षा की गई। उसकी रिपोर्ट तैयार की गई है।

इसके अलावा लेटर में ये भी लिखा है कि नक्सल संगठन में नई भर्ती नहीं हो रही है, जिससे परेशानी बढ़ गई है। युवक-युवतियों को संगठन में भर्ती करवाना मुश्किल हो गया है।

जमीन विवाद में चाचा ने भतीजे को मार डाला

पत्थर से सिर कुचलकर की हत्या, रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंकी लाश

बिलासपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। जमीन विवाद के चलते पहले भाई ने अपने बड़े भाई को धमकी दी, जिसके बाद भतीजे के सिर पर पत्थर से हमला कर उसे मार डाला। आरोपी ने साक्ष्य मिटाने के लिए शव को कोलवाशरी के पास रेलवे ट्रैक किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस ने उसका क्षत-विक्षत शव बरामद करने के बाद आरोपी को झारखंड से गिरफ्तार किया है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है। झारखंड निवासी अक्षय कुमार राम (46) ग्राम अमली में रहता है। उसका बेटा सुप्रीम कुमार (24) ड्राइवर था। सुप्रीम कुमार 10 मार्च से लापता था। अक्षय ने 12 मार्च को उसकी गुमशुदगी की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। इसी दौरान 15 मार्च को उसकी लाश ओमेक्स कोल वाशरी के पास रेलवे लाइन के पास झाड़ियों में शव मिला।

सूरजपुर पुलिस की कार्रवाई, 6 आरोपी पकड़ाए

भटगांव में बाइक और तांबा तार चुराए थे रामानुजनगर में खेत से पंप और तार ले गए थे

सूरजपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। सूरजपुर पुलिस ने चोरी के अलग-अलग मामलों का खुलासा कर 6 आरोपियों को पकड़ा है। भटगांव थाना पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो मोटरसाइकिल, कॉपर वायर और 10 किलो तांबा बरामद किया है। वहीं, दूसरा मामला रामानुजनगर थाना क्षेत्र का है। जहां कालीपुर निवासी तुलेश्वर प्रजापति के घर एक महीने पहले हुई चोरी मामले में दो संदिग्धों पकड़ाए है। आरोपियों ने पीड़ित के खेत से झटका मशीन, टूल्लू पम्प और तार चुराए थे जिसकी कीमत 15 हजार रुपए है।

मामला एसईसीएल भटगांव क्षेत्र का है। यहां 25 मार्च को सहायक सुरक्षा प्रभारी राजेश शुक्ला ने 40 मीटर कॉपर केबल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 49/2025 दर्ज किया।

पहला मामला श्यामनगर भटगांव के रहने वाले रूप राजवाड़े की शिकायत से सामने आया। उन्होंने 20 मार्च 2025 को सलका साप्ताहिक बाजार से अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 48/2025 दर्ज किया। रामानुजनगर थाना क्षेत्र में चोरी मामले में डीआईजी और एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस ने कार्रवाई की है। सूरजपुर पुलिस ने जांच के दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा। आरोपियों की पहचान कालीपुर निवासी नानसाय (36) और भारत प्रजापति (29) के रूप में हुई।

झारखंड में बढ़ने लगी है गर्मी

12 जिलों का तापमान 35 डिग्री के पार, अभी 6 डिग्री तक चढ़ेगा पारा, सताएगा मौसम

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड का मौसम बदलने लगा है। धीरे-धीरे गर्मी बढ़ने लगी है। बीते 4 दिन आंधी-तूफान और बारिश की वजह से अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आई थी। पर अब मौसम पूरी तरह बदल गया है। राज्य में 12 जिलों का तापमान 35 डिग्री के पार जा चुका है। मौसम केंद्र रांची के पूर्वानुमान के मुताबिक इसमें लगातार बढ़ोत्तरी ही होने वाली है।

बीते चार दिन हुई हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश में ठंड भी लग रही थी, लेकिन सोमवार से मौसम पूरी तरह साफ हो गया। इसके बाद से अधिकतम तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। बारिश के दौरान जहां 30 डिग्री के नीचे अधिकतम तापमान चला गया था वह अब 35 डिग्री के पास हो चुका है।

मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद का कहना है कि तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी। यह 40 डिग्री के आसपास तक जा सकता है। मौसम में यह बदलाव लगातार जारी रहेगा। मौसम पूरी तरफ साफ हो गया है। ऐसे में मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में मौसम शुष्क रहा है। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 34.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

देवघर में शीतला माता पूजा के दौरान युवक की हत्या

कुएं में मिला 28 साल के राहुल का शव मां बोली- ससुराल वालों ने मार डाला

देवघर, 26 मार्च (एजेंसियां)। देवघर के सिंघवा मोहल्ले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां वॉटर फिल्ट्रेशन प्लांट के पास स्थित कुएं से 28 साल के राहुल कुमार का शव मिला है। मृतक की मां अनु देवी ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है।

राहुल की मां ने बताया कि बेटे की शादी पांच साल पहले इसी मोहल्ले में हुई थी। चार साल तक उनका वैवाहिक जीवन सामान्य रहा।

बाद में पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। इस संबंध में देवघर कोर्ट में एक मामला विचाराधीन है। मां के मुताबिक मंगलवार को मोहल्ले में शीतला माता की वार्षिक पूजा का आयोजन था।

ससुराल पक्ष ने साजिश के तहत राहुल को बुलाया। उन्होंने गला दबाकर उसकी हत्या की और शव को कुएं में फेंक दिया। एक बच्चे ने घटना की जानकारी परिवार को दी।

परिजनों ने कुएं से शव निकालकर सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने राहुल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमी की खुदकुशी के बाद प्रेमिका ने जान दी

धार, 26 मार्च (एजेंसियां)। धार में 20 साल की युवती ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले उसने वीडियो बनाया, जिसमें वह चार गोलियां खाती दिख रही है। इसे उसने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। एक फोटो में उसने लिखा- तेरे बिना रह नहीं पाऊंगी। 15 मार्च को ही उसके बॉयफ्रेंड ने भी सुसाइड किया था। घटना नौगांव के निहाल नगर कॉलोनी की है। यहां रहने वाली निकिता ने 22 मार्च को सुसाइड कर लिया था। सुसाइड से पहले निकिता ने सोशल मीडिया पर बॉयफ्रेंड की याद में स्टोरी और वीडियो पोस्ट किए थे। इनके फोटो-वीडियो अब वायरल हो रहे हैं। पुलिस पता लगा रही है कि किसने इन्हें शेयर किया है। जब पुलिस और परिजनों से युवती के सुसाइड को लेकर बात करना चाही तो दोनों ही कुछ भी बोलने से बचते रहे। गांव के लोगों ने बताया कि युवक-युवती का अफेयर था, दोनों शादी करना चाहते थे। अलग-अलग समाज के होने के कारण दोनों के परिवार तैयार नहीं थे। इसी के चलते दोनों ने जान दे दी। 22 मार्च की दोपहर को परिजन निकिता को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। डॉक्टरों ने उसे चेक कर मृत घोषित कर दिया था। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर देवास अपने गांव चले गए थे। नौगांव पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जिस कमरे में युवती ने जहर खाया था, उसे सील कर दिया।

दुकानदारों के रवैए से विद्यार्थियों के अभिभावक परेशान

रांची, 26 मार्च (एजेंसियां)। किताब बेचने वाले दुकानदारों के रवैए से विद्यार्थियों के अभिभावक परेशान हैं। किसी विद्यार्थी को अगर 2 या 4 किताबें चाहिए तो उसे नहीं मिलेगी। दुकान संचालक 3 या 4 किताबें नहीं, बल्कि सभी विषयों की किताबों का पूरा सेट बनाकर बेच रहे हैं। अगर किसी विद्यार्थी के पास पहले से दो या 4 किताबें हैं तो भी उसे पूरा सेट ही लेना होगा। दुकानदार एक का दो किताबें देने को तैयार नहीं हो रहे हैं। ऐसे में बच्चों के अभिभावक काफी परेशान हैं। मिन्नत करने के बाद भी किताब दुकानदार कुछ सुनने को तैयार नहीं हैं। कुछ दुकानों में तो अभिभावक व दुकान संचालक के बीच बहस भी हो जा रही है।

ट्रम्प ने वोटिंग नियम बदले, अब नागरिकता का सबूत जरूरी

पासपोर्ट दिखाना होगा, कहा- भारत में बायोमीट्रिक इस्तेमाल हो रहा, हम पुराने तरीके पर अटके

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को चुनावी प्रकिया में बदलाव से जुड़े एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। इसके तहत अमेरिकी नागरिकों को वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए नागरिकता का प्रमाण देना होगा। ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक इसका मकसद वोटर लिस्ट में अवैध रूप से शामिल अप्रवासियों पर नकेल कसना है। अभी अमेरिका के कई राज्यों में वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए पासपोर्ट या बर्थ सर्टिफिकेट दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती है।

ट्रम्प ने 2020 के चुनाव में अपनी हार के पीछे फर्जी मतदान को वजह बताया था। हालांकि, ट्रम्प के इस आदेश को राज्यों ने कोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर ली है। आदेश में ट्रम्प ने कहा कि भारत और ब्राजील के मतदाता किसी भी व्यक्ति की पहचान को बायोमीट्रिक डेटाबेस से जोड़ रहे हैं, जबकि अमेरिका में नागरिक इसके लिए काफी हद तक सेल्फ अटेस्ट करने पर निर्भर हैं।

अमेरिका में वोटिंग को लेकर कोई एक जैसे नियम नहीं है। हर राज्य के अपने अलग कानून हैं। टेक्सास, जॉर्जिया और इंडियाना जैसे राज्यों में वोटिंग की प्रक्रिया बेहद सख्त है। यहां पर वोट डालने के लिए फोटो आईडी (जैसे ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट) दिखाना जरूरी है।

वहीं, कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और इलिनॉय जैसे राज्यों में वोटिंग को लेकर उतने सख्त नहीं हैं। इन राज्यों में नाम और पता बताकर या फिर कोई दस्तावेज जैसे कि बिजली का बिल दिखाकर वोटिंग की जा सकती है।

इसके अलावा मिशिगन जैसे राज्यों में वोट डालने के दौरान फोटो आईडी मांगी जाती है। अगर किसी के पास यह नहीं है तो वह एक हलफनामा साइन कर वोट कर सकता है। ट्रम्प ने मंगलवार को आदेश पर साइन करते हुए कहा- 'चुनावी धोखाधड़ी' आपने यह शब्द सुना होगा। मैं इसे खत्म करने जा रहा हूं। एग्जीक्यूटिव ऑर्डर वह आदेश होते हैं जो राष्ट्रपति द्वारा एकतरफा जारी किए जाते हैं। ये आदेश कानून की शक्ति रखते हैं। इन्हें कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। कांग्रेस इन्हें पलट नहीं सकती। हालांकि, इन्हें अदालत में चुनौती दी जा सकती। ट्रम्प के चुनावी वादों को पूरा करने के मकसद से इन एग्जीक्यूटिव ऑर्डर को तैयार किया गया है।

वोटिंग से जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर की 4 अहम बातें

नागरिकता साबित करने की जरूरत: वोटिंग के लिए नागरिकता का सबूत, जैसे पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस देना जरूरी होगा।

राज्यों से सहयोग की अपील: ऑर्डर में राज्यों को सहयोग करने, वोटर लिस्ट को संघीय सरकार के साथ शेयर करने और चुनाव से जुड़े अपराधों की जांच में मदद की अपील की गई है।

मेल-इन बैलट की समय सीमा: चुनाव खत्म होने के बाद मिलने वाले मेल-इन बैलट को अवैध माना जाएगा।

नियम ना मानने पर फंडिंग में कटौती: ऑर्डर में साफ-साफ कहा गया है कि अगर कोई राज्य इन नए नियमों का पालन नहीं करता तो उनको दी जाने वाली फंडिंग मदद में कटौती की जा सकती है।

स्विट्जरलैंड में बुर्का पहनने पर पहली बार जुर्माना लगा

महिला ने देने से इनकार किया

बर्न, 26 मार्च (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड में बुर्का पहनने पर लगे प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर पहली बार जुर्माना लगाया गया है। ज्यूरिख में एक महिला ने सार्वजनिक स्थान पर बुर्का पहना। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस प्रवक्ता माइकल वॉकर के मुताबिक, महिला पर 100 स्विस फ्रैंक (9,600 रु.) का जुर्माना लगाया गया। महिला ने जुर्माना देने से इनकार कर दिया। अब यह मामला आगे की प्रक्रिया के लिए कैंटनल गवर्नर के कार्यालय में जाएगा। स्विट्जरलैंड में 2021 में जनमत संग्रह कराने के बाद सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाने का कानून पास किया गया था। इसका उल्लंघन करने पर जुर्माने का प्रावधान है।

भारत संग नेपाल के रिश्ते बिगाड़ने की कोशिश

नेपाली पीएम ओली के 'बयान' पर पार्टी ने दी सफाई, बताया करीबी दोस्त

काठमांडू, 26 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी ने भारत के संबंध में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से जुड़ी बेबुनियाद और भ्रामक रिपोर्टों को खारिज कर दिया है। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने एक बैठक में भारत के खिलाफ उन्हें सत्ता से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के विदेश मामले के विभाग ने एक बयान में कहा कि वह घरेलू और विदेशी मीडिया के कुछ हलकों की हालिया बेबुनियाद और गुमराह करने वाली रिपोर्ट की निंदा करता है। बयान में आगे कहा गया कि 'ये मनगढ़ंत रिपोर्ट कथित झूठा दावा करती हैं कि माननीय प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने 17 मार्च 2025 को सचिवालय की बैठक के दौरान भारत पर उन्हें पद से हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। इसके भी आगे, इस झूठे कथानक में यह सुझाव दिया गया कि प्रधानमंत्री ने पूर्व

महाराज ज्ञानेंद्र शाह की गिरफ्तारी की वकालत की थी।' इसके पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हाल ही में देश के अंदर तेज हुए राजशाही समर्थक आंदोलन के पीछे भारत का हाथ बताया था। एक भारतीय आउटलेट की रिपोर्ट में ओली की पार्टी के एक वरिष्ठ सदस्य के हवाले से बताया था कि प्रधानमंत्री ने संसद में इसे उजागर करने की कसम खाई है। रिपोर्ट के अनुसार, नेता ने दावा किया कि पीएम ओली ने नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) की केंद्रीय पदाधिकारियों की बैठक में यह टिप्पणी की थी। सीपीएन-यूएमएल के बयान में इन निराधार दावों को भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण बताया गया है, जिनका उद्देश्य जनता और नेपाल के नेतृत्व की छवि को गुमराह करना है। ये आरोप किसी भी तरह से प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली या सीपीएन (यूएमएल) के विचारों या स्थिति को नहीं दर्शाते हैं। इस तरह की गलत सूचना का प्रसार नेपाल के आंतरिक सद्भाव को बाधित करने, क्षेत्र में मतभेद पैदा करने और नेपाल के कूटनीतिक संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा करने का एक जानबूझकर किया गया।

47 साल जेल में बिताए, फिर निर्दोष साबित

जापान सरकार देगी 12 करोड़ मुआवजा, बॉस की हत्या के आरोप में मौत की सजा मिली थी

टोक्यो, 26 मार्च (एजेंसियां)। जापान की सरकार ने 89 साल के इवाओ हाकामाता को हत्या के झूठे आरोप में 47 साल जेल में रहने के बदले 12 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का फैसला किया है। हाकामाता को 1968 में गिरफ्तार किया गया था। वह 2014 तक सजा काट रहे थे। पिछले साल सितम्बर में जापान के शिजुओका शहर की एक अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया था। उन्हें 1966 में अपने बॉस, उसकी पत्नी और उनके दो बच्चों की हत्या, घर में आग लगाने और 200,000 येन (जापानी करेंसी) चुराने के आरोप में मौत की सजा सुनाई गई थी।

हाकामाता की बहन हिदेको ने अपने भाई को बेगुनाह साबित करने के लिए कई सालों तक

मेहनत करके सबूत जुटाए। जिसके बाद कोर्ट ने 2014 में इस केस की फिर से सुनवाई शुरू की और हाकामाता को जेल से रिहा कर दिया। ज्यादा उम्र और बिगड़ती मानसिक स्थिति की वजह से उन्हें केस की सुनवाई में शामिल होने से छूट दी गई थी। वह अपनी 91 साल की बहन हिदेको की देखरेख में रह रहे थे। गिरफ्तारी के बाद हाकामाता ने शुरू में तो सभी आरोपों से इनकार किया था, लेकिन बाद में आरोपों को स्वीकार कर लिया था। सुनवाई के दौरान यह बात सामने आई कि हाकामाता की पिटाई करके उनसे जबरन कबूलनामा लिया गया था। उनके वकीलों ने कहा कि पीड़ितों के कपड़ों से मिला डीएनए और हाकामाता का डीएनए मेल नहीं खाता है। आरोप लगाने के लिए झूठे सबूत गढ़े गए थे।

हाकामाता की मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ा

यह मामला जापान के सबसे लंबे और सबसे प्रसिद्ध कानूनी मामलों में से एक है। उनके वकीलों का कहना था कि वो दुनिया में सबसे लंबे वक्त तक मृत्युदंड की सजा पाने वाले कैदी बन गए हैं। इस सजा ने उनके मानसिक हेल्थ पर बुरा असर डाला।

ब्रह्मोस, अग्नि, एस-400 सिस्टम, भारत की बढ़ती परमाणु और मिसाइल ताकत से खौफ में पाकिस्तानी

इस्लामाबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। चीन और उत्तर कोरिया की मदद से किलर मिसाइलें बनाने वाले पाकिस्तानी अब भारत की बढ़ती सैन्य और परमाणु ताकत से खौफ में हैं। पाकिस्तानी एक्सपर्ट को खासतौर पर भारत की मिसाइल ताकत का ज्यादा डर सता रहा है। पाकिस्तान के इस डर की मुख्य वजह भारत की एमआईआरवी तकनीक से लैस अग्नि मिसाइल, ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल, रूस से मिला एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम और निर्माणाधीन हाइपरसोनिक मिसाइल है। पाकिस्तानी अब दुनिया से गुहार लगा रहे हैं कि वे भारत को इन ब्रह्मास्त्र का निर्माण करने से रोके। वह भी तब जब पाकिस्तान खुद चीन की मदद से लगातार मिसाइलों का परीक्षण कर रहा है और परमाणु बमों का जखीरा बढ़ा रहा है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान थिंक टैंक के प्रफेसर डॉक्टर

दुनिया से लगाई गुहार

जफर खान ने एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार में लिखे अपने लेख में कहा कि भारत अपनी परंपरागत और परमाणु ताकत का आधुनिकीकरण कर रहा है। खान ने अमेरिका के बुलेटिन ऑफ एटामिक साइंटिस्ट और सिप्री की रिपोर्ट के हवाले से दावा किया कि भारत अपनी प्रतिरोधक ताकत को तेजी से न केवल बढ़ा रहा है बल्कि उसको आधुनिक भी बना रहा है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत ऐसा प्रतिष्ठा, शक्ति प्रदर्शन, प्रभुत्व को बढ़ाने और युद्ध को जीतने के इरादे से कर रहा है।

पाकिस्तानी प्रफेसर ने कहा कि भारत बलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम, एक ही मिसाइल से कई परमाणु बम गिराने की ताकत (एमआईआरवीस), के सीरीज की सबमरीन से दागे जाने वाली मिसाइल, ब्रह्मोस मिसाइल जो सुपरसोनिक से हाइपरसोनिक बनाई जा रही है और उसकी रेंज भी 1500 करने की योजना है, एस 400 मिसाइल डिफेंस और 15 हजार किमी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल को बड़े पैमाने पर बनाने का काम कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इन सभी की बढ़ती रेंज और मारक क्षमता चीन से आगे तक है और यह दुनिया के कई हिस्सों तक पहुंच सकेंगी। डॉक्टर जावेद ने दावा किया कि भारत न केवल परमाणु बमों की संख्या को बढ़ा रहा है, बल्कि उसको दागने के लिए जरूरी वारहेड की संख्या को भी तेजी से बढ़ा रहा है। बुलेटिन ऑफ एटामिक साइंटिस्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की नई अग्नि श्रेणी की मिसाइल 10 हजार किमी से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि भारत की बढ़ती ताकत से वैश्विक सुरक्षा को खतरा हो सकता है। पाकिस्तानी प्रफेसर भारतीय मिसाइल को लेकर दुनिया को डरा रहे हैं लेकिन उन्होंने चीन की बढ़ती परमाणु ताकत पर चुप्पी साधी रखी। चीन 1500 परमाणु बम और उसके लिए जरूरी अंतर महाद्वीपीय मिसाइल को बनाने के मिशन पर काम कर रहा है।

पाकिस्तानी प्रफेसर ने माना कि यह भारत की बढ़ती ताकत और अमेरिका, रूस तथा इजरायल के साथ उसकी बढ़ती सैन्य नजदीकी की वजह से है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप और पीएम मोदी के बीच मुलाकात से यह संकेत मिलता है कि अमेरिका किस तरह से भारतीय नेतृत्व को अमेरिकी एफ 35 फाइटर जेट खरीदने के लिए प्रभावित कर सकता है। डॉक्टर जावेद ने कहा कि भारत एफ 35 फाइटर जेट खरीदे या नहीं, लेकिन उसकी प्रतिरोधक क्षमता और सुरक्षा बढ़ने जा रही है। इससे पाकिस्तान की सुरक्षा को बड़ा खतरा है।

भारत में धड़ाधड़ तेजस फाइटर जेट बनने का रास्ता साफ

अमेरिका ने पहले जीई इंजन की दी डिलीवरी, चीन-पाक को अब मिलेगा जवाब

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। कई महीनों की देरी के बाद आखिरकार अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने भारत को तेजस फाइटर जेट का इंजन सौंप दिया है। जीई एयरोस्पेस ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए इसकी पुष्टि कर दी है। जीई एयरोस्पेस ने कहा है कि हम अपने मूल्यवान ग्राहक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को तेजस लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट एमके 1ए फाइट जेट के लिए 99 एफ404-आईएन20 इंजनों में से पहला इंजन डिलीवर करने के लिए उत्साहित थे। यह एचएएल के साथ हमारे 40 साल के संबंधों और देश की डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को बढ़ाते हुए अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को विकसित करके भारत की सेना के लिए एक मजबूत भविष्य सुनिश्चित करने की हमारी कोशिशों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

नर्स के एक फैसले ने बचाई पोप की जान

दोनों फेफड़ों में निमोनिया संक्रमण था, हालत न सुधरने पर इलाज बंद करने वाले थे डॉक्टर

रोम, 26 मार्च (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस मौत के इतने करीब पहुंच गए थे कि मेडिकल टीम ने उनका इलाज रोकने का फैसला कर लिया था, ताकि वे शांति से मर सकें। हालांकि, पोप की नर्स इससे सहमत नहीं हुई। उन्होंने आखिरी वक्त तक पोप का इलाज जारी रखने को कहा। पोप फ्रांसिस का इलाज करने वाले डॉक्टरों ने खुद यह खुलासा किया है। 88 साल के पोप फ्रांसिस को सांस की बीमारी के कारण फरवरी में हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 5 हफ्ते बाद 23 मार्च को उन्हें छुट्टी दे दी गई। फ्रांसिस रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती थे। इस दौरान उन्हें कम से कम चार बार सांस लेने में गंभीर परेशानी हुई। सबसे ज्यादा दिक्कत 28 फरवरी को हुई। तब उन्होंने उल्टी को अंदर ले लिया था, जिससे उनके फेफड़े पर दबाव बढ़ा और सांस रुक गई थी। अस्पताल के

सर्जन सर्जियो अल्फीरी ने एक इंटरव्यू में कहा- पोप की हालत बदतर हो चुकी थी। हमें पूरी तरह से यकीन हो गया था कि वे अब बच नहीं पाएंगे। हमें यह चुनना था कि उनका इलाज रोक दें या फिर और इलाज के दूसरे रास्ते अपनाएं। इसमें उनके भीतरी अंगों के नुकसान पहुंचने का खतरा ज्यादा था। पोप की निजी नर्स मैसिमिलियानो स्ट्रेपेटी से जब इलाज बंद करने को लेकर राय पूछी गई तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने मेडिकल टीम को इलाज जारी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने टीम से सब कुछ आजमाने और हार न मानने को कहा। अल्फीरी ने कहा कि पोप को भी यकीन हो गया था कि वे रातभर से ज्यादा जीवित नहीं बच पाएंगे, लेकिन नर्स के दबाव डालने के बाद डॉक्टरों ने नए सिरे से इलाज शुरू किया। इसका फायदा भी मिला और उनकी हालत में सुधार दिखने लगा। डॉक्टरों ने 10 मार्च को घोषणा की कि अब उन्हें कोई खतरा नहीं है। जैसे ही पोप को बेहतर महसूस होने लगा, वे अपनी व्हीलचेयर पर वार्ड में घूमने लगे। एक शाम को उन सभी लोगों को पिज्जा की पेशकश की, जिन्होंने उनकी मदद की थी। हालत में और सुधार होने के बाद पोप ने डॉक्टरों से घर जाने की अनुमति मांगी, जो उन्हें मिल भी गई।

पहली बार हमास का विरोध, जंग से ऊब सड़कों पर उतरे हजारों फिलिस्तीनी

गाजा, 26 मार्च (एजेंसियां)। गाजा में मंगलवार को 3 जगहों पर हमास के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। लोगों ने हमास को आतंकी संगठन कहा और सत्ता छोड़ने की मांग की।

इजराइल-गाजा जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है, जब इतनी बड़ी तादाद में लोग हमास के खिलाफ एकजुट होकर सड़कों पर उतरे हैं। लोगों ने 'हमास बाहर जाओ, हमास आतंकी हैं', 'हम हमास को उखाड़ फेंकना चाहते हैं' के नारे लगा रहे थे।

प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथों में 'जंग खत्म करो' और 'फिलिस्तीन में बच्चे जीना चाहते हैं', लिखे हुए पोस्टर लगे हुए थे। हमास के लड़ाकों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों के साथ मार-पीट भी की और उन्हें अलग-थलग करने की कोशिश की। मास्क लगाए हुए इन

हमास को उखाड़ फेंकने के नारे लगाए

लड़ाकों के पास हथियार थे। हमास के आलोचक माने जाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियोज वायरल किए।

प्रदर्शनकारियों ने कतर की सरकार से फंडेड एक न्यूज चैनल को भी निशाने पर लिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमास के विरोधियों ने टेलीग्राम पर प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी, जिसके बाद लोग लामबंद हुए। मोहम्मद नाम के एक व्यक्ति ने बताया, मुझे नहीं पता कि प्रोटेस्ट का आयोजन किसने किया। मैंने बस इसमें इसलिए हिस्सा लिया क्योंकि मैं जंग से थक चुका हूं। मोहम्मद ने पहचान होने के डर से अपना आखिरी नाम नहीं बताया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, 'लोग मीडिया से इन घटनाओं को कवर करने की मांग कर रहे हैं। लोग आजादी की मांग कर रहे हैं, वे गाजा के खिलाफ दुश्मनी को रोकने की मांग कर रहे हैं। वे शांति और इस जंग को खत्म करने की मांग रहे हैं।'

इजराइल में हमास के विरोधी बढ़े

इजराइल के साथ जंग के बाद हमास के आलोचकों की संख्या बढ़ गई है। आखिरी बार सितंबर 2024 में फिलिस्तीनी सेंटर फॉर पॉलिसी एंड सर्वे रिसर्च (पीसीपीएसआर) ने गाजा में सर्वे किया था। इसमें 35% लोगों ने हमास का समर्थन और 26% ने विरोध किया था।

एक साल पहले अक्टूबर 2023 में 71% लोगों ने हमास का समर्थन किया था जबकि उनके विरोध में 21% लोग थे।

चीन सबसे बड़ा खतरा, भारत का दुश्मन लश्कर-ए-तैयबा भी अमेरिका के लिए खतरनाक

यूएस इंटेलिजेंस रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की नई रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि अमेरिका के लिए चीन सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका की सेना के साथ साथ अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी के लिए भी चीन, बहुत बड़ा खतरा बन चुका है। इस रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि बीजिंग ताइवान पर कब्जा करने के लिए लगातार अपनी ताकत बढ़ा रहा है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी की वार्षिक रिपोर्ट में चीन को लेकर कई सनसनीखेज खुलासे किए गये हैं। इसमें ये भी कहा गया है कि चीन के पास अब इतनी ताकत है कि वो पारंपरिक हथियारों से कभी भी अमेरिका पर हमला कर सकता है, इसके अलावा अमेरिका पर चीन कभी भी साइबर अटैक कर सकता है। चीन के पास अब अमेरिका के इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर उसकी अंतरिक्ष क्षमताओं पर भी हमला करने की शक्ति आ चुकी है। इस रिपोर्ट में लश्कर-ए-तैय्यबा को भारत के साथ साथ अमेरिका के लिए भी खतरा बताया गया है। यूएस इंटेलिजेंस रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में चीन काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और वो साल 2030 तक अमेरिका को शीर्ष एआई शक्तिशाली देश होने की कुर्सी से बेदखल कर सकता है। मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट में खतरे का आकलन करते हुए कहा गया है कि रूस, ईरान, उत्तर कोरिया और चीन जानबूझकर अभियान चलाकर अमेरिका को चुनौती देना चाहता है, ताकि उसे लाभ मिल सके। इसके अलावा रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि यूक्रेन युद्ध ने पश्चिमी देशों के हथियारों, खुफिया जानकारी और लड़ाई के तरीके के बारे में अमेरिका के दुश्मनों को काफी कुछ सिखाया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने खुफिया प्रमुखों की तरफ से सीनेट खुफिया समिति के सामने गवाही से पहले जारी की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है, कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने फर्जी खबरें बनाने, लोगों की नकल करने और हमला करने वाले नेटवर्क को बनाने के लिए बड़े भाषा मॉडल का इस्तेमाल करने की योजना बनाई है। इसके जरिए चीन काफी आसानी से अफवाह फैला सकता है। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने समिति को बताया है कि चीन की सेना के पास हाइपरसोनिक हथियार, स्टील्थ फाइटर जेट्स, एडवांस पनडुब्बियां, मजबूत अंतरिक्ष और साइबर युद्ध प्रॉपर्टी और परमाणु हथियारों का बड़ा शस्त्रागार मौजूद है। इसके अलावा चीन अपनी लड़ने की क्षमता को एडवांस कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने बीजिंग को वाशिंगटन का सबसे सक्षम रणनीतिक प्रतियोगी करार दिया है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर प्रतिबंध लगा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका, पाकिस्तान के सेना प्रमुख पर प्रतिबंध लगा सकता है। इसे लेकर अमेरिका की संसद में एक विधेयक पेश किया गया है, जिसमें पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर राजनीतिक विरोधियों का दमन करने का आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। इस विधेयक में पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को जेल से रिहा करने की भी मांग की गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के दक्षिण कैरोलिना से रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन और कैलिफोर्निया के डेमोक्रेटिक सांसद जिमी पनेटा ने सोमवार को संसद में 'पाकिस्तान डेमोक्रेसी एक्ट' नामक विधेयक पेश किया।

रूस ने आतंकवाद के आरोप में पकड़े गए यूक्रेनियों को दोषी ठहराया

कीव ने बताया दिखावा

मॉस्को, 26 मार्च (एजेंसियां)। रूस की तरफ से बुधवार को यूक्रेन में लड़ाई के दौरान आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार किए गए 23 यूक्रेनियों को दोषी ठहराया है। वहीं रूस के इस फैसले की यूक्रेन की तरफ से निंदा की गई है और इसे दिखावा और अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन भी बताया गया है।

मामले में रूसी मीडिया रिपोर्टों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के अनुसार, अभियुक्तों में विशेष आजोव ब्रिगेड के 14 वर्तमान या पूर्व लड़ाके शामिल थे, जिसे रूस ने आतंकवादी समूह घोषित किया है।

इसमे कुल नौ महिलाएं और एक पुरुष शामिल थे, जो रसोइये या सहायक कर्मी के रूप में काम करते थे। इनमें से 12 आरोपी अदालत में मौजूद नहीं थे। 11 को पहले ही युद्धबंदियों की अदला-बदली के तहत यूक्रेन वापस भेजा जा चुका था, जबकि एक आरोपी की 2023 में जेल में मौत हो गई थी।

रूस ने इन सभी पर हिंसक तख्तापलट की साजिश और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया था। कुछ पर आतंकवादी हमले की ट्रेनिंग लेने का भी आरोप था। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता रूसी मानवाधिकार संगठन 'मेमोरियल' ने सभी दोषियों को 'राजनीतिक कैदी' करार दिया है।

वहीं, यूक्रेन के मुताबिक, इनमें से कई लोगों को 2022 में मारियुपोल शहर में पकड़ा गया था, जब वे अजोवस्ताल स्टील प्लांट में रूसी सेना के खिलाफ डटे हुए थे। कुछ को तब गिरफ्तार किया गया जब वे शहर छोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इधर, यूक्रेन के मानवाधिकार आयुक्त, ह्रित्रो लुबिनेत्स ने इस मुकदमे को रूस का दिखावटी नाटक बताया।

उन्होंने कहा, 'रूस और न्याय का कोई संबंध नहीं है। जो असली अपराधी हैं, वे नहीं बल्कि अपने देश की रक्षा करने वाले लोग कटघरे में खड़े हैं।' इसके साथ ही यूक्रेन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस फैसले पर सख्त प्रतिक्रिया देने की अपील की है।

पूर्व मंत्री पर विधायक हंसराज ने लगाए गंभीर आरोप

बोले- 'सगे 6 भाइयों के नाम जारी करवाए पट्टे'

करौली, 26 मार्च (एजेंसियां)। सपोटरा से भाजपा विधायक हंसराज मीना ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पंचायतीराज मंत्री एवं सपोटरा विधायक रहे रमेश चंद मीना पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने सर्किल हाउस में पत्रकार वार्ता में बताया कि पूर्व मंत्री रमेश चंद मीणा ने अपने सगे 6 भाइयों के नाम से नियमों के खिलाफ तहसील मण्डरायल के नयागांव (मोंगेपुरा) में आवासीय भूमि के पट्टे जारी करवाए।

साथ ही बताया कि इस संबंध में विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर पंचायतराज मंत्री मदन दिलावर ने सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी पर एसीबी में एफआईआर दर्ज करवाने, आवंटित पटटों को निरस्त करते हुए संबंधित भूमि पर से बेदखली करने की कार्रवाई तथा सरपंच के खिलाफ स्थाई निर्योग्यता की कार्रवाई प्रस्तावित की है।

विधायक हंसराज मीना ने बताया कि पूर्व मंत्री रमेश मीना तथा तत्कालीन सरपंच भूरसिंह व तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी विजेन्द्र कुमार (ग्राम पंचायत मोंगेपुरा) ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए पंचायतीराज अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन कर तथा निर्धारित प्रक्रिया नहीं अपनाकर गैर जरुरतमंद परिवारों को पट्टा जारी कर गरीबों के साथ अन्याय किया है।

विधायाक हंसराज मीना ने लगाए गंभीर आरोप

उन्होंने कहा कि जिन 6 भाईयों को पट्टा दिया गया है, उनमें से एक जिला परिषद करौली का जिला प्रमुख रहा है। दूसरा जलदाय विभाग में संविदाकर्मी तथा तीसरा भाई पीडब्ल्यूडी में ए क्लास का ठेकेदार है।

साथ ही उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत ने जो पट्टे आवास के लिए दिए थे। वहां आज बड़ी-बड़ी 40 दुकानें बनाकर व्यापारिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इस मौके पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन, करौली नगरपरिषद सभापति प्रतिनिधि सुशील शर्मा, मुकेश सालोत्री आदि मौजूद थे।

मुझ पर लगाए आरोप निराधार- रमेश मीना

इस मामले को लेकर पूर्व मंत्री रमेश चन्द मीना ने कहा कि 'मुझ पर लगाए गए आरोप निराधार हैं। जिस जमीन की बात है वह हमारी पुश्तैनी जमीन है। राजस्व विभाग से नियमानुसार जमीन का नामान्तरण कराया है। भाजपा विधायक द्वारा एक वर्ष के कार्यकाल में सपोटरा में मकान के अलावा ताजपुर पर खेत खरीदकर निर्माण कार्य करवाया जा रहा है एवं एक खान भी खरीद ली है। इनके भ्रष्टाचार की जांच होनी चाहिए।'

भारत युवा संसद में स्पीकर देवनानी ने की नेहरू की तारीफ

युवाओं को दी नसीहत- राजनीति में आएं, लेकिन राजनीति ना करें

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में राज्यस्तरीय विकसित भारत युवा संसद का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं की देश के विकास में भागीदारी को लेकर विचार-विमर्श हुआ। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय द्वारा पूरे देश में आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को आयोजित इस युवा संसद में 140 युवा प्रतिभागी अपने विचार रख रहे हैं, जिनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को राष्ट्रीय युवा संसद के लिए चुना जाएगा।

युवा संसद के उद्घाटन अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने युवाओं को नसीहत देते हुए कहा कि युवा राजनीति में भाग लें, लेकिन राजनीति न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सामने वाले को गिराकर आगे बढ़ना राजनीति नहीं, बल्कि अविश्वास पैदा करता है।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब नेहरू प्रधानमंत्री थे, तब वे श्यामा प्रसाद मुखर्जी और मधु

लिमये जैसे विपक्षी नेताओं के विचारों को सुनते थे और अच्छी चीजों को लागू करते थे। लेकिन आज राजनीति में अविश्वास हावी हो गया है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि आज संसद या देशभर की विधानसभा देखता हूं तो पीड़ा होती है। भ्रम फैलाना, जनता को प्रलोभन देकर किसी भी तरह सत्ता हासिल करने का वातावरण चिंता पैदा करता है।

इस दौरान वासुदेव देवनानी ने युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कुंठित मानसिकता और धैर्य की कमी इसकी प्रमुख वजह है। युवा अपनी क्षमताओं से अधिक सोचने लगते हैं, जिससे वे मानसिक दबाव में आ जाते हैं। उन्होंने युवाओं से धैर्य रखने और जीवन के उतार-चढ़ाव को समझने की अपील की।

उन्होंने कहा कि जब निराशा आए तो गीता पढ़ लीजिए, आपको धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन जरूर करना चाहिए। जीवन कैसा हो, इसके लिए रामायण पढ़िए। मैं कई बार एनालिसिस करता हूं कि सीता राजा की बेटी थी, उसके बाद उन्हें सुख कहां मिला? जैसे ही शादी होकर आईं, जंगल चली गईं और लौटकर आईं तो धरती में समा गईं। उन्हें राजसी वैभव का सुख कहां मिला। देवनानी ने कहा कि ये हमारे देश के आदर्श हैं, इन्हें जरूर पढ़ना चाहिए।

युवा संसद में विधानसभा स्पीकर ने भारत के इतिहास को लेकर भी महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भारत हजारों साल पुराना देश है। वास्कोडिगामा ने भारत को नहीं खोजा, भारत पहले से था। युवा विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ें, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक सपना है। विकसित भारत रेलगाड़ी, होटल से नहीं बनता, इसका मतलब है सर्वे भवन्तु सुखिन।

गौरतलब है कि राज्यस्तरीय युवा संसद में भाग ले रहे युवा अपने विचारों को प्रस्तुत कर नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा नीति-निर्माण प्रक्रिया को समझने और लोकतंत्र में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होंगे। इस आयोजन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन युवाओं को राष्ट्रीय युवा संसद के लिए चुना जाएगा, जहां वे अपने विचार राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत कर सकेंगे।

कल सीएम भजनलाल करेंगे बड़ी घोषणा! विभाग ने प्रस्ताव को दी मजूंरी

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार नगरीय निकाय, विकास प्राधिकरण और नगर विकास न्यास के अधिकारों को बढ़ाने जा रही है। निकाय न केवल पहले से अधिक आकार की भूमि का पट्टा जारी कर सकेंगे, बल्कि अधिक ऊंचाई की इमारतों की मंजूरी भी दे सकेंगे। अधिक आकार की भूमि का उप विभाजन और पुनर्गठन भी कर सकेंगे। स्वायत्त शासन मंत्री ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संभव है कि 28 मार्च को होने वाले

राजस्थान दिवस पर सीएम इसकी घोषणा कर सकते हैं। इससे पहले नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग की ओर से आदेश जारी किए जाएंगे।

विकास प्राधिकरण

25 हजार वर्ग मीटर तक के आवासीय और 10 हजार वर्ग मीटर तक के गैर आवासीय पट्टे जारी करना, 60 मीटर ऊंचाई तक की इमारत की दे सकेंगे स्वीकृति, यूआईटी व अन्य निकाय, 10 हजार वर्ग मीटर तक के आवासीय और 5 हजार वर्ग मीटर तक के भूखंडों के गैर आवासीय पट्टे जारी कर सकेंगे, 40 मीटर तक की ऊंचाई की इमारत की निर्माण स्वीकृति।

अन्य सभी निकाय

5 हजार वर्ग मीटर तक के आवासीय और 2500 वर्ग मीटर तक के गैर आवासीय भूखंडों के पट्टे, 30 मीटर ऊंचाई तक की इमारत की निर्माण स्वीकृति।

कांग्रेस संगठन में बदलाव, 47 संभाग और जिला प्रभारियों की सूची जारी

सबसे ज्यादा ओबीसी वर्ग से

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में संभाग और जिला प्रभारियों की नियुक्तियां की गई हैं। संगठन को सक्रिय और मजबूत करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने 47 संभाग और जिला प्रभारियों की सूची जारी की है। इसमें कुछ जगह पर प्रभारी हटाए गए हैं। वहीं कई प्रभारियों को इधर से उधर लगाया गया है।

नई नियुक्तियों में जातिगत और स्थानीय समीकरणों को साधने की कोशिश की गई है। सूची में सबसे ज्यादा 18 ओबीसी वर्ग से हैं।

इसमें नौ विधायकों को नौ पूर्व विधायकों को भी जिम्मेदारी दी

गई है।

महिलाओं को भी प्रभारी के पद पर लगाया गया है। इसमें आठ प्रभारी शामिल हैं। वहीं, दो अल्पसंख्यक चेहरों को संभाग और जिला प्रभारी के पद पर नियुक्ति दी गई है।

इनके साथ ही एसी-एसटी वर्ग से नौ और जनरल कैटेगरी के बने नौ प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। कुछ प्रभारियों को यथावत भी रखा गया है।

पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा का कहना है कि संगठन की मजबूती के लिए हर कदम उठाया जाएगा। जो नेता सक्रिय रहेगा और पार्टी के लिए काम करेगा, उसे ही अब मौका मिलेगा।

गौरतलब है कि पिछले दिनों जयपुर के कांग्रेस वॉर रूप में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की अध्यक्षता में बड़ी बैठक बुलाई गई थी।

इस बैठक में रंधावा ने बयान दिया था कि संगठन में निष्क्रिय पदाधिकारियों की छुट्टी होगी। इसी के तहत यह नियुक्तियां की गई हैं।

भारत माला रोड पर पुलिस की गाड़ी टकराई खड़े ट्रक से

तीन पुलिसकर्मियों की मौत

हनुमानगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत माला हाइवे पर बुधवार को खड़े ट्रक से पुलिस की जीप टकरा गई। हादसे में तीन पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई तथा एक पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गया। संगरिया कस्बे से करीब 20 किलोमीटर दूर हरियाणा के डबवाली थाना क्षेत्र में यह हादसा हुआ। सूचना मिलने पर डबवाली पुलिस मौके पर पहुंची तथा शवों को कब्जे में लेकर उनको राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। घायल पुलिस अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डबवाली थाना क्षेत्र में गुजरात पुलिस की गाड़ी भारतमाला हाइवे पर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे

में मरने वाले तीन पुलिसकर्मियों में से दो की पहचान एपीओ सीओ सुनील कुमार तथा यूएचसी प्रकाश भात के रूप में हुई है। समाचार लिखे जाने तक तीसरे पुलिसकर्मी की पहचान नहीं हो सकी थी। हादसे में गंभीर घायल एसआई जयइंद्रा सिंह सदमे में हैं और वह कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं हैं। मृतक और घायल पुलिसकर्मी अहमदाबाद सिटी थाना के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। डबवाली पुलिस ने गुजरात पुलिस को हादसे की सूचना देकर जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की पुलिस गहराई से जांच कर रही है।

पुलिस कांस्टेबल को गिरफ्तार कर जेल भेजा

कमिश्नर समेत छह अधिकारियों पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ सहित कई पुलिसकर्मियों को अपशब्द बोलने वाले पुलिस कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह को विधायकपुरी थाना पुलिस ने सोमवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस कांस्टेबल सुरेन्द्र ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर 20 मार्च को एक वीडियो पोस्ट कर छह पुलिस अधिकारियों सहित एक निजी व्यक्ति के खिलाफ गलत टिप्पणी की थी। इस पर हरजी खटीक की ओर से विधायकपुरी थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखकर आरोपी पुलिस कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है।

सहायक पुलिस आयुक्त अशोक नगर बालाराम चौधरी ने बताया कि आरोपी पुलिस कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह ने बीस अधिकारियों को अपशब्द कहे थे। हरजी खटीक की ओर से विधायकपुरी थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई गई। आरोपी पुलिस कांस्टेबल सुरेन्द्र को घटना के बाद सस्पेंड कर दिया गया था।

आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी इस प्रकार की कई शिकायतें सामने आई हैं। इनकी जांच की जा रही है। वहीं आरोपी पुलिस कांस्टेबल से पूछताछ की गई तो उसने नशे में होना कारण बताया। पुलिस जांच कर रही है कि आखिर पुलिस कांस्टेबल ने इतने गंदे शब्दों का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर कुछ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ क्यों किए। आखिर वह किस बात को लेकर ऐसा बोल रहा था, इस पर जांच की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने किया पचपदरा-बागुंडी राष्ट्रीय राजमार्ग का औचक निरीक्षण, काम में देरी पर जताई नाराजगी

बालोतरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पचपदरा-बागुंडी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-25) खंड का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की धीमी गति और गुणवत्ता में हो रही लापरवाही को लेकर गहरी नाराजगी जताई। उपमुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद ठेकेदार, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर और कार्यकारी अभियंता को फटकार लगाते हुए निर्देश दिया कि जल्द से जल्द काम में तेजी लाई जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के सख्त आदेश भी दिए।

गौरतलब है कि पचपदरा-बागुंडी राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 22 किलोमीटर है और इसका निर्माण कार्य वर्ष 2022 में शुरू हुआ था। इस परियोजना को दिसंबर 2024 तक पूरा होना था लेकिन अब तक मात्र 60 प्रतिशत

काम ही पूरा हो सका है। निर्माण कार्य की सुस्त गति को देखते हुए उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि इस तरह की लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह राजमार्ग क्षेत्र के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इसके निर्माण में अनावश्यक देरी जनता के हितों के खिलाफ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा करने का निर्देश दिया और साथ ही गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि जनता को बेहतर सड़क सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिकता है। निर्माण कार्य में देरी और घटिया गुणवत्ता किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कार्य तय समय सीमा में पूरा हो और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

फलोदी में भीषण हादसा, चकनाचूर हुई कार

पति-पत्नी सहित 3 लोगों की दर्दनाक मौत

जोधपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के फलोदी जिले में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में एक मासूम सहित 2 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची शेरगढ़ थाना पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, मृतकों के शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया दिया है। जिनका आज पोस्टमार्टम होगा।

पुलिस के मुताबिक हादसा शेरगढ़ थाना क्षेत्र के चाबा गांव में हुआ। कार सवार 5 लोग जैसलमेर से जोधपुर की तरफ जा रहे थे। तभी पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक बच्चा सहित दो लोग घायल हो गए। जिनमें से एक को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर किया गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अजय कुमार निवासी करणपुरा हनुमानगढ़, गुणेशाराम चौधरी और उनकी पत्नी ममता चौधरी निवासी बरजासर बीकानेर के रूप में हुई है। हादसे में कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला। घायल गिरधारीराम निवासी डूंगरगढ़ बीकानेर और एक मासूम बच्चे को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन, गिरधारीराम को गंभीर हालत में जोधपुर रेफर कर दिया। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग छूटा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

अवैध अतिक्रमण पर चला पीला पंजा

27 पक्की दुकानें ध्वस्त, 5 बीघा जमीन मुक्त कराई

जोधपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त उत्साह चौधरी के निर्देशानुसार प्राधिकरण के अतिक्रमण निरोधक दस्ते द्वारा अवैध निर्माणों, अवैध कॉलोनियों, पार्किंग के इतर निर्मित बहुमंजिला इमारतों एवं विभिन्न अन्य अतिक्रमणों पर नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। प्राधिकरण दस्ते द्वारा मुख्य जोधपुर जैसलमेर हाईवे ग्राम केरू के खसरा संख्या 812 व 1256 में प्राधिकरण की भूमि पर किए गए अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया। जेडीए दस्ते द्वारा जैसलमेर हाईवे ग्राम केरू के खसरा संख्या 812 व 1256 का निरीक्षण किया गया। दस्ते द्वारा मौका निरीक्षण करते हुए उक्त खसरों में प्राधिकरण की भूमि पर अनधिकृत रूप से 27 पक्की दुकानों एवं लगभग 5 बीघा भूमि पर किए गए अतिक्रमणों को तीन जेसीबी व दो ट्रैक्टर की सहायता से ध्वस्त कर हटाया गया तथा अतिक्रमण मुक्त भूमि पर जोधपुर विकास प्राधिकरण के साइन बोर्ड लगाए गए। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन अधिकारी जोगेन्द्रसिंह चौधरी, प्रवीण गहलोत, भू-अभिलेख निरीक्षक किशोर सिंह, प्रवर्तन निरीक्षक अनिल शर्मा, योगेश गहलोत, पटवारी दुर्गा महला, राहुल बोयत, राजस्व पटवारी केरू दमाराम, एसएचओ सुरेश पोटलिया पुलिस थाना राजीव गांधी नगर व पुलिस लाइन का जाप्ता मय जेडीए दस्ता मौजूद रहा।

2500 टन अवैध बजरी के स्टॉक के साथ जेसीबी और कार जब्त

जोधपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट की लूणी थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2500 टन अवैध बजरी का स्टॉक जब्त किया है। पुलिस ने मौके से एक जेसीबी, एक कार और एक आरोपी अनिल विश्नोई को गिरफ्तार किया है।

कार्रवाई का विवरण

लूणी थाना अधिकारी हनुमंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि अवैध बजरी के परिवहन और स्टॉक को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने धींगाण सरहद में छापा मारा, जहां 138 डंपर बजरी का अवैध स्टॉक पाया गया। इसकी अनुमानित कीमत 34 लाख रुपये है।

पुलिस टीम ने मौके पर खनिज विभाग को भी बुलाया और कार्रवाई की पूरी जानकारी दी। छापेमारी के दौरान एक आरोपी अनिल पुत्र हरलाल विश्नोई, निवासी गुड़ा विश्नोइयां, को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक अन्य आरोपी डंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

आरोपी पर पहले से दर्ज मामले

थाना अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अनिल विश्नोई के खिलाफ पहले भी बासनी, कूड़ी भगतासनी और लूणी थानों में पांच मामले दर्ज हैं। पुलिस अब फरार आरोपी को पकड़ने और पूरे मामले की विस्तृत जांच करने में जुटी है।

अजमेर रेलवे स्टेशन पर 1.34 किलो सोने की ज्वेलरी के साथ युवक गिरफ्तार

1 करोड़ से अधिक है कीमत

अजमेर, 26 मार्च (एजेंसियां)। अजमेर रेलवे सुरक्षा बल ने अजमेर रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान 1 करोड़ 20 लाख 96 हजार रुपये मूल्य की 1 किलो 344 ग्राम सोने की ज्वेलरी बरामद की है। यह कार्रवाई सोमवार रात मदार गेट प्रवेश द्वार पर की गई। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि बैगेज स्कैनर मशीन ड्यूटी पर तैनात महिला कांस्टेबल उर्मिला ओला और होमगार्ड राजकमल ने एक संदिग्ध बैग को स्कैन किया, जिसमें रंग-बिरंगी चीजें दिखाई दीं। इसके बाद बैग लेकर जा रहे व्यक्ति को रोककर पूछताछ की गई। जब उससे बैग खोलने को कहा गया, तो वह टालमटोल करने लगा।

बैग लेकर जा रहे युवक की पहचान रितिक लोढ़ा (25), निवासी बी-406 रमेश अपार्टमेंट, नरसिंह सेन, मलाड (वेस्ट), मुंबई तथा हाल निवासी बापूनगर, भीलवाड़ा के रूप में हुई। सूचना मिलते ही ड्यूटी अधिकारी सहायक उपनिरीक्षक राकेश मौके पर पहुंचे और युवक से सख्ती से पूछताछ की और उसके बैग से मिले प्लास्टिक के बड़े डिब्बे से थैलियों में पैक सोने के आभूषण अंगूठियां, पेंडल, नेकलेस, ब्रेसलेट और कानों की बालियां बरामद कीं। आभूषणों के बारे में वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।इसके बाद आरपीएफ ने मामले की पूरी जानकारी जीआरपी को दी और आरोपी को आभूषणों के बैग के साथ जीआरपी थाने के ड्यूटी अधिकारी सहायक उप निरीक्षक भंवरलाल को सौंप दिया।

सीएम रेवंत रेड्डी ने कांचा गच्चीबोवली भूमि नीलामी का किया बचाव

पर्यावरण संबंधी चिंताओं को किया खारिज

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ती आलोचना के बीच मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने औद्योगिक विकास के लिए कांचा गचीबोवली की जमीन की नीलामी करने के कांग्रेस सरकार के फैसले का बचाव करने का प्रयास किया, विपक्षी दलों, छात्रों और पर्यावरणविदों के विरोध को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आलोचकों पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि इस जमीन का हैदराबाद विश्वविद्यालय से कोई संबंध नहीं है। बुधवार को विधानसभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह भूमि 25 साल पहले एक निजी संस्था को सौंप दी गई थी और यह विश्वविद्यालय के स्वामित्व में नहीं थी। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने इसे पुनः प्राप्त करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ी है और अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने के लिए इसे खुली नीलामी के लिए टीजीआईआईसी को सौंप दिया है।

'विकास में बाधा डाल रही चालाक लोमड़ी'

उन्होंने पर्यावरण संबंधी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि उस क्षेत्र में कोई बाघ या हिरण नहीं है, लेकिन कुछ चालाक लोमड़ी विकास में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी समूह छात्र विरोध को भड़का रहे हैं और परियोजना में देरी के लिए जनहित याचिकाएँ (पीआईएल) दायर कर रहे हैं। अपने तर्क को सही ठहराने के लिए मुख्यमंत्री ने पूछा कि जब पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश सरकार के दौरान आईएमजी भारत जैसी धोखाधड़ी वाली फर्मों को ये जमीनें दी गईं, तब कोई विरोध क्यों नहीं हुआ। उन्होंने पूछा कि क्या आप औद्योगिक विकास का विरोध करते हैं? क्या आप तेलंगाना के युवाओं के लिए नौकरियां नहीं चाहते? उन्होंने विपक्ष से सीधे विरोध करने के बजाय मुआवजे के उपाय सुझाने का आग्रह किया। उन्होंने बीआरएस विधायक टी हरीश राव से क्षेत्रीय रिंग रोड और फ्यूचर सिटी जैसी प्रमुख परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करने को कहा। रेवंत रेड्डी ने दल-बदल करने वाले विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनावों की अटकलों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने अतीत के उदाहरणों का हवाला देते हुए कहा कि दल-बदल करने वाले नेताओं को उपचुनावों का सामना किए बिना ही मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया था, उन्होंने कहा कि यही परंपरा अब भी जारी रहेगी।

'कोई उपचुनाव नहीं होगा, चिंता न करें'

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा की चली तो 2029 में वन नेशन-वन इलेक्शन के तहत विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। किसी भी सदस्य को चिंता नहीं करनी चाहिए, कोई उपचुनाव नहीं होगा। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दलबदलू विधायकों के खिलाफ मामले के बाद आसन्न उपचुनावों के बीआरएस के दावों को कमतर आंकते हुए कहा। उन्होंने यह स्पष्ट करने का प्रयास किया कि विभिन्न दलों के विधायकों के साथ बैठकें केवल उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए थीं, लेकिन मीडिया में तस्वीरें और वीडियो प्रकाशित करके उन्हें राजनीतिक दलबदल के रूप में गलत रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन सट्टेबाजी पर नकेल कसने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की भी घोषणा की, जिसमें ऐप डेवलपर्स, प्रमोटरों और लाभार्थियों के लिए कठोर दंड का वादा किया गया। उन्होंने इस संबंध में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को सख्ती से लागू करने की कसम खाई। हाल ही में एमएमटीएस ट्रेन में बलात्कार के प्रयास की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने तर्क दिया कि अपराध का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता, तथा दावा किया कि मामला रेलवे पुलिस के अधिकार क्षेत्र में होने के बावजूद सरकार ने त्वरित कार्रवाई की है।

तेलंगाना विधानसभा समिति हॉल में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ सिस्को टीम की बैठक हुई। सिस्को ने कौशल विश्वविद्यालय में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। मंत्री श्रीधर बाबू, सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी समेत अन्य आला अधिकारी शामिल हुए।

थल सेनाध्यक्ष ने सिकंदराबाद छावनी में दिग्गजों को अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी में एक भव्य और प्रतिष्ठित समारोह में जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) ने समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए चार प्रतिष्ठित दिग्गजों को वेटरन्स अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल राजीव सिसौदिया (सेवानिवृत्त), मेजर जी शिव किरण (सेवानिवृत्त), कैप्टन बंदी वेणु (सेवानिवृत्त) और नायक लिंगाला जगन रेड्डी (सेवानिवृत्त) ने अपने सैन्य करियर से परे समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। लेफ्टिनेंट कर्नल राजीव सिसौदिया (सेवानिवृत्त) ने ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक में स्वैच्छिक सेवाओं के माध्यम से दिग्गजों और विधवाओं का समर्थन करने के लिए खुद को समर्पित किया है। वंचित स्कूलों में फैकल्टी और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में उनके योगदान ने महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसके अतिरिक्त, उनकी निस्वार्थ सेवा वृद्धाश्रमों और अनाथालयों तक फैली हुई है, जहाँ वे सहायता और समर्थन प्रदान करना जारी रखते हैं। मेजर जी शिव किरण (सेवानिवृत्त) सुकुकी एक्सनोरा एनजीओ के पीछे दूरदर्शी हैं, जिसने हैदराबाद में अपशिष्ट प्रबंधन को बदल दिया है। उन्होंने 50 विकेन्द्रीकृत शून्य अपशिष्ट परियोजनाओं की स्थापना की है और स्वच्छ ऑटो ट्रॉली नेटवर्क का बीड़ा उठाया है - 20 लाख से अधिक घरों की सेवा करने वाली 4,500 ट्रॉलियों का एक बेड़ा। जीएचएमसी द्वारा स्वच्छ भारत राजदूत के रूप में मान्यता प्राप्त, उनकी पहल ने शहरी अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता में एक बेंचमार्क स्थापित किया है। कैप्टन बंडी वेणु (सेवानिवृत्त) ने अनाथालयों और वृद्धाश्रमों के लिए प्रतिदिन एक पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करते हुए, पहले से इस्तेमाल किए गए कपड़ों को इकट्ठा करके और वितरित करके वंचितों की सेवा करने का बीड़ा उठाया है। माथरू फाउंडेशन में एक सक्रिय स्वयंसेवक के रूप में, वे अंधे व्यक्तियों और ज़रूरतमंदों को आश्रय और सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नाइक लिंगला जगन रेड्डी (सेवानिवृत्त) भूतपूर्व सैनिकों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में एक प्रेरक शक्ति रहे हैं। उनके गहन विश्लेषण और अटूट प्रयासों ने उन्हें राष्ट्रीय भूतपूर्व सैनिक समन्वय समिति (एनईएक्ससीसी) का संस्थापक सदस्य बना दिया, जो भारत सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त एक संगठन है। अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण, वे एनईएक्ससीसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद तक पहुँचे हैं, जहाँ वे दिग्गजों के कल्याण की वकालत करते रहते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जनरल उपेंद्र द्विवेदी, सीओएएस ने पुरस्कार विजेताओं की उनके अथक योगदान के लिए सराहना की, उन्होंने कहा, ये दिग्गज निस्वार्थ सेवा के लोकाचार का उदाहरण हैं, जो भारतीय सेना की भावना को नागरिक जीवन में आगे बढ़ाते हैं। सामाजिक कल्याण, पर्यावरणीय स्थिरता और दिग्गजों के समर्थन के प्रति उनका समर्पण सभी के लिए प्रेरणा का काम करता है। सिकंदराबाद छावनी में सम्मान समारोह ने अपने दिग्गजों के प्रति सेना के गहरे सम्मान और कृतज्ञता को रेखांकित किया, जो असाधारण तरीकों से देश की सेवा करना जारी रखते हैं। उनके प्रयास न केवल समाज का उत्थान करते हैं, बल्कि उनके सैन्य कार्यकाल के दौरान उनमें स्थापित करुणा, अखंडता और प्रतिबद्धता के मूल्यों को भी सुदृढ़ करते हैं।

संयुक्त परिवार एकल परिवार से बेहतर है : एम. गोपालकृष्ण

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत संयुक्त परिवारों के लिए जाना जाता है, जिसमें कई पीढ़ियाँ एक साथ रहती हैं। लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। अब हम देख रहे हैं कि ज़्यादातर परिवार एकल परिवार के रूप में रहना पसंद करते हैं और संयुक्त परिवार की परंपरा खत्म होती जा रही है। संयुक्त परिवार हमेशा एकल परिवार से बेहतर होता है। 'लाइफ ऑफ ए कर्मा योगी- मेमोयर्स ऑफ ए सिविल सर्वेंट' के लेखक एम. गोपालकृष्ण, आईएएस, (सेवानिवृत्त) ने कहा कि संयुक्त परिवार में सहिष्णुता सबसे अच्छी संस्कृति है। 85 वर्षीय सेवानिवृत्त नौकरशाह एफटीसीसीआई और हैदराबाद प्रबंधन संघ के पूर्व अध्यक्ष अय्यादेवरा श्रीनिवास के साथ एक फायरसाइड चैट में थे। उन्होंने कहा कि यह बातचीत फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) और हैदराबाद प्रबंधन संघ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी।

पुस्तक, लाइफ ऑफ ए कर्मा योगी, तीन पीढ़ियों में स्वतंत्रता से पहले और बाद के भारत के जीवन का एक चित्रमाला है। यह सिविल सेवाओं, स्टील फ्रेम के लोकाचार को दर्शाता है, जिसने एक पुनरुत्थानशील भारत के विकास की नींव रखी है। पुस्तक साठ वर्षों में एक सिविल सेवक के संस्मरणों का वृत्तांत देती है, जिसमें भारत के शांति, सामाजिक-आर्थिक विकास और आर्थिक विकास की खोज के प्रयासों को आकार देने वाली ऐतिहासिक घटनाओं को शामिल किया गया है ताकि यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सके। दुनिया, मॉडरेटर ने घोषणा की। गोपालकृष्ण ने कहा, "मैं असम में तैनात पहला तेलुगु अधिकारी था", और भारत के पूर्वोत्तर राज्य में नौकरशाह के रूप में सेवा करने के कई अनुभव साझा किए। अपने कुछ अनुभवों को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि उनके तत्कालीन मुख्यमंत्री टी. अंजैया के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध थे। गोपालकृष्ण ने वाणिज्यिक कर आयुक्त के रूप में पहली बार आंध्र प्रदेश में शराब पर वैट (मूल्य वर्धित कर) पेश किया।

जब उनसे जलागम वेंगल राव, डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी और एनटी रामा राव के बीच उनके द्वारा काम किए गए सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्रियों को रेट करने के लिए कहा गया, तो अस्सी वर्षीय ने कहा कि जलागम वेंगल राव काम करने के लिए सबसे अच्छे सीएम थे। डॉ. चन्ना रेड्डी अपना काम करने में सबसे अच्छे थे। एनटी रामा राव में सिनेमाई चमक थी, और चंद्रबाबू नायडू एक शांत, गणना करने वाले और अच्छे प्रशासक थे, उन्होंने 300 से अधिक दर्शकों को बताया। आईएएस उम्मीदवारों को संदेश देने के लिए पूछे जाने पर, श्री गोपालकृष्ण ने कहा कि उनमें 'मैं कर सकता हूँ' की भावना होनी चाहिए। उन्होंने युवा उम्मीदवारों से कहा कि वे कभी यह न कहें कि 'मैं नहीं कर सकता'।

एफटीसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि एम. गोपालकृष्ण का शानदार करियर कई लोगों के लिए प्रेरणा रहा है। एक नौकरशाह और एक शिक्षाविद दोनों के रूप में उन्होंने सार्वजनिक सेवा और शासन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके व्यावहारिक लेखन सिविल सेवकों और पेशेवरों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में काम करना जारी रखते हैं। एचएमए के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर, एचएमए के सचिव, एफटीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर. रवि कुमार और एफटीसीसीआई के उपाध्यक्ष केके माहेश्वरी, एफटीसीसीआई की सचिव वीणा और कई सेवानिवृत्त नौकरशाह, उद्योग जगत के नेताओं ने बैठक में भाग लिया।

यूपीआई डाउन: कई ऐप्स पर लोगों को आई दिक्कत, ट्रांजैक्शन फेल

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। पूरे देश में यूपीआई सेवाएं कुछ समय के लिए बंद रहीं। इससे बहुत से यूजर्स को परेशानी हुई। डाउनडिटेक्टर के अनुसार, शाम 7:50 बजे तक यूपीआई में खराबी की 2,750 शिकायतें दर्ज की गईं। गूगल पे के 296 यूजर्स ने भी शिकायत की। पेटीएम ऐप को लेकर 119 और भारतीय स्टेट बैंक प्लेटफॉर्म पर 376 यूजर्स ने आउटेज की शिकायत की। एसबीआई के ज्यादातर यूजर्स ने फंड ट्रांसफर और ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं में दिक्कत बताई। जनवरी में यूपीआई ट्रांजैक्शन 16.99 अरब को पार कर गया। इसका मूल्य 23.48 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा था। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह अब तक का सबसे ज्यादा आंकड़ा है।

यूपीआई सेवाएं कुछ समय के लिए बंद होने से यूजर्स परेशान हुए। कई लोगों को पेमेंट करने में दिक्कत आई। डाउन डाक्टर वेबसाइट के अनुसार, यूपीआई में खराबी की बहुत सी शिकायतें मिलीं। गूगल पे, पेटीएम और एसबीआई के यूजर्स ने सबसे ज्यादा शिकायतें कीं।

एक 'एक्स'यूजर ने लिखा, 'मैंने पहली बार यूपीआई में खराबी देखी है। बैंक या गेटवे नहीं, बल्कि @UPI_NPCI में दिक्कत थी। वैसे, फरवरी में यह 100% ठीक था।' इसका मतलब है कि यूजर को यूपीआई के सिस्टम में ही दिक्कत लगी, न कि बैंक में।

एक और यूजर ने लिखा, 'यह क्या बकवास है? यूपीआई काम नहीं कर रहा है। मेरे पैसे कट गए, लेकिन मेरे दोस्त के खाते में नहीं पहुंचे @UPI_NPCI।'

दिल्ली में आसमान से बरस रही आग!

38 डिग्री को पार कर गया पारा, तीन साल बाद मार्च महीने में इतनी गर्मी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज मार्च का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, बुधवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पिछले तीन सालों में मार्च का सबसे ऊंचा तापमान है। इससे पहले 31 मार्च 2022 को दिल्ली में अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो अब तक का सबसे गर्म रिकॉर्ड था।

मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। आज सुबह से ही तेज धूप और शुष्क हवाओं ने लोगों को परेशान किया। रिज क्षेत्र के निगरानी केंद्र ने भी तापमान में असामान्य बढ़ोतरी की पुष्टि की।

दिन के दौरान आर्द्रता का स्तर 20-50% के बीच रहा, जिससे गर्मी का अहसास और तेज हो गया।

हालांकि, राहत की खबर यह है कि मौसम विभाग ने गुरुवार, 27 मार्च से तापमान में कमी की भविष्यवाणी की है। IMD के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से दिल्ली और आसपास के इलाकों में तेज हवाएं चलेंगी, जिससे तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट संभव है।

दोनों पुस्तकें सशस्त्र बलों की अटूट भावना को व्यक्त करती हैं : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

सीओएएस को दो प्रतिष्ठित पुस्तकें भेंट की गई

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सैन्य नेतृत्व, लचीलापन और सैनिक भावना का जश्न मनाने वाले एक महत्वपूर्ण क्षण में, जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम, सेना प्रमुख (सीओएएस) को दो प्रतिष्ठित पुस्तकें एयर वाइस मार्शल अर्जुन सुब्रमण्यम (सेवानिवृत्त) द्वारा शूटिंग स्ट्रेट और कर्नल भूपिंदर सिंह चिब द्वारा द आर्मी इन मी भेंट की गई। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना की समृद्ध विरासत और इसके अधिकारियों के अमूल्य अनुभवों को रेखांकित किया गया। शूटिंग स्ट्रेट लेफ्टिनेंट जनरल रोस्टम के. नानावट्टी की एक आकर्षक जीवनी है, जो अपने अनुकरणीय नेतृत्व और रणनीतिक कौशल के लिए प्रसिद्ध एक प्रतिष्ठित अधिकारी हैं। यह पुस्तक सैन्य अभियानों में उनके योगदान और आधुनिक सैन्य विचार को आकार देने में उनकी भूमिका के बारे में गहन जानकारी प्रदान करती है। उनकी विरासत सैन्य नेताओं और रणनीतिकारों को प्रेरित करती रहती है। द आर्मी इन मी कर्नल भूपिंदर सिंह चिब द्वारा लिखी गई एक निजी संस्मरण है, जो एक सैनिक के जीवन को परिभाषित करने वाले मूल्यों, अनुशासन और अनुभवों पर प्रकाश डालती है। यह इस संदेश को पुष्ट करती है कि भारतीय सेना केवल एक करियर नहीं है, बल्कि खुद से भी बड़े मूल्यों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता है। इस अवसर पर बोलते हुए, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने साहित्यिक योगदान की सराहना की, सशस्त्र बलों के लोकाचार को संरक्षित करने में उनके महत्व पर प्रकाश डाला। ये पुस्तकें केवल कथाएँ नहीं हैं; ये हमारे सशस्त्र बलों की अदम्य भावना के प्रमाण हैं। वे योद्धाओं की भावी पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ के रूप में काम करेंगी, उनमें नेतृत्व, बलिदान और कर्तव्य के प्रति समर्पण के सिद्धांतों को स्थापित करेंगी। दोनों पुस्तकें सशस्त्र बलों की अटूट भावना को व्यक्त करती हैं और सैन्य साहित्य में अमूल्य योगदान के रूप में काम करती हैं, जो पाठकों को - रक्षा समुदाय के भीतर और बाहर - नेतृत्व, रणनीतिक सोच और राष्ट्र के प्रति सैनिक की प्रतिबद्धता पर गहन सबक प्रदान करती हैं। यह प्रस्तुति भारतीय सेना की प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष और परिवर्तन के दशक के तहत चल रही पहलों के अनुरूप है, जो आधुनिक युद्ध और सैन्य लोकाचार में निरंतर सीखने और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

सीरवी समाज का भैल बधावा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद: अलियाबाद स्थित सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा समाज बन्धुओं के तत्वावधान में शिक्षा समिति प्लॉट क्रिकेट ग्राउंड में दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत जागरण एवं भैल बधावा सम्मान समारोह कार्यक्रम मंगलवार 25 मार्च प्रात: 9.15 बजे भव्यरुप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्त रुप से बताया कि प्रथम दिवस पारसीगुटा श्री आईमाताजी मंदिर में जागरण एवं बोलियों का विशेष कार्यक्रम एवं दूसरे दिन शिक्षा समिति प्लॉट क्रिकेट ग्राउंड पर प्रात: 9.15 बजे से रंगारंग गैर नृत्य, महिलाओं द्वारा कलश यात्रा व लाभार्थी परिवार द्वारा भैल बधावा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों, विभिन्न समाजों के पदाधिकारियों व बधावा कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार भैल बधावा सुकनलाल लचेटा मिरजालगुड़ा, भोजन-प्रसादी नारायणलाल गेहलोत कापरा, माताजी की ज्योत नारायणलाल काग रामनगर, पुष्प-हार हिरालाल खंडाला बेगम बाजार का राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान किया गया। बत्तौर अतिथि बोलते हुए दीपाराम काग ने श्री आईमाताजी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि माई की कृपा से देश के विभिन्न क्षेत्रों में सीरवी समाज बन्धु अपनी मेहनत, ईमानदारी, कार्य के प्रति लगन व अपने अराध्य देव के प्रति आस्था, पुजा-अर्चना से सुख-समृद्ध है। शिक्षा के प्रति युवाओं को संस्कारी कर, उच्च शिक्षा दिलाने से समाज का चहुमुखी विकास हो सकता है। पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समाज के अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, रमेश पंवार, सचिव नारायणलाल काग, सहसचिव हिराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार चोलाराम हाम्बड़, परसराम बर्फा, जसवन्त देवड़ा, मनोनित सदस्य कालुराम काग, रामलाल परिहार, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, उपाध्यक्ष मांगीलाल हाम्बड़, वोराराम भायल, सचिव चेलाराम भायल, सहसचिव रमेश परिहार, कोषाध्यक्ष हिमताराम हाम्बड़, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल अध्यक्ष सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्ष इन्द्रादेवी आगलेचा, अनिता सोयल, सचिव निर्मला देवड़ा, सहसचिव कविता सोलंकी, कोषाध्यक्ष नीलू लचेटा, सलाहकार गवरीदेवी परिहार, मंजूदेवी सोलंकी उपस्थित रहे। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, लाबुराम पंवार व सुशीला देवड़ा ने भैल बधावा कार्यक्रम के सफल आयोजन में पधारे सभी समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट किया। मंच का संचालन नारायणलाल काग ने किया।

कुमावत समाज उप्पल काचवानी सिंगारम के संरक्षक अमरचन्द अडानिया, भीयाराम मंगलोड़ा, लिखमाराम मनावत, रमेश अडानिया, सोहनलाल मावर, तेजाराम घोड़ावड़, श्रीकृष्णा अडानिया को 14 अप्रेल राधाकृष्णा मंदिर श्री जगतगुरु केवल रामाचार्यजी मंदिर, श्री कुबाजी महाराज मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का निमंत्रण देते हुए कुमावत समाज विकास संस्थान बिबवेवाड़ी पूणे महाराष्ट्र के पदाधिकारी रिकेश मावर, राजूराम माल व अन्य।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सरकार ने विनेश फोगाट को दिया नौकरी का ऑफर

4 करोड़ और प्लॉट भी मिलेगा

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा की बीजेपी सरकार ने रेसलर विनेश फोगाट को सरकारी नौकरी का ऑफर दिया है। यह ऑफर तब दिया गया है, जब वह कांग्रेस के टिकट पर एमएलए बन चुकी हैं। कैबिनेट मीटिंग में विनेश को सिल्वर मेडलिस्ट जैसे सम्मान के तौर पर 3 चॉइस दी गईं। जिसमें नौकरी के अलावा 4 करोड़ कैश और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से प्लॉट का भी ऑफर दिया गया है। 2024 में हुए पेरिस ओलिंपिक में विनेश फोगाट फाइनल मुकाबले तक पहुंची थी। हालांकि 100 ग्राम बढ़े वजन की वजह से वह फाइनल मुकाबला खेलने से पहले ही बाहर हो गईं। जिसके बाद सीएम नायब सैनी ने विनेश का सिल्वर मेडलिस्ट जैसा सम्मान करने का ऐलान किया था। हालांकि इस बारे में विनेश फोगाट की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

पेरिस ओलिंपिक में 1 दिन में 3 पहलवानों को हराया

विनेश फोगाट ने 50 किग्रा वेट कैटेगरी में 6 अगस्त 2024 को 3 मैच खेले। प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने टोक्यो ओलिंपिक की चैंपियन यूई सुसाकी को हरा दिया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने यूक्रेन और सेमीफाइनल में क्यूबा की रेसलर को पटखनी दी। विनेश फाइनल में पहुंचने वालीं पहली भारतीय महिला रेसलर बन गईं।

डाइट से वजन बढ़ा, घटाने को नाखून-बाल तक काट दिए

सेमीफाइनल तक 3 मैच खेलने के दौरान उन्हें प्रोटीन और एनर्जी के लिए खाना-पानी दिया गया। जिससे उनका वजन 52 किलो 700 ग्राम हो गया। विनेश के पास वेट वापस 50KG लाने के लिए सिर्फ 12 घंटे थे। रातभर विनेश वजन कम करने की कोशिश में लगी रहीं। विनेश पूरी रात नहीं सोईं और वजन को तय कैटेगरी में लाने के लिए जॉगिंग, स्किपिंग और साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करती रहीं। विनेश ने अपने बाल और नाखून तक काट दिए थे। उनके कपड़े भी छोटे कर दिए गए थे। फाइनल के दिन वजन ज्यादा मिला, घटाने को सिर्फ 15 मिनट थे

7 अगस्त की सुबह नियम के अनुसार दोबारा से विनेश के वजन की जांच की गई। उनका वजन ज्यादा निकला। उन्हें 15 मिनट मिले, लेकिन आखिरी बार वजन में भी वह 100 ग्राम अधिक निकलीं। जिसके बाद उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया।

विनेश ने अयोग्य करार देने के खिलाफ अपील की

इसके बाद विनेश ने अयोग्य करार देने पर खेल कोर्ट में अपील की। जिसमें विनेश ने फाइनल मुकाबला खेलने देने की अपील की। यह संभव नहीं था तो विनेश ने अपील बदलकर कहा कि सेमीफाइनल तक उनका वजन नियमों के अनुरूप था। उन्हें जॉइंट सिल्वर मेडल दिया जाए। उनकी अपील पर सुनवाई शुरू हुई।

विनेश ने मां से माफी मांगते हुए संन्यास लिया

ओलिंपिक मेडल से चूकने के बाद विनेश फोगाट ने 8 अगस्त 2024 को कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। उन्होंने सुबह 5.17 बजे सोशल मीडिया पोस्ट लिखी। विनेश ने लिखा- "मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी।

खेल कोर्ट ने याचिका खारिज की

इसके बाद विनेश फोगाट की याचिका पर खेल कोर्ट में सुनवाई चली। हालांकि पेरिस ओलिंपिक खत्म होने के बाद इसका फैसला आया, जिसमें उनकी याचिका खारिज कर दी गई। जिसके बाद विनेश बिना मेडल के ही देश वापस लौटीं। यहां दिल्ली एयरपोर्ट से लेकर पैतृक गांव बलाली तक उनका काफिले के तौर पर स्वागत किया गया।

कांग्रेस में शामिल हुई, पहला चुनाव लड़कर विधायक बनीं

विनेश फोगाट ने देश लौटकर दिल्ली में राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके बाद बजरंग पूनिया के साथ मिलकर कांग्रेस जॉइन कर ली। कांग्रेस ने विनेश को जींद की जुलाना सीट से टिकट दिया। जहां से विनेश चुनाव जीतकर पहली बार में ही एमएलए बन गईं।

'क्या राहुल द्रविड़ अच्छे रोल मॉडल नहीं'

सुनील गावस्कर ने साधा गौतम गंभीर पर निशाना

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। इस महीने पाकिस्तान में खेली गई चैम्पियंस ट्रॉफी को जीतने पर बीसीसीआई ने 58 करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की थी, जिसमें खिलाड़ियों और हेड कोच गौतम गंभीर को 3-3 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा असिस्टेंट कोच और सहयोगी स्टाफ को 50-50 लाख रुपये मिले, जबकि बीसीसीआई अधिकारियों के हिस्से में 25-25 लाख रुपये आए। बीसीसीआई के इस फैसले की भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने जमकर तारीफ की। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने हेड कोच गंभीर भी सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या गंभीर भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ की तरह मिसाल पेश करेंगे, जिन्होंने अपने सहयोगी स्टाफ से ज्यादा राशि लेने से इनकार कर दिया था। बता दें कि भारत की टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीत के बाद द्रविड़ ने अपने सहयोगी स्टाफ के बाकी सदस्यों के बराबर राशि लेने का ऑप्शन चुना था। इस मामले पर गंभीर की तरफ से अब तक ऐसा कोई बयान नहीं आया है।

गावस्कर ने 'स्पोर्ट्स्टार' में अपने कॉलम में लिखा, 'आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप जीत और बीसीसीआई द्वारा ईनामी राशि की घोषणा के बाद तत्कालीन कोच राहुल द्रविड़ ने कोचिंग स्टाफ के अपने साथी सदस्यों से ज्यादा राशि लेने से इनकार कर दिया था और अपने सहयोगियों के जितनी ही राशि लेने का फैसला किया था। बीसीसीआई द्वारा चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ईनामी राशि की घोषणा किए हुए एक पखवाड़ा बीत चुका है, लेकिन हमने वर्तमान कोच गौतम गंभीर से इस बारे में कुछ नहीं सुना गया। क्या वह भी द्रविड़ जैसा ही कुछ करेंगे, या फिर ऐसा है कि इस मामले में द्रविड़ अच्छे रोल मॉडल नहीं हैं।'

गावस्कर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत के लिए 58 करोड़ की ईनामी राशि के लिए बीसीसीआई की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'अब, जब हमारे लड़कों ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती, तो बीसीसीआई ने टीम, सहयोगी स्टाफ और सिलेक्शन कमिटी के लिए 58 करोड़ रुपये की घोषणा की। पिछले साल जुलाई में आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार जीत के बाद बीसीसीआई ने टीम, सहयोगी स्टाफ और सिलेक्टर्स के लिए 125 करोड़ रुपये की घोषणा की।' उन्होंने कहा, ' यह वास्तव में शानदार है, क्योंकि बोर्ड, जिसके पास अब धन की भरमार है, सभी के प्रयासों की तारीफ कर रहा है और उन्हें अवॉर्ड दे रहा है।'

सीजन-18 में हो रही हिंदी कमेंट्री पर उठा सवाल

हरभजन सिंह ने ऐसे दिया जवाब

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज स्पिन गेंदबाज हरभजन सिंह आईपीएल 2025 में हिंदी कमेंट्री पैनल का हिस्सा है और इन दिनों काफी चर्चा का विषय भी बने हुए हैं। राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मैच के दौरान भज्जी ने जोफ्रा आर्चर के रंग को लेकर एक विवादित टिप्पणी की थी, जिसपर काफी बवाल भी मचा था। वहीं अब हिंदी कमेंट्री को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग रिएक्शन आ रहे हैं।

जिनमें से एक रिएक्शन पर हरभजन सिंह ने फीडबैक दिया है।

सोशल मीडिया पर एक यूजर का हिंदी कमेंट्री को लेकर वीडियो काफी वायरल हो रहा है। जिसमें यूजर ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा "हिंदी कमेंट्री एक समय में जानकारी से भरी होती थी, लेकिन अब इसमें हंसी-मजाक, शेरो-शायरी ज्यादा होने लगी है।"

यूजर ने कहा "मैं किसी कमेंटेटर को गलत नहीं बता रहा हूं आप सब लीजेंड हैं और हमसे से ज्यादा क्रिकेट के बारे में जानते हैं तो आपसे निवेदन है हिंदी कमेंट्री के दौरान कुछ ऐसा भी बताए, जिससे आने वाले पीढ़ी को क्रिकेट के बारे में कुछ सीखने को मिले।"

इस साल भारत आएगी अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम, लियोन मेसी भी होंगे शामिल

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों लियोन मेसी और अर्जेंटीना टीम को खेलते देखने का मौका मिलेगा। फीफा विश्व कप की विजेता टीम अर्जेंटीना और स्टार फुटबॉलर मेसी इस साल अक्तूबर में केरल में प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए भारत आएंगे। मेसी का 14 साल बाद यह पहला भारत दौरा होगा।

पिछले साल नवंबर में केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने बताया था कि अर्जेंटीना की टीम कोच्चि में दो प्रदर्शनी मैच खेलने के लिए राज्य का दौरा करेगी। अर्जेंटीना टीम की आधिकारिक पार्टनर ने बुधवार को बताया कि यह मुकाबला अक्तूबर में आयोजित होगा। इसका उद्देश्य भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देना है।

हिमाचल की शिल्पा की कप्तानी में भारत ने जीता कबड्डी का विश्व कप

बिलासपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय कबड्डी का परचम फिर विश्व स्तर पर लहराया है। इंग्लैंड में खेले गए कबड्डी वर्ल्ड कप-2025 में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने मेजबान इंग्लैंड को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। खास बात यह है कि भारतीय महिला टीम की कमान मंडी के बल्ह विधानसभा क्षेत्र के चक्कर गांव की शिल्पा भारद्वाज के पास रही। जिन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को ऐतिहासिक जीत तक पहुंचाया। भारतीय महिला टीम ने फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 57-34 से मात दी, जबकि पुरुष टीम ने रोमांचक मुकाबले में 44-41 से जीत दर्ज की।

महिला टीम में बिलासपुर की मीनाक्षी भी शामिल रहीं। जिन्होंने अपने शानदार खेल से टीम की जीत में अहम योगदान दिया। शिल्पा भारद्वाज की कप्तानी और मीनाक्षी के दमदार प्रदर्शन ने हिमाचल प्रदेश का नाम फिर पूरे विश्व में चमकाया है।

प्रदेश के खेल प्रेमियों के लिए यह दोहरी खुशी है कि बेटियां इस जीत में अहम भूमिका निभाने में सफल रहीं।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इस जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी।

सुनील कुमार ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

चीनी पहलवान को दी मात

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान सुनील कुमार ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 87 किग्रा ग्रीको रोमन वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में सुनील ने चीन के जियाजिन हुआंग को मात दी। सुनील इससे पहले सेमीफाइनल में हार गए थे जिसके बाद उन्होंने कांस्य के लिए मुकाबला खेला।

सेमीफाइनल में ईरानी प्रतिद्वंद्वी से हारे थे सुनील

2019 में रजत पदक जीतने वाले सुनील पुराना जादू बिखेरने में सफल रहे। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में तजाकिस्तान के सुखरोब अब्दुलखाएव को 10-1 से हराया। सेकेंड पीरियड में उन्होंने सभी अंक हासिल किए थे। हालांकि, सेमीफाइनल में ईरान के यासिन याजदी के खिलाफ सुनील को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा और वह फाइनल में जगह नहीं बना सके।

अन्य मैचों के नतीजे

वहीं, 77 किग्रा वर्ग का क्वालिफिकेशन बाउट जीतने वाले सागर ठकरान क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन के आमरो सादेह से 10-0 से हार गए। सादेह ने इस तरह सेमीफाइनल में जगह बनाई। हार के बाद सागर को अपने प्रतिद्वंद्वी के सेमीफाइनल मैच के नतीजे पर निर्भर रहना होगा। अन्य मैचों में उमेश (63 किग्रा) क्वालिफिकेशन में हार गए, जबकि नितिन (55 किग्रा) और प्रेम (130 किग्रा) भी क्वालिफिकेशन दौर से बाहर हुए।

विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश पर भी है धोनी का प्रभाव

बताया किस तरह दबाव झेलने में मिलती है मदद

चेन्नई, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय टीम और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से खेल जगत के कई लोग प्रभावित होते रहे हैं और इस लिस्ट में विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश का नाम भी शामिल है। गुकेश शतरंज बोर्ड पर शांत रवैये के लिए जाने जाते हैं और धोनी भी कैप्टन कूल के नाम से प्रसिद्ध हैं। 43 साल के धोनी फिलहाल आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं। गुकेश ने शतरंज में दबाव झेलने का श्रेय धोनी को दिया है।

धोनी के बड़े प्रशंसक हैं गुकेश

गुकेश विश्व कप विजेता कप्तान धोनी के बड़े प्रशंसक हैं और अब वह सीएसके के इस लीजेंड खिलाड़ी से जीवन के सबक सीख रहे हैं। गुकेश ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में सीएसके साथ विशेष बातचीत की। गुकेश ने इस दौरान बताया कि किस तरह उन पर और उनके खेल पर धोनी का प्रभाव है। गुकेश ने कहा, धोनी के एक खिलाड़ी हैं जिनकी मैं हमेशा प्रशंसा करता हूं। कैसे वे किसी भी चीज पर प्रतिक्रिया नहीं करते। कैसे वे किसी भी परिस्थिति में शांति से सोचने में सक्षम हैं। सबसे ज्यादा दबाव वाले क्षणों में, वे शांति से सोचने में सक्षम हैं। मैं यह सब देखते हुए बड़ा हुआ हूं। मुझे लगा कि मुझे अपने खेल में भी इसे अपनाना चाहिए।

गुकेश ने कहा, इस तरह से धोनी ने मुझे वाकई प्रेरित किया है। मैं चीजों पर ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं देता। मैं दबाव झेलने में भी सक्षम हूं। इस मामले में धोनी ने मेरे करियर में मेरी काफी मदद की है। न केवल एक प्रेरणा के रूप में बल्कि मेरे खेल में भी।

गुकेश बोले- धोनी का उनके दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ा

पिछले साल गुकेश ने डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले में गुकेश ने दबाव की स्थिति में शांत रहने का परिचय दिया था। पहला गेम हारने के बाद गुकेश ने शानदार तरीके से वापसी की थी और लिरेन को अंतिम गेम तक संघर्ष करना पड़ा था। गुकेश ने बताया कि कैसे धोनी को दबाव से निपटते और मैदान पर अपने खिलाड़ियों को नियंत्रित करते हुए देखने से शतरंज के प्रति उनके दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ा है।

गुकेश ने कहा, जब भी कोई दबाव वाला पल आता है, तो मैं सोचता हूं कि धोनी ने ऐसी परिस्थिति में इतने दबाव को कैसे संभाला होगा। इन चीजों ने मुझे शांत रहने में बहुत मदद की है। मुझे लगता है कि धोनी ने एक साक्षात्कार में कहा था, सरल चीजें करते रहो, जब परिस्थिति बहुत कठिन हो तो दिमाग स्पस्ट रखो। शतरंज में कठिन परिस्थितियों का सामना करते समय मैं अपने भीतर वही शांति लाने की कोशिश करता हूं। धोनी को इतनी बार देखने के बाद इसका मुझ पर बहुत प्रभाव पड़ा है। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने बताया कि 2011 वनडे विश्व कप के फाइनल में धोनी को विजयी छक्का लगाते देखना माही के करियर का उनका सबसे पसंदीदा पल है। गुकेश ने कहा, किसी भी भारतीय के लिए 2011 वनडे विश्व कप के फाइनल में विजयी छक्का बहुत महत्व रखता है और मेरे दिमाग में भी यह हमेशा रहता है। कोई भी इस पल से बड़ा नहीं हो सकता।

अखिल भारतीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप

महिला वर्ग में डॉ. राम मनोहर लोहिया व अवध विवि प्रथम

मेरठ, 26 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ के सुभारती विश्वविद्यालय में चल रही पांच दिवसीय अखिल भारतीय किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप का विजेताओं के सम्मान के साथ समापन किया गया। जनरल मोहन सिंह खेल मैदान में बने बॉक्सिंग रिंग में पांच दिन तक खिलाड़ियों ने जमकर किक बॉक्सिंग में अपना दम दिखाया।

किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप महिला वर्ग में ओवरऑल चैंपियन प्रथम स्थान डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान मैसूर विश्वविद्यालय को मिला। तृतीय स्थान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में ओवरऑल प्रथम स्थान महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया और तृतीय स्थान आईआईएमटी को मिला।

कुलपति मेजर जनरल डॉ. जीके थपलियाल ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पांच दिनों में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने सुभारती विश्वविद्यालय परिसर में युवा जोश दिखाकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। सुभारती विश्वविद्यालय युवाओं में खेल प्रतिभा का निर्माण कर उन्हें देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित कर रहा है। मुख्य अतिथि वाको किक बॉक्सिंग फेडरेशन इंडिया के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश की संपदा है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. शल्या राज ने किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप के सफल आयोजन पर बधाई दी। किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप के संयोजक व शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप कुमार ने बताया कि पुरुष वर्ग में सुभारती विश्वविद्यालय के छात्र मोहम्मद अकदस ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

महिला वर्ग में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की छात्रा मधु ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। सुभारती विश्वविद्यालय की छात्रा भूमिका यादव ने रजत पदक प्राप्त किया। एआईएसयू की छात्रा श्रीलेखा एम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की छात्रा मेनारिया प्रांजल ने भी कांस्य पदक प्राप्त किया।

84 किग्रा. भार में प्रथम स्थान मकोरवाल अंश, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान तुषार, मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, तृतीय स्थान महाजन आर्यन, महाराजा भूपिंदर सिंह पंजाब खेल विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान सोलंकी मंडल, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को भी मिला।

इतना कौन जीरो पर आउट होता है? न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में बना नया पाकिस्तानी रिकॉर्ड

खेल डेस्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। एक और मैच, एक और इनिंग और एक और बार जीरो पर आउट. ये कहानी है बाबर आजम की जगह T20 टीम का हिस्सा बनकर न्यूजीलैंड के दौरे पर गए ओपनर हसन नवाज की, जो कीवी टीम के खिलाफ खेली 5 मैचों की टी20 सीरीज में तीसरी बार जीरो पर आउट हुए है. हसन नवाज ने इस सीरीज से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की है. मगर अपने इंटरनेशनल करियर की खेली पहली 5 पारियों में 3 बार जीरो पर आउट होकर उन्होंने नया पाकिस्तानी रिकॉर्ड बना दिया है.

हसन नवाज टी20 सीरीज में सबसे ज्यादा जीरो पर आउट होने वाले पाकिस्तानी ओपनर बन गए हैं. उनसे पहले ये रिकॉर्ड शाहजायब हसन, मोहम्मद हफीज और मोहम्मद रिजवान के नाम पर था, जो 2-2 बार जीरो पर आउट हुए हैं. हालांकि, उन तीनों ने हसन नवाज की तरह 5 मैचों की टी20 सीरीज नहीं खेली है. शाहजायब हसन 2 मैचों की टी20 सीरीज में 2 बार जीरो पर आउट हुए है. वहीं मोहम्मद हफीज 3 मैचों की टी20 सीरीज में और मोहम्मद रिजवान 4 मैचों की टी20 सीरीज में.

हसन नवाज ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत ही जीरो के साथ की. उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में 2 गेंदों का सामना कर बस जीरो रन बनाए. जैसे उन्होंने सीरीज का आगाज किया, वैसे ही उनके लिए सीरीज का अंत भी हुआ. हसन नवाज न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के आखिरी मैच में भी 4 गेंदों पर बिना कोई खाता खोले ही डगआउट लौटे. इन दो जीरो के बीच एक और जीरो उन्हें सीरीज के दूसरे मैच में मिला, जहां वो 3 गेंदें खेलकर कोई रन नहीं बना सके.

हसन नवाज ने एक ओर जहां 3 बार जीरो पर आउट होकर टी20 सीरीज में नया पाकिस्तानी रिकॉर्ड सेट किया. वहीं एक रिकॉर्ड उन्होंने पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक जड़ने का भी बनाया. ये कारनामा हसन नवाज ने सीरीज के तीसरे मैच में 44 गेंदों पर अपना शतक पूरा करते हुए किया था. उन्होंने बाबर आजम के 49 गेंदों पर जमाए शतक का पाकिस्तानी रिकॉर्ड तोड़ा था. न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हसन नवाज के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 5 पारियों में 3 डक और 1 शतक के साथ 106 रन बनाए हैं. कमाल की बात ये है कि 3 बार जीरो पर आउट होने के बाद भी ये बल्लेबाज सीरीज में पाकिस्तान का दूसरा टॉप स्कोरर रहा.

भट्टी ने केटीआर को प्रतिशत पर आरोप साबित करने की चुनौती दी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बीआरएस विधायक के टी रामा राव के "प्रतिशत' पर बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सदस्य को प्रतिशत के आरोप पर अपना बयान साबित करना चाहिए या विधानसभा और राज्य के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम राजनीति में जिम्मेदारी के साथ आए है और दलित, शोषित, मजदूर और पीड़ित वर्ग के पक्ष में खड़े हुए। हमने भी आपकी तरह राज्य को लूटा नहीं। सदन में बोलते समय सदस्यों को ईमानदारी से बोलना चाहिए और अपनी जुबान पर लगाम लगानी चाहिए। क्या आपको लगता है कि आप अपनी बकवास से बच सकते हैं, बुधवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान नाराज भट्टी विक्रमार्क ने अध्यक्ष को संबोधित करते हुए आश्चर्य जताया कि बहस और चर्चा के नाम पर कुछ सदस्य सदन में झूठ कैसे बोल सकते हैं।

"पिछली सरकार ने विभिन्न कार्यों से संबंधित 40,000 करोड़ रुपये लंबित रखे थे। पिछले शासकों की गलत हरकतों के कारण कुल एक लाख करोड़ रुपये के बिल लंबित थे।

कामों को अंजाम देने वाले बिलों के लिए सचिवालय के चक्कर लगा रहे थे।," उन्होंने बीआरएस विधायकों द्वारा बोले गए इस झूठ पर आपत्ति जताई कि सरकार ने राजीव गांधी नागरिक, अभय हस्तम के नाम पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से घोषणाएं जारी की हैं। उन्होंने कहा, "सरकार ने सिविल सेवा परीक्षा में मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के लिए चयनित होने वालों को वित्तीय प्रोत्साहन देने का फैसला किया है। अगर राज्य के हमारे छात्रों को अवसर मिलता है, तो राज्य की प्रतिष्ठा बढ़ेगी और यदि संभव हो तो वे राज्य के हितों की रक्षा करेंगे। सरकार के इस कदम के पीछे यही मंशा है।" कांग्रेस सरकारों ने सशस्त्र किसान संघर्ष से प्रेरणा लेकर भूमि जोतने वालों को अधिकार प्रदान किए। लेकिन, बीआरएस पार्टी के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने पट्टादार कॉलम शुरू किया और कठोर धरनी अधिनियम के तहत कृषक कॉलम को समाप्त कर दिया। कांग्रेस सरकार ने भूमि सुधारों के माध्यम से 24 लाख किसानों को भूमि आवंटित की, जबकि बीआरएस नेताओं ने इन किसानों को धरनी प्रणाली के भाग बी के तहत रखा, जिससे कई किसानों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़े। उस प्रशासन ने तहसीलदारों को उचित सत्यापन के बिना भूमि पंजीकृत करने के लिए अधिकृत किया, जिससे लंबे संघर्षों के बाद स्थापित भूमि कानूनों को कमजोर किया गया। भट्टी ने जोर देकर कहा, "हमने जनता को भरोसा दिलाया कि धरनी को बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाएगा। लोगों ने हम पर भरोसा किया और हमें वोट दिया।" उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि बीआरएस ने कब्जे वाले कॉलम को खत्म कर दिया, पट्टा धारकों को प्राथमिकता दी और एक बार फिर जागीरदारों और जमींदारों को उन जमीनों पर स्वामित्व हासिल करने में सक्षम बनाया।

टीएसआरटीसी बसों में चोरी के आरोप में 4 गिरफ्तार

2.5 तोला सोना बरामद

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज पुलिस ने बुधवार को टीजीआरटीसी बसों में चोरी के मामले में कथित तौर पर शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 2.5 तोला सोना बरामद किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांबले श्रीनु (32), मोहम्मद महबूब (36), वेमुला श्रीनु (45) और कांबले विकास (22) शामिल हैं, जो अफजलसागर, मल्लेपल्ली के निवासी हैं। इनके तीन साथी विजय, करन और सद्दाम फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह सार्वजनिक परिवहन बसों में घूमता था और यात्रियों से सोने की चेन और पर्स चुराता था। 19 मार्च को एक शिकायत पर, अफ़ज़लगंज पुलिस ने मामला दर्ज किया और गिरोह के सदस्यों की पहचान की। अफ़ज़लगंज इंस्पेक्टर एन रवि ने कहा कि यह गिरोह सार्वजनिक परिवहन बसों में चलने वाले यात्रियों को निशाना बनाता था और उनके फोन, पर्स और सोने की चेन चुरा लेता था। फरार तीन संदिग्धों की पहचान के प्रयास जारी हैं।

3,000 से अधिक बस्तियों में स्कूल नहीं

>> शिक्षा के लिए दूरदराज जाते हैं 21,806 बच्चे

>> स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी किया आंकड़ा

>> सबसे अधिक 276 स्कूलविहीन बस्तियां खम्मम में

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में कुल 3,179 बस्तियों (बस्तियों) में स्कूल नहीं हैं, जिससे छात्रों को शिक्षा के लिए दूरदराज के इलाकों में जाना पड़ता है।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इन बस्तियों में लगभग 21,806 बच्चे रहते हैं, जिनमें से 13,219 दूरदराज के इलाकों में रहते हैं। खम्मम जिले में सबसे अधिक 276 स्कूलविहीन बस्तियां हैं। भद्राद्री कोत्तागुडेम और सिद्दीपेट जिलों में क्रमशः 259 और 241 बस्तियां बिना स्कूलों के हैं। कुल 385 बस्तियों में प्राथमिक स्कूल नहीं हैं, 1,955 में उच्च प्राथमिक स्कूल नहीं हैं तथा 2,158 बस्तियों में हाई स्कूल नहीं हैं।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार, राज्य सरकारों को पड़ोस से एक किलोमीटर की पैदल दूरी के भीतर एक प्राथमिक विद्यालय स्थापित करना चाहिए। कक्षा VI और VIII के बच्चों के लिए, उनके निवास स्थान से तीन किलोमीटर की पैदल दूरी के भीतर एक स्कूल स्थापित किया जाना चाहिए। आस-पास शैक्षणिक संस्थान न होने के कारण बच्चों को स्कूल जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

इसके लिए राज्य सरकार प्रति बच्चे को परिवहन शुल्क के रूप में 6,000 रुपये प्रति वर्ष प्रदान कर रही है और शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए परिवहन शुल्क के लिए मंगलवार को 13.08 करोड़ रुपये जारी किए गए।

भट्टी पर असंसदीय भाषा का आरोप लगाते हुए बीआरएस ने किया वॉकआउट

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क पर विधानसभा में असंसदीय भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सदस्यों ने बुधवार को सदन से वाकआउट किया। विधानसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान हंगामा हुआ। बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी जब राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग पर बोल रहे थे, तो उपमुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी समेत मंत्रियों ने बार-बार उनके भाषण को बाधित किया। पैनल अध्यक्ष रेवूरी प्रकाश रेड्डी ने सदस्यों से अध्यक्ष के साथ सहयोग करने की अपील की तथा सत्ता पक्ष और विपक्ष से कहा कि वे आपस में बहस में न उलझें।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने अध्यक्ष से पूछा कि सत्ता पक्ष कितनी बार बीआरएस सदस्यों के भाषण में बाधा डालेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सार चर्चा, बहस और असहमति है। विपक्षी दल सरकार की विफलताओं को उजागर करेंगे और मंत्रियों को संयम बरतना चाहिए। केटी रामा राव ने कहा कि मुझे कहना है कि 30 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने की शिकायतें हैं और ठेकेदारों ने 20 प्रतिशत कमीशन के खिलाफ सचिवालय में विरोध प्रदर्शन किया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष की टिप्पणी से नाराज उपमुख्यमंत्री ने पूछा कि 30 प्रतिशत कमीशन में कौन शामिल था।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि मैं केटीआर को चुनौती देता हूं कि वे अपने आरोपों को साबित करें और सदन से माफ़ी मांगें। सदस्य अपनी मर्जी से टिप्पणी नहीं कर सकते। कांग्रेस सदस्यों ने नारेबाजी की और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष से माफी मांगने की मांग की। उपमुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, हरीश राव, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, प्रशांत रेड्डी, विवेकानंद, गंगुला कमलाकर और अन्य सहित बीआरएस सदस्य वेल में आ गए और भट्टी विक्रमार्क की भाषा पर आपत्ति जताई।

हरीश राव ने अध्यक्ष से पूछा कि उपमुख्यमंत्री असंसदीय भाषा का प्रयोग कैसे कर सकते हैं। हालांकि, उपमुख्यमंत्री ने अपनी टिप्पणी का बचाव किया और दावा किया कि उन्होंने ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया। सत्ता पक्ष के रवैये के बावजूद, बीआरएस सदस्यों ने अध्यक्ष से पल्ला राजेश्वर रेड्डी को अपना भाषण समाप्त करने की अनुमति देने की अपील की। जब बीआरएस सदस्य ने उपमुख्यमंत्री की भाषा पर आपत्ति जताने की कोशिश की तो अध्यक्ष ने भाजपा विधायक पलवई हरीश को बोलने के लिए कहा। इसके विरोध में बीआरएस सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया।

व्यापार और निवेश धोखाधड़ी में हुई दो आरोपियों की गिरफ़्तारी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ़्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में अमरनाथ सिंह, निवासी रामपाल चौक, सेक्टर-7, द्वारका, दिल्ली और रणवीर सिंह, निवासी, पालम गांव, दक्षिण पश्चिम दिल्ली शामिल हैं। आरोपी भारत भर में 17 मामलों और तेलंगाना में 1 मामले में शामिल है। पुलिस के अनुसार पीड़ित, व्यवसायी, निवासी हैदराबाद, ने बताया कि साइबर जालसाजों ने उनसे मोबाइल पर संपर्क किया और लालच दिया कि वे शिकायतकर्ता के उत्पाद के लिए व्यावसायिक ऑर्डर प्रदान करेंगे, तदनुसार उन्होंने विश्वास किया और पंजीकरण शुल्क का भुगतान किया और उनका ग्राहक बन गए। इसके बाद जालसाजों ने शिकायतकर्ता को फर्जी ईमेल भेजकर बताया कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसके उत्पाद की भारी मांग है।

उन पर विश्वास करके उनके निर्देशानुसार शिकायतकर्ता ने 9,50,531 रुपये का भुगतान कर दिया। राशि प्राप्त करने के बाद साइबर जालसाजों ने उससे संपर्क तोड़ दिया, तब शिकायतकर्ता को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है और उसने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। इस संबंध में पुलिस स्टेशन साइबर क्राइम, हैदराबाद के बीएनएस में धारा 66 (सी), (डी) और धारा 318 (4), 319 (2), 111 (2) (बी) के तहत सीआर संख्या 3083/2024 में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने छानबीन के बाद अमरनाथ सिंह और रणवीर सिंह को गिरफ्तार किया है।

सबसे अधिक महिला कांग्रेस सदस्य बनाने पर सुनीता राव सम्मानित

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष मोगिली सुनीता राव को आज दिल्ली के एआईसीसी इंद्रा कांग्रेस भवन में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लाम्बा के हाथों पहला पुरस्कार मिला। तेलंगाना राज्य महिला कांग्रेस की सदस्य संख्या 1 लाख 600 तक पहुंच गई है और यह भारत के सभी राज्यों में प्रथम स्थान पर है। इस अवसर पर मोगिली सुनीता राव ने कहा कि महिला कांग्रेस की मजबूती के लिए महिला कांग्रेस से जुड़ने वाली प्रत्येक बहन को बधाई।

सुनीता राव ने कहा कि आने वाले दिनों में, तेलंगाना राज्य सरकार महिलाओं को एक मंच देगी और पीसीसी में मनोनीत पदों पर महिला कांग्रेस सदस्यों को उचित स्थान देने के लिए मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी से लेकर पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ तक के ध्यान में लाएगी।

सुधार विंडो शुरू

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीयूईटी यूजी सुधार विंडो आधिकारिक वेबसाइट पर जमा की जानी है। सुधार विंडो 26 मार्च से शुरू कर दी गई, और एनटीए सीयूईटी यूजी 2025 की सुधार विंडो के लिए प्रक्रिया 28 मार्च को रात 11:50 बजे बंद कर देगा।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) सीयूईटी यूजी का आयोजन कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में करेगी। परीक्षा 8 मई से 1 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा 13 भाषाओं में 36 विषयों के लिए आयोजित की जाएगी। आवेदक अपने स्थायी और वर्तमान पते के आधार पर परीक्षा शहर की प्राथमिकता बदल सकते हैं। विषयों के लिए संपादन विकल्प भी उपलब्ध है, आप भाषा और सामान्य योग्यता परीक्षण सहित 5 विषय चुन सकते हैं। हालाँकि, मोबाइल नंबर, ई-मेल पता, पता और आपातकालीन संपर्क नंबर नहीं बदला जा सकता।

ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय ने 'क्षमता निर्माण' कार्यशाला का किया आयोजन

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने हैदराबाद में ट्राई के साथ पंजीकृत दूरसंचार उपभोक्ता संगठनों के 'क्षमता निर्माण' के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। जागरूकता सत्र में दूरसंचार, प्रसारण नियम, उपभोक्ता अधिकार, ट्राई के हालिया निर्देश, परामर्श एवं विनियम तथा साइबर सुरक्षा जागरूकता पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के दूरसंचार उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ इन चार राज्यों की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों एयरटेल, बीएसएनएल, जियो और वोडाफोन आइडिया ने भाग लिया। कार्यक्रम में सभी उपभोक्ता संगठनों और दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुतियाँ दीं। इस अवसर पर ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय के सलाहकार बी प्रवीण कुमार आईटीएस, ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय के संयुक्त सलाहकार केवी सुरेश बाबू आईटीएस, सी-डैक के परियोजना प्रबंधक एम जगदीश बाबू, दूरसंचार विभाग के निदेशक (सुरक्षा) अरविंद कुमार, एपी एलएसए, ट्राई से वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी सीएच भिक्षाम और एम वेंकटपति, सी-डैक, हैदराबाद के आईएसईए परियोजना प्रबंधक डॉ एम जगदीश बाबू, उपभोक्ता वकालत समूह (सीएजी) और दूरसंचार सेवा प्रदाता उपस्थित थे।

वाईएसआरसीपी नेता कोडाली नानी को अस्पताल में कराया गया भर्ती

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता कोडाली नानी को बुधवार को हैदराबाद के गचीबोवली स्थित एआईजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, पूर्व मंत्री को मंगलवार रात गैस्ट्रिक समस्या हुई थी। उनका तुरंत इलाज किया गया और कई परीक्षणों के बाद अस्पताल अधिकारियों ने पुष्टि की कि नानी को हृदय संबंधी समस्या है। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की। वाईसीपी नेताओं ने स्पष्ट किया कि कोडाली नानी को गैस्ट्रिक समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था; वास्तव में उन्हें दिल का दौरा नहीं पड़ा था। गुडीवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से आने वाले कोडाली नानी ने मंत्री के रूप में कार्य किया था।

सरूरनगर हत्याकांड में पुजारी को आजीवन कारावास

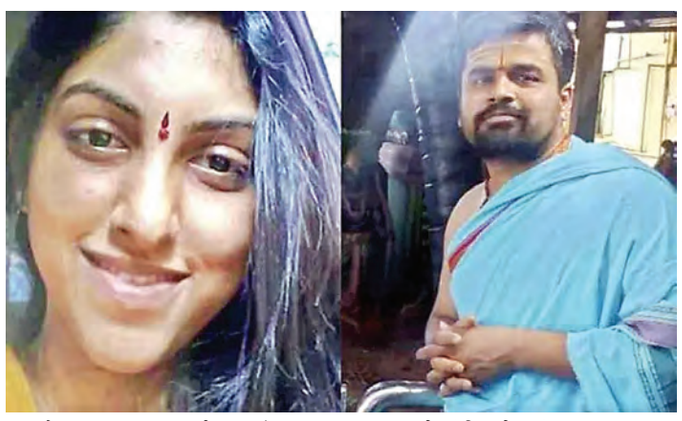

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक स्थानीय अदालत ने 2023 में सरूरनगर में हुई के अप्सरा (30) की नृशंस हत्या के मामले में पुजारी ए वेंकट साई कृष्णा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने उन्हें सात साल कैद की भी सजा सुनाई है। अदालत ने 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया, जिसमें से 9.7 लाख रुपये पीड़ित के परिवार को मुआवजे के रूप में दिए जाने का आदेश दिया।

मंदिर में पुजारी और पहले से शादीशुदा कृष्णा ने सरूरनगर की रहने वाली अप्सरा से शादी करने का वादा किया था। उसने उसे कोयंबटूर की यात्रा के बहाने शमशाबाद बुलाया, फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और जून 2023 में सरूरनगर में बंगारू मैसम्मा मंदिर के पास एक मैनहोल में उसका शव छिपा दिया। कृष्ण ने धोखे की योजना बनाई थी, यहाँ तक कि अप्सरा का विश्वास जीतने के लिए उसने नकली फ्लाइट टिकट भी बनाए थे। उसने अप्सरा की माँ को यह भी बताया कि वह उसे आरजीआई एयरपोर्ट पर छोड़ देगा। लेकिन वह उसे अपनी कार में शमशाबाद के नारकुडा में एक सुनसान जगह पर ले गया और उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने शव को कार में डालकर मैनहोल में फेंक दिया और उसे सीमेंट से सील कर दिया, ताकि सारे सबूत मिटा दिए जाएं। गुमशुदगी के मामले की जांच कर रही आरजीआई पुलिस ने संदेह के आधार पर कृष्णा को हिरासत में लिया और उसने सारी बातें बता दीं।

अमेज़न वेयरहाउस पर छापा, 2783 अप्रमाणित उत्पाद जब्त

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), हैदराबाद शाखा कार्यालय ने बीआईएस अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए एयरपोर्ट सिटी, शमशाबाद में स्थित अमेज़न गोदाम में तलाशी और जब्ती अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान, कुल 2,783 उपभोक्ता वस्तुएं, जिनमें 150 स्मार्ट घड़ियां, 15 इलेक्ट्रिक वाटर हीटर, 30 सीसीटीवी कैमरे, 16 घरेलू इलेक्ट्रिक फूड मिक्सर, 10 घरेलू प्रेशर कुकर, 1937 स्टेनलेस स्टील पानी की बोतलें, 326 वायरलेस ईयरबड, 170 मोबाइल चार्जर, 90 इलेक्ट्रिक और गैर-इलेक्ट्रिक योय आदि शामिल थे, अनिवार्य बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना संग्रहीत और बिक्री के लिए पेश किए गए पाए गए।

ये उत्पाद भारत सरकार द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) के दायरे में आते हैं, जिसके तहत बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जब्त किए गए उत्पाद, जिन्हें अपेक्षित बीआईएस मानक चिह्न के बिना बेचा जा रहा था, की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक है।

बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17, उचित बीआईएस प्रमाणन के बिना क्यूसीओ के अंतर्गत आने वाले माल की बिक्री, भंडारण या वितरण पर प्रतिबंध लगाती है और पहली बार उल्लंघन करने पर दो साल तक की कैद या कम से कम 2 लाख रुपये का जुर्माना और बाद में उल्लंघन करने पर 5 लाख रुपये से कम का जुर्माना सहित सजा का प्रावधान करती है, जो माल के मूल्य से दस गुना तक हो सकता है।

बीआईएस ने उपभोक्ताओं से बीआईएस-प्रमाणित उत्पादों की प्रामाणिकता बीआईएस केयर ऐप के माध्यम से या पोर्टल पर जाकर सत्यापित करने का आग्रह किया है। बीआईएस मानक चिह्नों के दुरुपयोग या गलत उपयोग के बारे में जानकारी ऐप के माध्यम से या हैदराबाद शाखा कार्यालय से संपर्क करके गोपनीय रूप से बीआईएस को रिपोर्ट की जा सकती है। प्रवर्तन अभियान निदेशक एवं प्रमुख पीवी श्रीकांत के निर्देशन में तथा संयुक्त निदेशक राकेश तन्नेरू के नेतृत्व में उप निदेशक कविन के, एसपीओ अभिसाई एटा और जेएसए शिवाजी के सहयोग से चलाया गया।

शीर्ष माओवादी सरैया की मौत

हनमकोंडा, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के काजीपेट मंडल के तरालापल्ली गांव में शीर्ष माओवादी अंकेश्वरपु सरैया की मौत पर शोक मनाया गया, जिसे सुधीर, सुधाकर और मुरली जैसे उपनामों से जाना जाता था। मंगलवार को दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों की सीमा पर सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में वह मारा गया। वह दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य और दंतेवाड़ा एरिया कमेटी का कमांडर था। सरैया करीब 30 साल पहले माओवादियों में शामिल हुआ था और उस पर 25 लाख रुपये का नकद इनाम है।

6 मंजिला इमारत ढही, 2 मजदूर जिंदा दफन

भद्राचलम, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को एक छह मंजिला निर्माणाधीन इमारत के ढह जाने से कम से कम दो श्रमिक जिंदा दफन हो गए तथा कई अन्य के मलबे में फंसे होने की आशंका है। भद्राचलम पंचायत कार्यालय के पास निर्माणाधीन इमारत उस समय ढह गई जब मजदूर निर्माण कार्य में पूरी तरह व्यस्त थे।

राहत और बचाव कार्य के लिए पुलिस और अग्निशमन सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने अब तक दो शव बरामद किए हैं और कम से कम पांच अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि इमारत का निर्माण बिना किसी अनुमति के किया जा रहा था। बताया जाता है कि इमारत का मालिक श्रीनिवास राव था, जो अब फरार है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.